



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 871
No. 871नई दिल्ली, सोमवार, मई 2, 2011/वैशाख 12, 1933
NEW DELHI, MONDAY, MAY 2, 2011/VAISAKHA 12, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा सम्बद्ध शुल्क प्राधिकारी के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच)

अंतिम जाँच परिणाम

नई दिल्ली, 2 मई, 2011

विषय : चीन जन. गण., जापान, कोरिया गण., मलेशिया, रूस, ताइवान तथा थाइलैंड के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित “पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन” (पी बी सी पेस्ट रेजिन) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच।

- क. सं. 14/36/2009-डीजीएडी.—यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा-संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पारित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए चीन जन. गण., जापान, कोरिया गण., मलेशिया, रूस, ताइवान तथा थाइलैंड के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित “पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन” के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी।
- आवेदन के प्रारंभिक जाँच से कतिपय खामियों का पता चला जिन्हें तत्पश्चात् आवेदक द्वारा सुधारा गया था। अतः आवेदक को उचित ढंग से दस्तावेजयुक्त समझा गया था। प्राधिकारी ने जाँच की शुरुआत को उचित ठहराने वाले आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के विरुद्ध जाँच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जाँच की शुरुआत करने से पहले सम्बद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों को इस आवेदन, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटन और घरेलू उद्योग को उससे हुई परिणामी क्षति का दावा किया गया है, की प्राप्ति के बारे में सूचित किया। प्राधिकारी ने दिनांक 3 नवम्बर, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया तथा जिसके द्वारा पाटनरोधी नियमावली के नियम

6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू की गई थी ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव को निर्धारित किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी ।

ख. प्रक्रिया

3. निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- i. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 3 नवंबर, 2009 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक-एक प्रति भारत में संबद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों, संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार भेजी और उनसे जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- ii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावलियां भेजी गई थीं
- iii. प्राधिकारी ने संबंधित नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों को आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति उपलब्ध कराई ।
- iv. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार भारत स्थित संबद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों को जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों के नाम और पतों के साथ उन्हें भी भेजी गई थी ।
- v. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावलियां भेजी गई थीं :

1. तियानजिन कैमिकल प्लांट

2. तियानजिन बोहाई कैमिकल इंडरस्ट्रीज

जिकाई साउथ रोड,
हंगु डिस्ट्रिक,
तियानजिन, चीन जन.गण.

इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कापरिशन
छठी मंजिल, होंडा बिल्डिंग,
हेबई रोड, हेपिन एरिया,
तियानजिन, चीन जन.गण.

3. शेनयांग कैमिकल कंपनी लि.
नं.46 वेइगोंग स्ट्रीट टैक्सी के उत्तर में,
जिला - शेनयांग सिटी
लियाओनिंग प्रोविन्स, चीन जन.गण.

4. फार्मोसा प्लास्टिक कार्पो.
201, तुंग हवा नार्थ रोड,
ताइपेई ताइवान

5. एलजी कैम. लि.,
एल जी ताइवान टावर्स,
20 येउइडो-डोइंग,
येनगेडुआंगपोगू,
सियोल 150-721, कोरिया गण

6. हनवाह कैमिकल्स
1, जांगयोडोंग जुंगगू,
सियोल 100-797,
कोरिया गण

7. कनेका पेर्स्ट पोलीमर्स एसडीएन
बीएचडी,(कंपनी नं.:476322-के)
सूइट 6.02, 6ठी मंजिल, मिलेनियम
ऑफिस ब्लॉक, 160, जलान बुकिट
बिनटांग, 55100 कुआला लम्पुर,
मलेशिया

8. विन्थाई पब्लिक कंपनी लिमिटेड
14वीं मंजिल, ग्रीन टॉवर,
3656/41 रामा IV रोड,
खेत क्लोंगटोये,
बैंकॉक 10110,
थाईलैंड

9. कनेका कार्पोरेशन
3-2-4, नकानोशिमा,
किटा-कू, ओसाका 530-8288
जापान

10. ओओओ पोलीमर-कैमी
मिनसाक्या स्ट्रीट, 1 जी,
121059 मास्को
रूस

vi. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निर्यातकों/उत्पादकों/एसोसिएशन सहित निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने उत्तर दिए हैं:

क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम	देश
1.	कोरिया गण. का दूतावास, नई दिल्ली	कोरिया गणराज्य
2.	व्यापारिक वार्ता विभाग, आर्थिक विकास मंत्रालय, रूसी रूस परिसंघ	रूस
3.	विदेश व्यापार विभाग, थाईलैंड	थाईलैंड
4.	केमेटेरियन पेराडानगन अन्तर्राष्ट्रीया डेन इंडरस्ट्री, मलेशिया	कुआलालम्पुर
5.	मै. एल जी कैम. लि.	कोरिया गणराज्य
6.	मै. हनवा कैमिकल कार्पो.	कोरिया गणराज्य
7.	मै. मित्सुई एंड कं. लि.	जापान
8.	मै. कनेका कार्पोरेशन	जापान
9.	मै. कनेका पेर्स्ट पोलीमर्स एसडीएन बीएचडी	मलेशिया

10.	मै. मित्सुई एड कं. (एशिया पेसिफिक) प्रा. लि.	मलेशिया
11.	मै. कार्मासा प्लासिटिक कार्प. ताइवान	ताइवान
12.	मै. विच्छाई पब्लिक कं. लि. लि. बैंकॉक	थाईलैंड

vii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

क्र. सं.	कंपनी का नाम	क्र. सं.	कंपनी का नाम
1	अकाजो नोबल कोटिंग इंडिया प्रा. लि., कर्नाटक	37	बी.बी. ट्रेडिंग कं. लि.
2	अलेप्पी कं. लि., कर्नाटक	38	इन्कम केबल्स प्रा.लि., दिल्ली
3	अनांबॉड एसेक्स इंडिया प्रा.लि., चेन्नई	39	कुदन रिलायन्स मिल्स लि., दिल्ली
4	क्रिएटिव वर्ल्ड, मुंबई	40	लक्की पलास्ट इंडिया, दिल्ली
5	डी सी मिल्स (प्रा) लि., केरल	41	मैन्सफील्ड केबल कं., नोएडा
6	डी आर जी लेदन प्रा.लि. केरल	42	मार्वल विनायल लि., दिल्ली
7	एफटैक शर्फ़ इंडिया लि., मुंबई	43	नोउवेलले क्रेडिट्स प्रा. लि., दिल्ली
8	फेनर कन्वेयर बेल्टिंग प्रा.लि. तमिलनाडु	44	ओरिएन्ट ओवरसीज प्रा. लि., नई दिल्ली
9	फेनोप्लास्ट लि., आंध्र प्रदेश	45	ओसवाल विनायल इंडस्ट्रीज लि., नई दिल्ली
10	हलोल लेदर क्लॉथ लि., मुंबई	46	पैरामाउंट कम्पूनिकेशन्स लि., दिल्ली
11	हैंकल टेरोसन इंडिया (प्रा.) लि., हरियाणा	47	पूनम प्लास्टिक्स प्रोडक्ट्स, दिल्ली
12	हिन्दुस्तान सील्स लि., कोलकाता	48	आर.के. इंडस्ट्रीज, दिल्ली
13	इंटरनेशनल कन्वेयर लि., औरंगाबाद	49	आर.के. ट्रेडिंग कंपनी, दिल्ली
14	जस्च इंडस्ट्रीज लि., नई दिल्ली	50	आर.एस. ओवरसीज प्रा.लि., दिल्ली
15	केराफाइबरटैक्स इंटरनेशनल प्रा.लि., कोचीन	51	रेलीसन इलेक्ट्रिकल्स प्रा.लि.
16	केरला बेरल्स लि. केरल	52	रेस्पोन्सिव इंडस्ट्रीज लि., महाराष्ट्र
17	मयूर यूनीकोटर्स लि., जयपुर	53	रिटजी इंटरनेशनल प्रा.लि., दिल्ली
18	ओसवाल केबल प्रोडक्ट्स, नई दिल्ली	54	रोयल इंडस्ट्रीज, दिल्ली
19	फिरोज सेथना प्रा. लि., मुंबई	55	एस.के. ट्रेडर्स, दिल्ली
20	पोलमन इंडिया लि., मुंबई	56	एस एल एफ.(इंडिया) लिमिटेड, दिल्ली
21	पोलीनोवा इंडस्ट्रीज लि., गोवा	57	एस.आर. पोलीचैम, दिल्ली
22	प्रीमियर पोलीफिल्म लि., नई दिल्ली	58	शील पोलीटैक्स, दिल्ली
23	रोटो स्क्रीनटैक लि., राजकोट	59	शील विनायल, दिल्ली

24	शिवम टैक्सटाइल, नई दिल्ली	60	शिव शक्ति इंडस्ट्रीज, दिल्ली
25	सियल टीजिट लि., कलकत्ता	61	सन्त्री कैमिकल्स प्रा.लि., दिल्ली
26	स्नेह विनायल प्रोडक्ट्स प्रा. लि., आंध्र प्रदेश	62	सुप्रीम इलेक्ट्रिकल्स, दिल्ली
27	एसआरएफ लि., तमिलनाडु	63	सुशी कैम प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, दिल्ली
28	टेक्सन इंडस्ट्रीज प्रा.लि., चेन्नई	64	ट्रेरा इंडिया, दिल्ली
29	त्रेवनकोर कोकूटफट प्रा.लि., केरल	65	त्रिशाला विनायल ट्यूब्स लि., देहरादून
30	यश मार्किंग एजेंसीज, अहमदाबाद	66	अल्टीमेट इंडस्ट्रीज लि., दिल्ली
31	वेली वेल्वेट (प्रा.) लि., अहमदाबाद	67	वीके पोलीकोट्स लि., दिल्ली
32	ओम विनायल प्रा.लि., मुंबई	68	विमा इंटरनेशनल प्रोडक्ट्स
33	गोमती एक्सपोटर्स मुंबई	69	अक्षत प्लास्टिक्स प्रा.लि., दिल्ली
34	आरएमजी पोलीविनायल इंडिया लि., नई दिल्ली	70	विपिन पोलीमर्स प्रा.लि., दिल्ली
35	वीके, विनायल, नई दिल्ली	71	अरीनिट्स सेल्स प्रा.लि., दिल्ली
36	यूनाइटेड डेकोरेटिव प्रा.लि., उ.प्र.	72	बंसल कैमिकल्स (इंडिया), चेन्नई

viii. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं, एसोसिएशन ने उत्तर दिया है:

क्र.सं.	एसोसिएशन का नाम
1.	लेदर क्लॉथ एंड प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसो. (एल सी पी एम ए), नई दिल्ली
2.	ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ प्लास्टिक इंडस्ट्रीज (एआईएफपीआई), नई दिल्ली
3.	यू.पी.बी.सी.विडो एंड डोर मैन्यु. एसो.
4.	दि ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईपीएमए), दिल्ली
5.	मै.फेनोप्लास्ट लिमिटेड, सिकन्दराबाद, आंध्र प्रदेश
6.	मै.मयूर यूनीकोटर्स लि., जयपुर, इंडिया
7.	मै.मैथ्यूसन्स इंडस्ट्रीज इंडिया लि., कोचीन
8.	मै.जैश्क प्लास्टिक इंडिया लि., नई दिल्ली
9.	पॉलीनोवा इंडस्ट्रीज लि., गोवा

यद्यपि, मै. हैंकल टैरोजल लिमिटेड ने अपने अनुरोध दायर किए हैं तथापि, ये अनुरोध निर्धारित समय के काफी बाद दायर किए गए हैं।

ix. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश को हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण किए जाने के लिए एक सार्वजनिक फाइल के रूप में खुला रखा था;

- x. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के व्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था ।
- xi. सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत ज्ञात की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- xii. यह जांच 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 (जांच अवधि) की अवधि में की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल 2005 से मार्च, 2006, अप्रैल 2006 से मार्च, 2007, अप्रैल 2007 से मार्च, 2008 और जांच अवधि शामिल थी ।
- xiii. अधिनियम और पाटनरोधी नियमावली को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने 11 जून 2010 की अधिसूचना सं. 14/36/2009-डीजीएडी के तहत संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की । संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क 26 जुलाई 2010 की सी.शु. अधिसूचना सं. 77/2010 के तहत लगाया गया था ।
- xiv. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने 27 अक्टूबर 2010 तथा 10 मार्च 2011 को समस्त हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई के दौरान अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने के लिए उन्हें अवसर भी प्रदान किया । जिन पक्षकारों ने सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त किए थे उनसे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित निवेदन दायर करने का अनुरोध किया गया था । हितबद्ध पक्षकारों को विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों पर उत्तर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था ।
- xv. हितबद्ध पक्षकारों के लिखित अनुरोधों/उत्तरों में दिए गए तर्कों पर इस जांच परिणाम में जहां संगत पाया गया है, विचार किया गया है ।

xvi. घरेलू उद्योग और सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना एवं आंकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था ।

xvii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचारित आवश्यक तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया जा रहा है और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विधिवत विचार किया जाएगा ।

xviii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी । संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां सम्भव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।

xix. जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर ये जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।

xx. इस अधिसूचना में *** चिन्ह हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है ।

4. प्रकटन विवरण के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

प्रकटन विवरण के उत्तर में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध जहां तक उन्हें संगत पाया गया है, संक्षेप में और की गई उनकी जांच निम्नानुसार है :-

थाइलैंड की सरकार

थाइलैंड की सरकार ने अन्य बातों के साथ-साथ अपनी टिप्पणियां भेजने के लिए हितबद्ध पक्षकारों हेतु समय सीमा 2 मई,, 2011 तक बढ़ाने का अनुरोध किया । करार के अनुच्छेद 2.6 जिसमें "समान उत्पाद" शब्द को परिभाषित किया गया है, का हवाला देते हुए यह अनुरोध किया गया है कि थाइलैंड द्वारा निर्यातित उत्पाद समान उत्पाद अथवा भारतीय घरेलू

उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद से अत्यधिक मिलता-जुलता उत्पाद नहीं है और उसने प्राधिकारी से उब्ज्यू टी ओ नियमों के अनुसार जांच करने का अनुरोध किया है। यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रकटन विवरण में हितबद्ध पक्षकारों के हितों की रक्षा हेतु पर्याप्त समय होना चाहिए और यह कि पर्याप्त समय की अनुमति अपने हितों की रक्षा हेतु हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की जानी चाहिए।

मै. हैंकल टैरोजल इंडिया प्रा. लि.

मै. हैंकल ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह जांच के दायरे से पी वी सी पेस्ट रेजिन के कोपॉलीमर ग्रेड को अलग रखने की पुष्टि करें और यह भी कि जापान से हुए आयात न्यूनतम सीमा के मापदंड से कम हैं।

मै. कनेका पॉलीमर्स एस डी एन बी एच डी, मलेशिया तथा मै. मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पेसिफिक) पी टी ई लि.

मै. कनेका पॉलीमर्स एस डी एन बी एच डी, मलेशिया तथा मै. मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पेसिफिक) पी टी ई लि.की ओर से ए पी जे एस एल जी तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि वर्तमान मामले में पाटनरोधी शल्क की सिफारिश संदर्भ कीमत आधार पर की जाए। ऐसा न होन पर कीमत वचनपत्र प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए।

एल सी पी एम ए

एल सी पी एम ए ने संक्षेप में यह अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क, यदि कोई हो, निम्नलिखित कारणों से केवल संदर्भ कीमत आधार पर लगाया जाना चाहिए;

- पाटनरोधी शुल्क का उद्दश्य सरकारी राजस्व जुटाना नहीं है।
- भारत और विश्व भर में पी वी सी पेस्ट ग्रेड की भारी कमी है।
- बाजार में वर्तमान कीमतें 2000 अम.डॉ. प्रति मी.ट. से अधिक चल रही हैं।
- यदि जांच अवधि के दौरान पी वी सी पेस्ट ग्रेड की आयात कीमतों की तुलना अप्रैल, 2010 और उससे आगे की अवधि के दौरान हुए आयात की कीमत से की जाती है तो यह पाया जाएगा कि पी वी सी पेस्ट ग्रेड की कीमत में लगातार वृद्धि हुई है।
- यह अनुरोध किया गया है कि मै. कैमप्लास्ट सनमार लि. की उचित बिक्री कीमत वर्तमान बिक्री कीमत से काफी कम है।

- आगे यह अनुरोध किया गया है कि पी वी सी रेजिन पेस्ट ग्रेड की कीमत में आगे और वृद्धि हो सकती है और मांग की तुलना में पी वी सी रेजिन पेस्ट ग्रेड की विश्वव्यापी कमी को देखते हुए इसमें गिरावट आने की कोई संभावना नहीं है ।

77 के. से अधिक के के. मूल्य वाले पी वी सी पेस्ट रेजिन को अलग रखा जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग इसका विनिर्माण नहीं करता है और इस प्रकार इससे उसे क्षति नहीं हुई है ।

मै. हन्हवा कैमिकल कार्पोरेशन

यह तर्क दिया गया है कि उनके मामले में क्षति मार्जिन का सही निर्धारण नहीं किया गया है ।

मै. फार्मोसा प्लास्टिक्स कार्पो., चीनी लाईपेर्ड (एफ पी सी)

एफ पी सी ने अनुरोध किया है कि भारतीय उद्योग मुख्यतः 65-67 और 75-78 तक के के मूल्य वाले सामान्य प्रयोजनी पी वी सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन करता है । वह कम के के मूल्य (60 से कम) वाले पी वी सी पेस्ट का उत्पादन नहीं करता है और यह कि कम के मूल्य वाले पी वी सी पेस्ट से अनुषंगी उत्पादकों की ऊर्जा में बचत हो सकती है और वे फॉम को अधिक मुलायम तथा सेल्युलर काफी छोटा बना सकते हैं । आगे यह अनुरोध किया गया है कि भारतीय उद्योग उच्च सांद्रता वाले पी वी सी पेस्ट का उत्पादन नहीं करता है और यह कि प्लास्टिसाइजर (डी ओ पी) 60 तथा पी वी सी पेस्ट 100 में भारतीय उत्पादकों के पी पी सी पेस्ट की सांद्रता सामान्यतः 9000 से कम होती है । परंतु एफ पी सी 20,000 से अधिक की सांद्रता वाले पी वी सी पेस्ट का उत्पादन कर सकती है । भारतीय उद्योग विशेष संरचना वाले अर्थात पारदर्शी चमड़े के उत्पादन में प्रयुक्त पी वी सी पेस्ट वाले पी वी सी पेस्ट का उत्पादन नहीं करता है । यह तर्क दिया गया है कि उत्पादों के उपर्युक्त रूपों का घरेलू उद्योग उत्पादन नहीं करता है और इसलिए उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए ।

घरेलू उद्योग

घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ अनुरोध किया है कि :

विचाराधीन उत्पाद-के-मूल्य के आधार पर उत्पाद के प्रकार को अलग रखना

घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि के-मूल्य के आधार पर किसी उत्पाद को बाहर रखने के समूचे तर्क को सिरे से खारिज किया जाए क्योंकि:

क. याचिकाकर्ता के लिए "समान वस्तु" का उत्पादन करना अपेक्षित है । "समान वस्तु" को "समनुरूप वस्तु" तक सीमित नहीं किया जा सकता । ऐसा कोई कानून नहीं है जिसमें घरेलू उद्योग के लिए समनुरूप ग्रेड का उत्पादन और आपूर्ति करना अपेक्षित हो ।

ख. किसी भी पक्षकार ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति पी वी सी पेस्ट रेजिन भारत में आयातित तथाकथित उच्च के मूल्य वाले रेजिन से प्रतिस्थापनीय नहीं है । याचिकाकर्ता 121 ग्रेड की पेशकश करता है जो स्पष्टतः उच्च के मूल्य वाला पेस्ट पी वी सी है । उपभोक्ता आयातित उत्पाद के साथ इसका अदल-बदल कर उपयोग करते हैं ।

ग. उच्च और कम के-मूल्य का पेस्ट रेजिन मात्र पी पी सी पेस्ट/एमलसन रेजिन के लिए एक अलग वाणिज्यिक शब्द है । अलग-अलग के-मूल्य का पी वी सी रेजिन एक ही वस्तु के सिवाय कुछ नहीं है । के-मूल्य में अंतर केवल अलग रसीपी तथा अलग प्रक्रिया नियंत्रण मानदंडों का प्रश्न है और इसके लिए अलग संयंत्र एवं उपकरण, विनिर्माण प्रक्रिया, उत्पादन प्रौद्योगिकी की जरूरत नहीं होती है । उच्च या कम के-मूल्य के पी वी सी रेजिन के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में अंतर नहीं होता है । इनके समान कार्य एवं उपयोग होते हैं, समान कीमत, समान सीमाशुल्क वर्गीकरण होता है और यह कि घरेलू उद्योग द्वारा नियमित रूप से पेस्ट रेजिन ग्रेड 121 (जिसका के मूल्य 78 है) की आपूर्ति की जा रही है और वस्तुतः उसे इस ग्रेड की बिक्री में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा ।

घ. अलग-अलग के-मूल्य के पी वी सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन एक ही संयंत्र में अलग-अलग रूप से किया जा सकता है और इसकी खपत समान कार्य और उपयोग के लिए अदल-बदल कर की जा सकती है । अलग के-मूल्य के पेस्ट पीवीसी की कीमत में कोई खास अंतर नहीं होता है । मात्र कुछ उच्च के-मूल्य के रेजिन का आसानी से उपयोग कम के-मूल्य के रेजिन के स्थान पर किया जा सकता है जबकि इसके विपरीत उपयोग सही नहीं है ।

ड पाटन मार्जिन-व्यय एवं व्यापार कंपनियों का लाभ -यह तर्क दिया गया है कि निर्यात कीमत का समायोजन ऐसी व्यापार कंपनियों के एसजीए तथा लाभ के लिए करना अपेक्षित है ।

माहवार कीमत तुलना- यह तर्क दिया गया है कि यदि माह दर माह आधार पर तुलना की जाती है तो निम्नलिखित संगत हैं-

- निर्यातक को माह दर माह आधार पर तुलना के औचित्य की पुष्टि करनी चाहिए ।
- यदि माह दर माह तुलना की गई है तो निर्यातक को माह दर माह आधार पर उत्पादन लागत से संबंधित सूचना उपलब्ध करानी चाहिए । केवल कच्ची सामग्री के लिए समायोजन पर्याप्त नहीं है ।
- जहां किसी माह विशेष में बिक्री कीमत उक्त माह की उपर्युक्त लागत से अधिक हो परंतु जांच अवधि के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत से कम हो, वहां उत्पादन की भारित औसत लागत महत्वपूर्ण है ।

उत्पादन लागत का निर्धारण- चूंकि सभी निर्यातकों के पास अपने खुद की आबद्ध निविष्टि कच्ची सामग्री है, इसलिए ऐसी आबद्ध निविष्टि कच्ची सामग्री के मूल्यांकन का आधार उत्पादन लागत के सही निर्धारण के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। पर्याप्त कारणों के साथ ऐसा निर्धारण करने का निर्णय लिया जाना चाहिए कि क्या ऐसी आबद्ध निविष्टि पर उत्पादन लागत पर विचार किया जा सकता है अथवा ऐसी आबद्ध निविष्टि पर बाजार कीमत पर विचार किया जाना चाहिए। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उत्पादन लागत न केवल जांचाधीन कंपनी द्वारा रखे गए रिकॉर्ड पर आधारित होना चाहिए अपितु उसमें विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री से संबद्ध लागत का भी प्रदर्शन होना चाहिए।

पाटन मार्जिन-तुलना की पद्धति- सामान्य मूल्य की तुलना माह दर माह आधार पर तुलना कर निर्यात कीमत के साथ की गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह जांच अवधि के दौरान उत्पाद की लागत और कीमत में पर्याप्त अंतर के मद्देनजर किया गया है। उत्पाद प्रकार दर उत्पाद प्रकार तुलना करते समय निम्नलिखित पद्धति अपनायी जानी चाहिए :

- i. तुलनीय उत्पाद प्रकार की भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत की तुलना तुलनीय उत्पाद प्रकार की निर्यात कीमत से की जाती है यदि घरेलू बिक्री पर 80% से अधिक लाभ मिलता हो।
- ii. तुलनीय उत्पाद प्रकार की घरेलू बिक्री की लाभ योग्य भारित औसत बिक्री कीमत की तुलना तुलनीय उत्पाद प्रकार की निर्यात प्रकार के साथ की जाती है यदि तुलनीय उत्पाद प्रकार की हानिकारी घरेलू बिक्री कीमत 20% से अधिक परंतु 80% से कम हो।
- iii. तुलनीय उत्पाद प्रकार की उत्पादन लागत (एस जी ए सहित) जमा उचित लाभ की तुलना तुलनीय उत्पाद कीमत के निर्यात कीमत के साथ की जाती है यदि तुलनीय उत्पाद प्रकार की हानिकारी घरेलू बिक्री 80% से अधिक हो।

उत्पादन लागत - यह तर्क दिया गया है कि नियमों में यह उपबंध है कि "उक्त कीमतों पर उचित समयावधि के भीतर लागत प्राप्ति उपलब्ध कराने पर विचार किया जाएगा यदि वे जांच अवधि हेतु भारित औसत प्रति इकाई लागत से अधिक हों भले ही वे बिक्री के समय प्रति इकाई लागत से कम रही हों"। अतः इस प्रयोजनार्थ लागत संबंधी दो आंकड़े संगत हैं (क) बिक्री के समय पर लागत और (ख) जांच अवधि के लिए भारित औसत लागत। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या प्राधिकारी ने घरेलू बिक्रियों को लाभदायक मानते समय उपर्युक्त कानून को लागू किया है।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह अनुरोध किया गया है कि 3 कंपनियों के संबंध में पाटन मार्जिन की समीक्षा अपेक्षित है।

च. शुल्क के स्वरूप के संबंध में

घरेलू उद्योग ने संक्षेप में यह अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क निर्धारित राशि के आधार पर ही लगाया जाए क्योंकि :

(क) अपरिष्कृत तेल की कीमत में जांच अवधि के बाद अतिरिक्त वृद्धि हुई है और इसमें आगे और वृद्धि जारी है। विचाराधीन उत्पाद में शामिल कच्ची सामग्री कीमत पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों से जोड़ी जाती है।

(ख) पाटनरोधी विधान डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुरूप और अनुसरण में तैयार किया गया है जिसमें प्राधिकारी को स्पष्ट अनुमति है कि वह अनुरोध किए गए ढंग से और तरीके से पाटनरोधी शुल्क लगाएं।

क्षति रहित कीमत की समीक्षा अपेक्षित है

प्राधिकारी द्वारा जांच

- जहां तक थाइलैंड की सरकार का अनुरोध है, प्राधिकारी का यह मत है कि वर्तमान मामले में अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए इस जांच के विभिन्न चरणों पर समय-समय पर समस्त हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त समय प्रदान किया गया था। प्राधिकारी डेढ़ वर्ष की विस्तारित निर्धारित अवधि के भीतर जांच पूरी करने के लिए बाध्य है और यह अवधि 2 मई, 2011 को समाप्त होती है। अतः प्राधिकारी थाइलैंड की सरकार के अनुरोध को स्वीकार करने में असमर्थ हैं। तथापि, एक दिन बाद अर्थात 28 अप्रैल, 2011 को दायर उनके अनुरोधों को ये जांच परिणाम निर्धारित करते समय रिकॉर्ड में लिया गया है।
- प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि उन्होंने यह दावा किया है कि थाइलैंड से निर्यातित उत्पाद विचाराधीन उत्पाद का भाग नहीं है। तथापि, जांच के दौरान इस दावे की पुष्टि नहीं की गई है। थाइलैंड के किसी प्रतिवादी ने और कोई अनुरोध नहीं किया है। अतः प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार आगे कार्रवाई करने और "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर जांच परिणाम निर्धारित करने के लिए बाध्य है।
- प्राधिकारी एतद्द्वारा जांच के दायरे से पी वी सी पेस्ट रेजिन के को-पॉलीमर ग्रेड को अलग रखने की पुष्टि करते हैं और यह कि जापान से संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित जांच समाप्त की जाती है।
- प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. हन्हवा केमिकल कार्पोरेशन की शंकाएं निराधार हैं और प्राधिकारी ने क्षति मार्जिन का सही निर्धारण किया है। क्षति मार्जिन की तुलना में पाटन मार्जिन के बारे में कोई टिप्पणी गलत है क्योंकि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु अपनाए गए गुणांक अलग-अलग हैं।

- इस मामले में जहां तक पाटन मार्जिन के निर्धारण के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी ने वह पद्धति अपनाई है, जो इस विषय पर संगत नियमों के नितांत अनुरूप है। मांह वार विश्लेषण करने के बावजूद प्राधिकारी ने अंततः समूची जांच अवधि और विचाराधीन उत्पाद के लिए पाटन मार्जिन की गणना की है। अपनाई गई पद्धति का प्रकटन किया जा चुका है। पाटन मार्जिन का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने समस्त तथ्यों और संगत सूचना/आंकड़ों पर विधिवत गौर किया है। इसमें यथाप्रयोज्य व्यय एवं व्यापार कंपनियों के लाभ शामिल हैं। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि मौके पर सत्यापन के दौरान न्यायोचित और सत्यापित समस्त समायोजनों पर पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु विचार किया गया है जिसमें शुल्क प्रति अदायगी के लिए समायोजन शामिल है। वर्तमान मामले में अन्य जांचकर्ता प्राधिकारियों के निर्णयों का हवाला देना संगत नहीं है क्योंकि वे निर्णय उन मामलों के गुणदोष के आधार पर दिए गए होंगे।
- जहां तक उत्पाद को बाहर रखने के मुद्दे का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "पॉलीविनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन" है, जिसे "इमलसन पी वी सी रेजिन" भी कहा जाता है और जिसका उल्लेख पी वी सी पेस्ट रेजिन के रूप में किया गया है। आगे यह स्पष्ट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के संबंध में क्षति विश्लेषण उसके द्वारा उत्पादित "समान वस्तु" के संदर्भ में किया जाता है। इस बात में कोई विवाद नहीं है कि घरेलू उद्योग पी वी सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन कर रहा है और उसने ऐसा जांच अवधि के दौरान भी किया है। तथापि, जहां तक के-60 से कम के-मूल्य को बाहर रखने के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वह उच्चतर के-मूल्य का पी वी सी पेस्ट रेजिन नहीं बन सकता; जबकि उच्च के-मूल्य के पी वी सी पेस्ट रेजिन का उपयोग कम के-मूल्य के पी वी सी पेस्ट रेजिन के स्थान पर किया जा सकता है। कम मूल्य के साथ उच्च के-मूल्य की प्रतिस्थापनीयता से संबंधित दावे की पुष्टि प्रसतावित उपाय के क्षेत्र से बाहर रखने की मांग करने वाले पक्षकारों द्वारा नहीं की गई है। इसी प्रकार उच्च सांद्रता वाले विचाराधीन उत्पाद को बाहर रखने आदि की पुष्टि भी अपवर्जन की मांग करने वाले संबंधित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा नहीं की गई है।
- प्राधिकारी ने शुल्क के उस स्वरूप, जिसकी सिफारिश इस मामले में की जानी चाहिए, से संबंधित विभिन्न अनुरोधों की सावधानीपूर्वक जांच की है। प्राधिकारी के समक्ष लाए गए समस्त तथ्यों पर विचार करते हुए यह नोट किया जाता है कि वर्तमान मामले में शुल्क की संदर्भ कीमत की सिफारिश करना न्यायोचित है।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

व्यापारिक वार्ता विभाग, आर्थिक विकास मंत्रालय, रूसी परिसंघ द्वारा किए गए अनुरोध

4.क विभाग में संक्षेप में निम्नलिखित अनुरोध किया है:

- रूस से संबद्ध वस्तु के पाटन के संबंध में जांच की शुरुआत करने के लिए कोई पर्याप्त साक्ष्य नहीं है।
- आवेदक के पास रूस के बाजार में घरेलू कीमतों के संबंध में कोई विश्वासनीय सूचना नहीं है और इस प्रकार उन्होंने रूस के संबंध में सामान्य मूल्य का परिकलन गलत ढंग से किया है जिसके चलते पाटन मार्जिन काफी अधिक हो गया है।
- आवेदक द्वारा यथाअनुमानित परिकलित सामान्य मूल्य के संबंध में विस्तृत गणनाओं को गोपनीय माना गया है। यद्यपि, उसके प्रकटन से प्रतिस्पर्धियों को कोई लाभ नहीं मिलता।
- रूस में संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने वाले दो कंपनियां अर्थात् "जे एस सी चिंम्प्राम", वोलोगोग्रेड और "उसोलाईचिम्प्रोम लि." हैं। केवल बाद वाली कंपनी ने भारत को संबद्ध वस्तु का प्रेषण किया है परंतु भारत पहली वरीयता वाला देश नहीं रहा था और यह कि कंपनी भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति करके पाटन का कार्यकलाप नहीं कर रही थी।
- यह दावा किया गया है कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने की सामान्य लागत 965 अम.डॉ. प्रति मी.ट. थी और न कि 1480 अमरीकी डॉ. प्रति मी.ट. जैसा कि आवेदक द्वारा दावा किया गया है। तथापि, कंपनी ने अगस्त 2009 में संबद्ध वस्तु का विनिर्माण बंद कर दिया है और कंपनी द्वारा इसके बाद की डिलीवरियां नहीं की गई हैं।
- जनशक्ति और वित्तीय संसाधनों संबंधी बाधाओं तथा भारतीय बाजार में रूचि की कमी के कारण रूस के उत्पादकों ने इस जांच में भाग नहीं लिया है।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

5. कनेका कार्पोरेशन की ओर से ए पी जे एस एल जी ने संक्षेप में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

5.1 **विचाराधीन उत्पाद :** यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के तकनीकी विनिर्देशन अथवा उत्पाद के ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं। न तो घरेलू उद्योग ने और न ही प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित या स्पष्ट किया है जबकि इसे जांच के प्रारंभिक चरण में ही स्पष्ट किया जाना चाहिए था। वे "विचाराधीन उत्पाद" को स्पष्ट करने के बारे में घरेलू उद्योग की ओर से अनिच्छा को समझने में असमर्थ रहे हैं। घरेलू उद्योग के ये वक्तव्य निरर्थक हैं कि निर्यातकों के काउंसिलों को ब्यौरों की जानकारी थी क्योंकि उन्होंने पी वी सी स

5.2 जापान से हुए आयात न्यूनतम हैं: यह तर्क दिया गया है कि जापान से हुए निर्यातों की लगभग समस्त मात्रा "विचाराधीन उत्पाद" की भाग नहीं है और यह कि विचाराधीन उत्पाद के जापान से हुए आयात कुल आयातों के मात्र 0.19% हैं। चूंकि जापान से हुए निर्यात कुल आयातों के 3% से कम हैं, इसलिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 14(घ) के अनुसार जापान के खिलाफ जांच समाप्त की जानी चाहिए।

यह तर्क दिया गया है कि जंच अवधि के दौरान जापान द्वारा निर्यातित अलग-अलग पी वी सी रेजिनों को 3 प्रकारों में श्रेणीबद्ध किया जा सकता है।

(क) पेस्ट अनुप्रयोग के लिए पी वी सी रेजिन जा माइक्रो सस्पेंशन पोलीमराइजेशन से उद्भूत होमोपालीमर पी वी सी होता है, इस श्रेणी में PSM-31, PSH-24 और PSH-10 शामिल हैं।

(ख) माइक्रो सस्पेंशन पोलीमर से उत्पादित विनायल क्लोराइड और विनाइल एसीटेट को पॉलीमर का उत्पादन माइक्रोसस्पेंशन पालीमराइजेशन से किया जाता है उदाहरणार्थ PCH-72।

(ग) ब्लैंडिंग रेजिन का सस्पेंशन पोलीमराइजेशन अर्थात् PBM-B5F, PBM-6 और PS-300 से बनाया जाता है। ऐसे पी वी सी रेजिन काउपयोग पेट्रीसेपरेटर अनुप्रयोग के लिए होता है या इसका उपयोग पेस्ट अनुप्रयोग के लिए पी वी सी रेजिन के साथ होता है।

5.3 यह तर्क दिया गया है कि उपर्युक्त बिन्दु सं. क) पर उल्लिखित उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया गया प्रतीत होता है जैसा कि घरेलू उद्योग और प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में परिभाषित किया है। तथापि, बिन्दु सं. ख) और ग) में शामिल उत्पाद निम्नलिखित कारणों से जांच के दायरे से स्पष्ट तौर पर बाहर हैं:

(i) **को पालीमर:** को पालीमरों से निर्मित पी वी सी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर है। घरेलू उद्योग ने भी लिखित अनुरोधों में यह स्वीकार किया है कि विचाराधीन उत्पाद में कोपालीमर शामिल नहीं है क्योंकि उसका विनिर्माण वह नहीं करता है। अतः जापान से पी वी सी

एच-72 और पी बी एम के आयातों को शामिल करने का प्रश्न नहीं उठता ।

(ii) **ब्लैंडिंग रेजिन :** जहां तक ब्लैंडिंग रेजिन का संबंध है, इस बात को दोहराया जाता है कि उसे निम्नलिखित कारणों से विचाराधीन उत्पाद नहीं माना जा सकता :

(क) **ब्लैंडिंग रेजिन स्पष्टतः सस्पेंशन ग्रेड का** है जो स्पष्ट तौर पर जांच के दायरे में नहीं आता है ।

(ख) इसके अलावा, पी वी सी सस्पेंशन ग्रेड रेजिन के पाटनरोधी मामले में 26 दिसंबर, 2007 के अंतिम जांच परिणाम फाइल सं. 14/8/2006-डीजीएडी में ब्लैंडिड रेजिन को इस आधार पर विचाराधीन उत्पाद के दायरे से विशिष्ट रूप से अलग रखा गया था कि उसका उत्पादन घरेलू उद्योग नहीं करता है । इस बात को समझा जा सकता है कि उपर्युक्त मामले में पी वी सी ब्लैंडिंग रेजिन को अलग रखा गया है जिसका स्पष्ट तात्पर्य यह है कि व पी वी सी सस्पेंशन ग्रेड रेजिन हैं । विनिर्माण न किए जाने के आधार पर अलग रखने का प्रश्न तब नहीं उठेगा जब वह पहले चरण में पी वी सी सस्पेंशन ग्रेड न हो । अतः यह स्पष्ट है कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में इमल्शन ग्रेड का पी वी सी पेस्ट रेजिन शामिल है और इसमें विस्तार करते हुए इसमें सस्पेंशन ग्रेड के पी वी सी ब्लैंडिंग रेजिन को शामिल नहीं किया जा सकता ।

(ग) घरेलू उद्योग की ओर से अपने एक ग्राहक के लिए दिनांक 3.11.2010 के लिखित अनुरोध के साथ संलग्न ई-मेल से इस बात की स्पष्ट पुष्टि होती है कि घरेलू उद्योग अब बी एस आर (पी एस-300) का उत्पादन नहीं करता है और वह उसकी आपूर्ति करने में समर्थ नहीं होगा । अतः पी वी सी के उक्त ग्रेड को शामिल करने का प्रश्न नहीं है । इसके अलावा, प्रदत्त व्यौरों के अनुसार उक्त जांच अवधि के लिए जापान से ब्लैंडिंग रेजिन (पी वी एम-बी5 एफ तथा पी एस-300) का कुल आयात 2313 मी.ट. का हुआ है । जापान से पीएस-300 (सस्पेंशन ग्रेड) के आयात का हिस्सा 2283 मी.ट. और पी वी एम-बी5 एफ का हिस्सा 30 मी.ट. का है ।

(घ) आगे यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद की व्याख्या करते समय 3-11-201 के अपने लिखित अनुरोध में यह उल्लेख किया था कि "उत्पादों के इन प्रकारों का आयात करते समय आयातकों द्वारा प्रयुक्त संबंधित उत्पाद के अन्य सामान्य रूप से ज्ञात विवरण हैं- पी वी सी रेजिन, पी वी सी पेस्ट रेजिन, पी वी सी पेस्ट ग्रेड रेजिन, इमल्शन रेजिन, डिस्पर्सन रेजिन और माइक्रोसस्पेंशन रेजिन । इन रेजिनों का निर्माण विशेष प्रक्रिया/तकनीकों द्वारा किया जाता है और ये 0.1 से 5

माइक्रोन तक के औसत पार्टीकल व्यास के परिष्कृत पार्टीकल आकार के रेजिन हैं..."। तथापि, घरेलू उद्योग ने दूसरी सार्वजनिक सुनवाई के लिए किए गए अपने लिखित अनुरोधों में पेस्ट रेजिन के पार्टीकल आकार के बारे में अपना रुख पूर्णतः बदल लिया है। अपने पूर्ववर्ती लिखित अनुरोधों में उन्होंने 0.1 से 5 माइक्रोन के पार्टीकल आकार का उल्लेख किया था। परंतु, बाद में घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया है कि कुछ टंकण संबंधी त्रुटियां हुई हैं और उन्होंने 0.1 से 50 माइक्रोन तक के पार्टीकल आकार का उल्लेख किया। वे इस बात को समझने की स्थिति में नहीं हैं कि उनके अब के अनुरोधों में पार्टीकल आकार कैसे बदल लिया गया है। यह समरणीय है कि दूसरी सार्वजनिक सुनवाई के दौरान इस आशय का स्पष्ट तर्क दिया गया था। यद्यपि, घरेलू उद्योग की रेंज 0.1 माइक्रोन से 5 माइक्रोन तक की है जबकि जिस उत्पाद को निर्यातिक अलग रखना चाहते हैं, वह 37 माइक्रोन से अलग का है। यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि न तो घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि ने और न ही कंपनी के तकनीकी कार्मिक ने ऐसा कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया कि 5 माइक्रोन का उल्लेख टंकणगत त्रुटि है और वे वस्तुतः 50 माइक्रोन के आकार का उल्लेख करना चाहते थे। इस प्रकार की टंकणगत त्रुटि का उल्लेख सार्वजनिक सुनवाई के दौरान क्यों नहीं किया गया जब उक्त सुनवाई में विस्तृत अनुरोध किए गए थे। यह स्पष्टतः सोची समझी रणनीति है और विचाराधीन उत्पाद से संबंधित समग्र मुद्दे में घालमेल करने का प्रयास है। यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग को अपने विवरणों की पुष्टि किए बिना जब चाहे तब ऐसे परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्राधिकारी को घरेलू उद्योग से इस बारे में पूर्ण सूचना मांगनी चाहिए और उन्हें ऐसी गडबडियों के लिए विचाराधीन उत्पाद पर तर्क देने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

(अ) आगे यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग अपनी सनक के चलते वक्तव्य दे रहा है और अपना रुख बदल रहा है। इस संबंध में अनुरोध है कि घरेलू उद्योग ने 13 मार्च, 2009 के अपने पत्र में यह उल्लेख किया था कि पेस्ट ग्रेड पी वी सी में 0.2 माइक्रोन का ग्रेन आकार है जबकि इमल्शन ग्रेड में 20 माइक्रोन का ग्रेन आकार होता है। प्रस्ताव पत्र के संगत उद्धरण नीचे पुनः प्रस्तुत किए जाते हैं :

"पी वी सी ग्रेडों में सस्पेंशन पी वी सी प्रक्रिया और अनुप्रयोगों के अनुसार इमल्शन अथवा पेस्ट ग्रेड पी वी सी से भिन्न होता है। सस्पेंशन ग्रेड कोर्स ग्रेड पी वी सी है जिसका ग्रेन आकार 150 माइक्रोन है। इमल्शन ग्रेड का ग्रेन आकार 20 माइक्रोन जबकि पेस्ट ग्रेड पी वी सी का ग्रेन आकार 0.2 माइक्रोन होता है। यद्यपि, इनमें तकनीकी अंतर है, तथापि, इमल्शन और पेस्ट ग्रेड शब्द का उपयोग भारत में अदल-बदल कर किया जाता है।"

(च) उपर्युक्त से यह पूर्णतः स्पष्ट हो जाता है कि सार्वजनिक दस्तावेज में उनके अनुरोध के अनुसार इमल्शन ग्रेड का ग्रेन आकार 20 माइक्रोन है और उसे 50 माइक्रोन नहीं पढ़ा जा सकता जैसा कि घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है । इसके अलावा, पी वी सी ग्रेड का आकार 0.2 माइक्रोन होता है न कि 0.1 माइक्रोन, जैसा कि उन्होंने पूर्व में गलत उल्लेख किया था ।

(छ) उपर्युक्त के प्रति किसी पूर्वाग्रह के बिना यह एक सुस्थापित मत है कि विचाराधीन उत्पाद में पार्टीकल आकार के रूप में तकनीकी और पर भेद नहीं किया जा सकता । इसका तात्पर्य यह है कि उनके उक्त प्रस्ताव पत्र में किए गए उल्लेख के अनुसार 5 माइक्रोन अथवा 20 माइक्रोन से अधिक के पार्टीकल आकार वाले समस्त पी वी सी रेजिनों को जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए । इस तथ्य पर भी विचार करते हुए जापान से आयातित ब्लैंडिंग रेजिन को भी जांच के दायरे से बाहर रखना होगा, क्योंकि पार्टीकल आकार का व्यास 20 माइक्रोन से भी अधिक है । यह नोट करना भी महत्वपूर्ण है कि विशेष तकनीकी विनिर्देशनों के कारण रेजिनों के अलग-अलग प्रकारों के नाम, विशेषता और उपयोग अलग-अलग हो जाते हैं । इसके अलावा, इन्हीं कारणों से उनका तकनीकी या वाणिज्यिक रूप से अदल-बदल कर उपयोग नहीं हो सकता । स्पष्टतः और संक्षिप्तता की वजह से निम्नलिखित तालिका की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है ।

पीवीसी (ब्लैंडिंग रेजिन)	पार्टीकल व्यास आकार (माइक्रोन)
विचाराधीन उत्पाद	0.1 - 5 (0.2 से 20 प्रस्ताव पत्र के अनुसार)
पीएस -300	37 - 43
पीवीएम-बी5एफ	37 - 43

(ज) यह उल्लेख किया गया है कि ब्लैंडिंग रेजिन पी वी एम-बी5 एफ तथा पीएस-300 का निर्माण स्स्पेंशन प्रक्रिया से किया जाता है ।

5.4 उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए उन्होंने तर्क दिया है कि :

क. जापान से हुए निर्यातों की लगभग समूची मात्रा "विचाराधीन उत्पाद" की भाग नहीं है । चूंकि जापान से हुए निर्यात कुल आयातों के 3% से कम हैं, इसलिए अनुरोध है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 14(घ) के अनुसार जापान के खिलाफ जांच समाप्त की जानी चाहिए ।

ख. जिन उत्पादों का विनिर्माण धरेलू उद्योग नहीं करता है, उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखना चाहिए । ये उत्पाद हैं: ब्लैंडिंग रेजिन (बैटरी सेपरेटर रेजिन सहित) तथा लो फॉग ग्रेड रेजिन (पी एस एच 24) ।

ग. उन समस्त पी वी सी रेजिनों को जांच के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए जिनका औसत पार्टीकल व्यास 5 माइक्रोन से अधिक है ।

मै. फार्मोसा प्लास्टिक कार्पोरेशन (एफ पी सी) के अनुरोध

5.5 एफ पी सी ने तर्क दिया है कि :

- i. भारतीय उद्योग मुख्यतः 65-67 और 75-78 तक के के-मूल्य वाले सामान्य प्रयोजनी पी वी सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन करता है। वह कम के-मूल्य (60 से कम) वाले पी वी सी पेस्ट का उत्पादन नहीं करता है।
- ii. भारतीय उद्योग उच्च सांद्रता वाले पी वी सी पेस्ट का उत्पादन नहीं करता है और यह कि प्लास्टिसाइजर (डी ओ पी) 60 तथा पी वी सी पेस्ट 100 में भारतीय उत्पादकों के पी पी सी पेस्ट की सांद्रता सामान्यतः 9000 से कम होती है। परंतु एफ पी सी 20,000 से अधिक की सांद्रता वाले पी वी सी पेस्ट का उत्पादन कर सकती है।
- iii. भारतीय उद्योग विशेष संरचना वाले अर्थात् पारदर्शी चमड़े के उत्पादन में प्रयुक्त पी वी सी पेस्ट वाले पी वी सी पेस्ट का उत्पादन नहीं करता है।

मै. विनिथाई/कंपनी लिमिटेड, थाइलैंड के अनुरोध

5.6 उनका उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पाद नहीं है और उसमें के-मूल्य, रियोलॉजी जैसी विशिष्ट विशेषताएं हैं।

मै. पॉलीनोवा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अनुरोध

5.7 मै. पॉलीनोवा इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने निम्नानुसार तर्क दिए हैं:

- वे पी वी सी रेजिन पेस्ट ग्रेड के उपयोग से कोटेड टेक्सटाइल फैब्रिक का विनिर्माण करते हैं। अन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद विश्व भर के पी वी सी विनिर्माताओं ने भारतीय बाजारों में सामग्री की अपूर्ति करने में रुचि नहीं दिखाई है। जिन घरेलू विनिर्माताओं ने पाटनरोधी शुल्क की शुरुआत की थी वे भी अपने उपकरण की आपूर्ति करने में समर्थ नहीं हैं।
- पीवीसी रेजिन की कीमतों में भारी उछाल आया है और इनमें जुलाई, 2010 से आज की तारीख तक 35% की वृद्धि हुई है और पाटनरोधी शुल्क पर विचार किए बिना भी पी वी सी रेजिन का आयात करना अव्यहार्य बन गया है; जिससे वे ऐसी विषम परिस्थिति में बंदी के कगार पर आ गए हैं।

मै.हनवा कैमिकल कार्पोरेशन द्वारा किए गए अनुरोध

5.8 कंपनी द्वारा किए गए अनुरोध संक्षेप में निम्नानुसार हैं:

- क. पी वी सी पेस्ट रेजिन पी वी सी सस्पेंशन रेजिन के समान वस्तु है और इसकी कीमत कम नहीं है तथा इसे कोरिया द्वारा पाटनरोधी शुल्क के मामले में पहले ही शामिल किया गया है ।
- ख. कोरिया से पी वी सी पेस्ट रेजिन के आयात प्रथम दृष्टया न्यूनतम रहे हैं और संबद्ध देशों से हुए आयातों में प्रत्येक के लिए 3% से कम का हिस्सा 7% हिस्से से कम है और उसे 3% से अधिक के हिस्से वाले संबद्ध देशों के आयातों के साथ एकीकृत नहीं किया जाए । इस प्रकार कोरिया के संबंध में शुरू की गई पाटनरोधी जांच को तत्काल समाप्त कर दिया जाए ।
- ग. पी वी सी सस्पेंशन ग्रेड और पी वी सी पेस्ट रेजिन के बीच तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से अत्यधिक (परंतु मुक्कमल नहीं) प्रतिस्थापनीयता है (प्रक्रिया में छिटपुट अंतर के साथ समान कच्ची सामग्री) परंतु ये अलग जांच के विषय हैं । कैम प्लास्ट की वार्षिक रिपोर्ट में भी यह उल्लेख है कि उसके द्वारा पी वी सी -एस, पी वी सी - पी आर को "समान वस्तु" माना जाता है । समान वस्तुएं विचाराधीन उत्पाद अथवा संबद्ध वस्तु से अलग मुद्दा है और इससे यह पता चलेगा कि याचिकाकर्ताओं के पास समान वस्तु के संबंध में आवश्यक आधार नहीं है ।

एल सी पी एम ए के अनुरोध

5.9 एल सी पी एम ए ने संक्षेप में निम्नानुसार तर्क दिया है :

- i. वर्तमान आवेदन पाटनरोधी कानून के दायरे में सही नहीं बैठता है । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु उस वस्तु के न तो समनुरूप है जिसके बारे में जांच शुरू की गई है और न ही उसमें भारत में आयातित वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हैं । पी वी सी पेस्ट रेजिन और आयातित उत्पाद की विभिन्न ग्रेडों के बीच कोई प्रतिस्थापनीयता नहीं है जैसा कि याचिकाकर्ता की उत्पाद सूची से स्पष्ट होता है । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु उन उत्पादों का मात्र लघु क्षेत्र है जिसके संबंध में जांच शुरू की गई है । पी वी सी पेस्ट रेजिन और आयातित उत्पाद की विभिन्न ग्रेडों के बीच कोई प्रतिस्थापनीयता नहीं है जैसा कि याचिकाकर्ता की उत्पाद सूची से स्पष्ट होता है । घरेलू उद्योग पी वी सी रेजिन के तीन ग्रेडों- इमलशन, सस्पेंशन और पेस्ट रेजिन का उत्पादनकर्ता है ।

ii. घरेलू उद्योग 77 से अधिक के के-मूल्य के पी वी सी पेस्ट रेजिन के ग्रेडों का उत्पादन नहीं कर सकता । इस समय घरेलू उद्योग के पास उच्च के-मूल्य के पी वी वी पेस्ट रेजिन का विनिर्माण करने की प्रौद्योगिकी नहीं है । इस प्रकार एल सी पी एन ए सदस्य घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त पी वी सी ग्रेडों के आर्डरों का निष्पादन नहीं कर सकते क्योंकि वांछित विनिर्देशन हासिल नहीं किया जा सकता ।

iii. एल सी पी ए ने पी वी सी पेस्ट रेजिन के विभिन्न ग्रेडों (उच्च के-मूल्य के रेजिन, उच्च सांद्रता वाला रेजिन, एम एस पी पीवीसी रेजिन, पीवीसी फिलर रेजिन) के खरीद आदेश प्रस्तुत किए हैं और तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग पी वीसी रेजिन के विभिन्न ग्रेडों की आपूर्ति करने में समर्थ नहीं है जो चर्म वस्त्र के विनिर्माण के लिए अनिवार्य है । इसके अलावा, यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग ने अब तक उनके अनुरोधों का उत्तर नहीं दिया है ।

iv. एल सी पी ए ने यह अनुरोध किया है कि पाटनरोधी शुल्क यदि कोई हो, को संदर्भ कीमत पर लगाया जाए क्योंकि हाल में पी वी सी पेस्ट रेजिन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है ।

मै. हैंकल टेरोजल लिमिटेड के अनुरोध

5.10 मै. हैंकल टेरोजल लिमिटेड ने अनुरोध किया है कि पी वी सी पेस्ट रेजिन की दो ग्रेड-होमो पालीमर ग्रेड और को-पालीमर ग्रेड हैं और यह कि वे को-पॉलीमर ग्रेड के पी वी सी पेस्ट रेजिन अर्थात् पी वी एन 6 तथा पी सी एच 72 का आयात करते हैं; जबकि घरेलू उद्योग इन को-पालीमर ग्रेडों का विनिर्माण नहीं करता है और केवल होमो पालीमर ग्रेडों का विनिर्माण करता है । तदनुसार मै. हैंकल टेरोजल लिमिटेड ने अनुरोध किया है कि को-पालीमर ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए ।

5.11 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य विविध मुद्दे संक्षेप में निम्नानुसार हैं :-

- जांच की शुरूआत कानूनन दोषपूर्ण है और आंकड़ों की पर्याप्तता और सत्यता की जांच नहीं की गई है ।
- प्रारंभिक जांच परिणाम अंतिम निष्कर्ष निकालने में कोई भूमिका नहीं निभाते हैं ।

- विचाराधीन उत्पाद पोली कैमिकल सामग्री है जिसका उत्पादन केवल बड़ा विनिर्माता कर सकता है। ऐसे संयंत्रों की स्थापना काफी महंगी होती है।
- भारत में उत्पादक अपने लाभों की भरपाई न केवल व्यापार से बल्कि टैरिफ विनियामक पर आधारित कीमत का दोहन कर और कीमतों एवं मौसमी मांग में घट-बढ़ का लाभ उठाकर करते हैं।
- संबद्ध देशों से पी वी सी पेस्ट रेजिन की आपूर्ति हेतु सी आई एफ कीमत लगभग समान है और अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप है।
- जांच अधिक के दौरान कच्ची सामग्री की कीमत में घट-बढ़ होती रही है। अतः क्षति और पाटन भार्जिन की गणना माह-वार की जानी चाहिए।

मै. कैमप्लास्ट सनमार लिमिटेड के अनुरोध

5.12 घरेलू उद्योग ने निमानुसार तर्क दिया है :

- विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र का उल्लेख आवेदन में किया गया है। संगत तकनीकी सूचना याचिकाकर्ता की वैबसाइट पर उपलब्ध है।
- प्रत्येक वस्तु में कई अलग-अलग प्रकार/स्वरूप होते हैं। किसी वस्तु के भौतिक/तकनीकी विशेषतागत मूल्य अथवा कीमत मात्र से वह उक्त वस्तु के विभिन्न रूपों से अलग हो जाती है जिसका सीधा-सादा अर्थ यह नहीं है कि उक्त वस्तु के अलग-अलग रूप एक ही उत्पाद नहीं हैं। वस्तुतः किसी वस्तु के विभिन्न प्रकारों का विकास समस्त वस्तुओं के मूलभूत व्यावहारिक पहलू हैं जिन्हें देखा-परखा जा सकता है। किसी वस्तु के विभिन्न स्वरूपों की पेशकश मूलतः ग्राहकों को विकल्प प्रदान करने के लिए की जाती है और दूसरी ओर अलग-अलग ग्राहकों के विशिष्ट अंतिम अनुप्रयोगों की पूर्ति के लिए की जाती है। तथापि, इससे ऐसे अलग स्वरूप/प्रकार अलग नहीं हो जाते हैं।

- योग्यिकाकर्ता ने विनायल क्लोराइड, विनायल एसीटेड कोपालीमर को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं किया है ।
- ये रेजिन विशेष प्रक्रिया/तकनीकों से बनाए जाते हैं और ये परिष्कृत पार्टीकल आकार के रेजिन होते हैं जिनका औसत पार्टीकल व्यास 0.1 से 50 माइक्रोन का होता है ।
- पी वी सी पेस्ट रेजिन और पी वी सी सस्पेंशन रेजिन की तकनीकी और वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता के बारे में घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि उत्पादन क्षमता, कच्ची सामग्री की संरचना, प्रक्रिया नियंत्रण मानदंड, उत्पादन चक्र समय, ड्राइंग प्रौद्योगिकी के संबंध में इमल्शन/पेस्ट तथा सस्पेंशन रेजिन के विनिर्माण में पर्याप्त अंतर है जिससे (क) दोनों उत्पादों की भौतिक व तकनीकी विशेषताओं, (ख) दोनों उत्पादों के कार्य एवं उपयोग, (ग) दोनों उत्पादों की लागत एवं कीमत, (घ) सी.शु. वर्गीकरण में मूलभूत अंतर आ जाता है । दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं । उपभोक्ता दोनों का अदल-बदल कर उपयोग नहीं कर सकते । उत्पादक दोनों उत्पादों का अदल-बदल कर उत्पादन भी नहीं कर सकते ।
- घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि पोलीविनायल क्लोराइड (पीवीसी) विश्व में व्यापक रूप से प्रयुक्त पोलीमर में से एक है और इसका वर्णन व्यापक गुणधर्मों और कम लागत के रूप में किया जाता है । इससे इसके विविध उपयोगों का पता चलता है । पी वी सी अनुप्रयोगों के मूलभूत उदाहरण हैं : पाइप, फिटिंग, प्रोफाइल, पैकेजिंग, केबल इंसुलेशन, शीट, प्लॉरीन कृत्रिम चर्म, चिकित्सा उपकरण, बोतल और ढलवां वस्तुएं । विनायल क्लोराइड का बहुलकीकरण तीन विनिर्माण प्रक्रियाओं अर्थात् सस्पेंशन, माइक्रो सस्पेंशन और इमल्शन के जरिए किया जाता है ।
- जांच अधिकारी के दौरान पी वी सी पेस्ट रेजिन के आयातों में कोरिया का हिस्सा काफी अधिक (36%) था । प्रत्येक संबद्ध देश से हुए आयातों का बाजार हिस्सा न्यूनतम सीमा से अधिक है ।
- पेस्ट पी वी सी रेजिन : पेस्ट रेजिन के उत्पादन की प्रक्रिया में या तो माइक्रो सस्पेंशन या फिर इमल्शन द्वारा विनायल क्लोराइड मोनोमर का बहुलकीकरण शामिल होता है । इस प्रक्रिया में पी वी सी स्लरी के निर्माण हेतु शुरूआती सामग्री सहित सरफैक्टेट और अभिवर्धकों की जरूरत होती है । यह पी वी सी स्लरी स्प्रे ड्राइव होती है और तत्पश्चात पी वी सी पाउडर प्राप्त करने के लिए मिल्ड होती है । जब पी वी सी रेजिन को प्लास्टिसाइजरों से मिश्रित किया जाता है तो पेस्ट रेजिन फ्री फ्लोइंग मिक्सचर के रूप में तुरंत फैल जाता है जिसे "प्लास्टिसोल्स" कहा जाता है । इन प्लास्टिसोल्स को फैब्रिक तथा अन्य पदार्थों पर उड़ा जाता है । सांचों में डाला जाता है अथवा पूर्ववर्तियों पर जमा किया जाता है ताकि फर्शाच्छादन, भित्ति अक्षादन, कृतिम चर्म, तिरपाल, कन्चेयल बेल्ट, गैंद, खिलौने अथवा आत्मरक्षात्मक दस्तानों का उत्पादन किया जा सके ।

पेस्ट पी वी सी के सामान्य गुणधर्म निम्नानुसार हैं :

1. "के" मूल्य - पी वी सी रेजिन के आणविक भार की माप
2. अंतरनिहित सांद्रता- रेजिन का के-मूल्य निकालने के लिए प्रयुक्त गुणधर्म
3. पार्टिकल आकार धारणीयता- 325# पर % (44 माइक्रोन)- प्रकीर्ण अनुप्रयोग हेतु रेजिन में निहित ग्रिट पार्टिकल को रेखांकित करने वाला आवश्यक गुणधर्म
4. ताप हानि (%) - रेजिन में आद्रता की माप
5. आरंभिक बी एफ वी (सीपीएस), मैक्स- ब्रुक फील्ड विस्कोमीटर के प्रयोग से प्लास्टिसाइजरों की आरंभिक अवशोषकता के लिए प्रयुक्त गुणधर्म।
6. 24 घंटे बी एफ वी (सी पी एस) मैक्स - ब्रुक फील्ड विस्कोमीटर के प्रयोग से 24 घंटे के बाद प्लास्टिसाइजर की अंतिम अवशोषकता के लिए प्रयुक्त गुणधर्म।
7. सर्वसं एफलैक्स (जी/100 सेक) न्यू-उच्च शियर दर पर प्लास्टिशोल का रियोलॉजिकल गुणधर्म।

5.13 यह बताया गया है कि मै. कैमप्लास्ट सनमार लिमिटेड 64-78 तक के-मूल्य के साथ माइक्रो सस्पेंशन/इमल्शन प्रक्रिया के उपयोग से पेस्ट पी वी सी रेजिन के विभिन्न ग्रेडों का निर्माण करती है।

को-पालीमर रेजिन, ब्लैंडिंग रेजिन और बैटरी सेपरेटर रेजिन

5.14 घरेलू उद्योग ने बताया है कि उन्होंने इस बात की पुष्टि कर दी है कि को-पालीमर रेजिन, ब्लैंडिंग रेजिन और बैटरी सेपरेटर रेजिन को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाए। को पोलीमर रेजिन और ब्लैंडिंग रेजिन को पूर्व में प्रदत्त आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया था। यद्यपि, बैटरी सेपरेटर रेजिन स्पष्ट तौर पर पेस्ट/इमल्शन रेजिन हैं तथापि, वे

इस वजह से उसको बाहर रखने पर सहमत नहीं हुए हैं कि उन्होंने इस समय इस उत्पाद के विनिर्माण को रोक दिया है।

5.15 जहां तक पेस्ट पी वी सी रेजिन के पार्टीकल आकार का संबंध है : माइक्रो सस्पेंशन प्रक्रिया (ग्रेड सी पी-120, सी पी-121 और सी पी-124) द्वारा विनिर्मित पी वी सी पेस्ट रेजिन ग्रेडों का निम्नानुसार पार्टीकल आकार वितरण होता है :

- क. 15 माइक्रोन से कम के पार्टीकल आकार वाले रेजिन पार्टीकल की न्यूनतम मात्रा 90% होती है।
- ख. 2 माइक्रोन से कम के पार्टीकल आकार वाले रेजिन पार्टीकल की न्यूनतम मात्रा 50% होती है।
- ग. 325 मैस पर धारित अधिकतम मात्रा (44 माइक्रोन) : 0.5%

5.16 इमल्शन प्रक्रिया द्वारा विनिर्मित पी वी सी रेजिन ग्रेड (सी पी-172 एस जी) का निम्नानुसार पार्टीकल आकार वितरण होता है :

- क. 70 माइक्रोन से कम के पार्टीकल आकार वाले रेजिन पार्टीकल की न्यूनतम मात्रा 90% होती है।
- ख. 30 माइक्रोन से कम के पार्टीकल आकार वाले रेजिन पार्टीकल की न्यूनतम मात्रा 50% होती है।
- ग. 120 मैस पर धारित अधिकतम मात्रा (125 माइक्रोन) : 0.5%

5.17. मलवर्न मास्टरसाइजर- वर्ष 2008-09 के दौरान विनिर्मित उपर्युक्त सभी ग्रेडों अर्थात् सी पी-120, सी पी-121, सी पी-124 और सी पी-172 एस जी के पार्टीकल आकार विश्लेषक से प्राप्त विस्तृत पार्टीकल आकार विश्लेषण रिपोर्टों और नवीनतम रिपोर्टों को इस बात की पुष्टि हेतु प्राधिकारी को प्रस्तुत कर दिया गया है। माइक्रोसस्पेंशन और इमल्शन

प्रक्रिया द्वारा मेरी कैमप्लास्ट द्वारा निर्मित पी.वी.सी.रेजिन ग्रेड के प्रत्येक ग्राकार के लिए विस्तृत विनिर्देशन शीट भी प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई थी।

5.18 घरेलू उद्योग ने वर्तमान प्रयोजनार्थ के-मूल्य के किसी संदर्भ के प्रति असहमति व्यक्त की है और यह तर्क दिया है कि अलग-अलग के मूल्य के पी वी सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन एक ही संयंत्र और उपकरण में किया जाता है परंतु उनका संशोधन रेसीमी और प्रक्रियागत मानदंड अलग-अलग होते हैं।

5.19) अहं तर्क दिया गया है कि जांच अधिक तक किसी भी ग्राहक ने 78 से अधिक के के मूल्य वाले अथवा 64 से कम के के-मूल्य वाले पी वी सी पेस्ट रेजिन की मांग नहीं की है और हाल ही में इस प्रकार के पेस्ट रेजिनों के आर्डर उन्हें केवल चर्म वस्त्र निर्माताओं में से अधिकांश द्वारा (भारत में 100 से अधिक चर्म वस्त्र विनिर्माता हैं) प्राप्त हुए हैं। यह दावा किया गया है कि इस प्रकार के अनुरोध दुराशयपूर्ण हैं और य अनुरोध चल रही जांच के कारण किए गए हैं और यह कि वे ग्राहकों की मांग के अनुसार ये सामग्री आपूर्ति करने की स्थिति में हैं बश्यतः उनकी भिंशा वास्तविक हो और मांग सदाशयपूर्ण हो। आगे यह तर्क दिया गया है कि उन्हें हाल ही में (पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद) ऊच्च के रेजिन हेतु कुछेक ग्राहकों द्वारा जो भी आदेश दिए गए हैं, उन्हें ऐसी आपूर्तियों के लिए कोई कीमत का अनुरोध किए बिना भेजा गया है।

5.20 घरेलू उद्योग ने आगे यह बताया है कि उनके पास पी वी सी पेस्ट रेजिन के निर्माण की निर्धारित क्षमता है जैसी कि समूचे विश्व के किसी विनिर्माता के पास है और किसी अहिसिकता ग्रेड की विनिर्माता भौजूदा और स्थापित ग्रेडों की लागत घर ही किंचड़जा संकेता है। हालांकि वे अब मांग की जा रही उच्च के-रेजिन का विनिर्माण कर सकते हैं। तथापि, वे भौजूदा ग्राहकों को अपने स्थापित ग्रेडों की आपूर्ति से इंकार कर सकते हैं और यह कि यह एक वाणिज्यिक निर्णय है जिसे वे बाजारी गतिविधियों के अधार पर समय-समय पर लेते हैं।

5.21. आगे यह अनुरोध किया गया है कि सैद्धांतिक रैखि के पीछी सी प्रेस्ट रेजिन के कई ग्रेड हो सकते हैं क्योंकि उचित रेसिपी परिवर्तन द्वारा एक यी अधिक विशेषताओं में किसी मामूली अंतर से नया ग्रेड उत्पन्न हो सकता है। विश्व का कोई विनियोगी पीछी सी प्रेस्ट रेजिन के सभी सभावित ग्रेडों का निर्माण नहीं कर सकता जोसा कि एसे कई उत्पन्नों के संबंध में होता है। अतः इस बात के होते हुए भी कि उन्होंने ऊपर क्या कहा है, उन्होंने पूरजोर

तर्क दिया है कि वर्तमान जांच के लिए उच्च के-रेजिन के विनिर्माण अथवा आपूर्ति कमीउनकी क्षमता अप्रासाधिक है क्योंकि इस प्रकार के सभी ग्रेड केवल पेस्ट ग्रेड रेजिन है और विचाराधीन उत्पाद पी वी सी पेस्ट ग्रेड रेजिन/इमल्शन रेजिन/डिसपरशन रेजिन/मॉइक्रोस्स्पेशन रेजिन है ।

चर्म वस्त्र के निर्माण में पी वी सी पेस्ट रेजिन का उपयोग

प्राप्ति अधिकारी

5.22 पी वी सी चर्म वस्त्र अथवा जीनसाजी तथा परिधानों में प्रयुक्त विनायल कोटेड फैब्रिक आरामदायक होता है और इसका उत्पादन अत्यंत आकर्षक, सज्जात्मक तथा गढ़नात्मक प्रयासों से किया जाता है । इस चर्म को परिष्कृत चर्म कहा जाता है और इससे कृत्रिम चर्म अथवा कॉटन कोटेड फैब्रिक भी कहा जाता है । इन लैमिनेटों का उत्पादन प्लास्टिसोल कोटिंग के अथवा कैलेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा किया जाता है । भारत में सामान्यतः कोटिंग तकनीक का उपयोग किया जाता है । चर्म वस्त्र का उत्पादन वाणिज्यिक रूप से कोटिंग पदार्थ पर प्लास्टिसोल की कोटिंग द्वारा किया जाता है जो वस्त्र या कागज के रूप में हो सकता है और जिससे कोटेड वस्त्र प्राप्त करने के लिए क्यूरिंग ओवनों से गुजारा जाता है । यह उल्लेखनीय है कि इस प्रक्रिया में केवल पी वी सी पेस्ट रेजिन का उपयोग किया जाता है इसके अलावा, अपेक्षित उत्पाद प्राप्त करने के लिए फिनिशिंग, एमवोसिंग तथा प्रिंटिंग द्वारा की जाती है । चर्म वस्त्र को अविस्तारित (फौम छुक्के तथा सेल्युलर) किया जाता है । सेल्युलर विशेषता कोटेड वस्त्र को चर्म के अधिक समीप लाती है और फैब्रिक को महंगा बनाती है । सेल्युलर चर्म वस्त्र में फैब्रिक होता है जो अधिकरण्त सामग्री के रूप में बुना गया और बुना गया अथवा कढ़ा हुआ हो सकता है । फैब्रिक के ऊपर प्लास्टिसोल की परत चढ़ाई जाती है जिसके ऊपर विस्तारित पी वी सी की पर्त चढ़ाई जाती है । विस्तारित लेयर के ऊपर अविस्तारित पी वी सी की एक अन्य पर्त होती है जिसे टॉप कोट अथवा स्किन कोट अथवा वियर कोट कहा जाता है ।

5.23 विस्तारित फैब्रिक के लिए अनुप्रयोगों को निम्नलिखित के रूप में श्रेणीबद्ध किया जा सकता है :-

प्राप्ति अधिकारी

प्राप्ति

- जीनसाजी (फर्निशिंग, ऑटोमोबाइल, साइकिल एवं रिक्शा शीटें)
- जूता (अपर, इनशोल, लाइनिंग, महिला पादुकाएं)
- पर्स एवं हैंडबैग

- असबाब
- डायरियां
- बेल्ट
- जीन लेबल
- खेल सामान (गेंद)
- ऑनिंग

चर्म वस्त्र हेतु प्लास्टिसोल के निर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामग्री है :

● पी वी सी रेजिन	माइक्रोस्स्पेशन पेस्ट, इमल्शन
● प्लास्टिसाइजर	डीओपी, डीबीपी
● स्टेबिलाइजर	बी ए/ सी डी/टी बी एल एस/बी ए/जैड एन
● ब्लॉइंग एजेंट	एजो डाइकार्बोनामाइड (ए डी सी एल)
● फिलर	डालोमाइट, कैल्शियम कार्बोनेट,
● थिनर	कैरोसिन, एम टी ओ, क्वाइट स्प्रिट
● प्रिमैट	
● फैब्रिक	शीटिंग, होजरी, पोलिस्टर/विस्कोस मैट
● पेपर	रिलीज पेपर

चर्म वस्त्र के निर्माण की प्रक्रिया

5.24 घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि चर्म वस्त्र के निर्माण हेतु पी वी सी कोटिंग की 3 प्रक्रियाएं अथवा तीन पत्तों-टॉप कोट अथवा वियर/कम्पैक्ट लेयर, फॉम कोट और फैब्रिक की बाइंडिंग हेतु एडहेसिव कोट का उपयोग किया जाता है। भारत में अधिकांश विनिर्माता सभी तीनों पत्तों के लिए 65-67 तक के के-मूल्य के सामान्य प्रयोजनी पी वी सी पेस्ट रेजिन (कैम प्लास्ट पी वी सी 124) का उपयोग करते हैं। सभी पत्तों में उपर्युक्त कच्ची सामग्री का उपयोग करते हुए संरचना में मामूली अंतर होता है। फॉम कोट में फॉमिंग एजेंट और फिलर शामिल होते हैं जबकि टॉप कोट में फॉमिंग एजेंट और फिलर शामिल नहीं होते हैं। फॉम कोट से चर्म वस्त्र मुलायम बनता है जबकि टॉप पत्त से सतही परिष्करण आता है और चर्म वस्त्र में यांत्रिक गुणधर्म उत्पन्न होते हैं। कुछ उत्पादक कुछेक अनुप्रयोगों के लिए टॉप परत हेतु 75-78 के उच्चतर के मूल्य के पी वी सी पेस्ट के उपयोग को तरजीह देते हैं जिसके लिए शू अपर, फर्शाच्छादन, तिरपान और कन्वेयर बेल्टों जैसे उत्पादों हेतु अधिक यांत्रिक क्षमता की जरूरत होती है। अतः यह देखा जा सकेगा कि उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र एवं उपकरण, कार्य एवं उपयोग, कीमत, सीमाशुलक वर्गीकरण, उपभोक्ता अवधारणा में अंतर के आधार पर पेस्ट और सस्पेंशन पी वी सी अलग-अलग वस्तुएं हैं। सस्पेंशन पी वी सी का कोई उत्पादक सस्पेंशन पी वी सी संयंत्र में पेस्ट पी वी सी का उत्पादन नहीं कर सकता। पेस्ट और सस्पेंशन पी वी सी की कीमत में भारी अंतर के कारण सस्पेंशन पी वी सी का प्रत्येक उत्पादक पी वी सी का उत्पादन और बिक्री करना चाहेगा (पेस्ट पी वी सी की कीमत सस्पेंशन पी वी सी से काफी अधिक होती है) ग्राहकों ने हाल तक 78 से अधिक के-मूल्य वाले पेस्ट रेजिन की मांग नहीं की है। इस समय अनुरोध वर्तमान जांच के कारण साफ तौर पर किए जा रहे हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

6. प्राधिकारी का यह विचार है कि इस जांच की शुरूआत पाटनरोधी नियमों के अनुसार संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति के बारे में जांच की शुरूआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर की गई थी। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच के दौरान साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार हुआ और वह इस मत से सहमत हैं कि प्रारंभिक जांच परिणामों की स्वतः पुष्टि नहीं होती है।

6.1 जहां तक विचाराधीन उत्पाद का संबंध है, यह "पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन" है जिसे "इमल्सन पी वी सी रेजिन" और पी वी सी पेस्ट रेजिन भी कहा जाता है (जिसे एतदपश्चात संबद्ध उत्पाद या संबद्ध वस्तु कहा गया है। पी वी सी रेजिन मुख्यतः दो प्रकार का होता है अर्थात् पी वी सी पेस्ट रेजिन और पी वी सी सस्पेंशन रेजिन। जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में ही यह स्पष्ट किया गया था कि पी वी सी

सर्वेशन रेजिन को प्रस्तावित जांच के दायरे और कार्यक्षेत्र से बाहर रखा गया है। यीं वीं सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन विनायल क्लोराइड मोनोमर (वीं सी एम) से किया जाता है। वीं सी एम का उत्पादन ई डी सी का प्रयोग करके किया जाता है जिसमें एक प्रमुख उत्पाद के तौर पर क्लोरीन की जरूरत होती है। संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन और बिक्री सफेद/गैर सफेद पाउडर के रूप में की जाती है। संबद्ध वस्तु की विशेषताएं के-मूल्य अंतर्निहित श्यानता, पार्टीकल आकार रिटेनेशन, हीट लॉस, शुरुआती बी एफ बी आदि के अनुसार बताई जाती हैं।

6.2 संबद्ध वस्तुएं इस अधिनियम के अध्याय 39 के अंतर्गत उपशीर्ष सं. 39042210 के अधीन आती हैं। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

6.3 प्राधिकारी ने व्यापारिक वार्ता विभाग, आर्थिक विकास मंत्रालय लंसी परिसंघ द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट किया है। यह नोट किया जाता है कि डब्ल्यू टी ओ के पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.2 के उप पैरा (iii) के अनुसार आवेदक को ऐसी सूचना उपलब्ध करानी होती है जो आवेदक के पास तर्कसंगत ढंग से उपलब्ध हो तथा जिसमें अन्य देशों के साथ-साथ उन कीमतों जिन पर विचाराधीन उत्पाद को देश के घरेलू बाजार या उद्गम अथवा निर्यात के देशों में बेचा जाता है (या जहां उस कीमत के बारे में उचित सूचना प्राप्त हो जिस पर इस उत्पाद को देश में बेचा जाता है या उद्गम के देशों या किसी तीसरे देश या देशों को निर्यात किया जाता है या उत्पाद का परिकलित मूल्य) और निर्यात कीमतों संबंधी सूचना या जहां उचित हो उन कीमतों संबंधी सूचना जिन पर इस उत्पाद को आयातक संदर्भ के क्षेत्र में किसी स्वतंत्र क्रेता को पहली बार पुनः बेचा गया हो। आवेदन प्रस्तुत करते समय आवेदक ने यह बताया था कि उनके द्वारा संबद्ध देशों के घरेलू बाजार में पी वी सी पेस्ट रेजिन की बिक्री की वास्तविक सौदा कीमत के साक्ष्यों का पता लगाने और उस वास्तविक सौदा कीमत के साक्ष्यों का पता लगाने जिस पर संबद्ध देशों से अन्य देशों को इस सामग्री का निर्यात किया जा रहा है, का प्रयास किया गया था। तथापि, वे संबद्ध देशों के घरेलू बाजार या अन्य देशों को हुए निर्यात के लिए सौदा कीमतों के पर्याप्त और बिल्कुल सही साक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम नहीं रहे थे। तत्पश्चात उन्होंने प्रकाशित पत्रिकाओं में संबद्ध वस्तु की कीमतों का पता लगाने का प्रयास किया परंतु यह पाया कि न ही ये पत्रिकाएं संबद्ध देशों के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की लागत या कीमत के बारे में सूचना प्रदान करती हैं और न ही वे लागत संरचनाओं, निविष्टियों के खण्ड संबंधी मानकों, कंपनियों की वार्षिक वित्तीय स्थितियों के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध कराती हैं। आवेदक ने संबद्ध देशों में भारत के दूतावास को लिखित पत्रों की प्रतियां भी उपलब्ध कराई हैं जिनमें उन्होंने संगत सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया परंतु उन्हें अपेक्षित सूचना/अंकड़े ग्राप्त नहीं हुए। ऐसी परिस्थितियों में आवेदक ने परिकलित समान्य मूलू की नीति को अपनाया और चीन जन. गण. से इतर संबद्ध देशों में पी वी सी पेस्ट रेजिन की उत्पादन लागत के अनुमान प्रस्तुत किए।

6.4 प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि रूस से "सबद्ध वस्तु के पाटन" को विवादित ठहराने की सर्वोत्तम पद्धति रूसी कंपनियों द्वारा नियांतक प्रश्नावली का उत्तर दिया जाना होती रहता है उन्होंने जनशक्ति और वित्तीय संसाधनों संबंधी बाधा और भारतीय बाजार में रुचि की कमी के कारण इस जांच में भागीदारी नहीं करने के विकल्प को चुना । इन घरिष्ठितियों में प्राधिकारी रिकॉर्ड में "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने प्रारंभिक जांच परिणामों का निर्धारण करने के लिए बाध्य हैं प्रारंभिक जांच परिणामों में अन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख किया गया था कि यदि इस मुद्दे पर कोई साक्ष्य उपलब्ध होगा तो उस पर अतिम जांच परिणाम के निर्धारण के समय विधिवत विचार किया जाएगा; लेकिन ऐसा कोई साक्ष्य प्राधिकारी को प्राप्त नहीं हुआ ।

6.5 प्राधिकारी ने मै. कनेका कार्पोरेशन, जापान के अनुरोधों की साक्षानीपूर्वक जांच की है और जांच के दौरान हितबद्ध एक्षकारों से उचित स्पष्टीकरण मांगे हैं । यहां यह उल्लेख करभा प्रासंगिक है कि कंपनी ने यह दावा किया है कि पी वी सी सस्पेशन रेजिन से संबंधित उसके कुछेक ग्रेड उनके द्वारा प्रस्तुत उत्तर के अनुसार रिकॉर्ड में स्पष्ट नहीं थे । यदि ये ग्रेड पी वी सी सस्पेशन रेजिन के थे और यदि मै. कनेका कार्पोरेशन इस बारे में स्पष्ट थी, तो उनके द्वारा वर्तमान मामले में ऐसे ग्रेडों के निर्यात आंकड़े प्रस्तुत किए जाने चाहिए थे क्योंकि उसने जांच की शुरुआत में ही यह स्पष्ट किया था कि पी वी सी सस्पेशन रेजिन इस जांच के दायरे से बाहर है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि जैसा कि तथ्यों से पता चलता है कि विद्याराधीन ग्रेडों के बीजक से पेस्ट पी वी सी का पता चलता है जबकि कंपनी ने यह दावा किया है कि इनका उद्गत उनके पी वी सी सस्पेशन संयत्र से हुआ है । ऐसी स्थिति में प्राधिकारी ने कंपनी के संयत्र में भौके पर सत्यापन के दौरान तथ्यों के सत्यापन का निर्णय लिया । सत्यापन के दौरान पी वी सी सस्पेशन संयत्र और पी वी सी सस्पेशन संयत्र, दोनों के संबंध में जांच अवधि के लिए कंपनी के उत्पादन रिकॉर्ड का सत्यापन किया गया था । इनका पुनः भिलान कंपनी द्वारा विनिर्भीत अलग-अलग ग्रेडों के तकनीकी मापदंडों के साथ किया गया था । यह नोट किया गया था कि संबद्ध ग्रेड पी वी सी सस्पेशन संयत्र से उद्गमित हैं और इस प्रकार संगत निर्यात सौदे इस जांच से बाहर रखे गए हैं ।

प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि ऐसी कार्रवाई के बाद जापान से जांच अवधि के दौरान हुए संबद्ध वस्तु के आयात पाटनरोधी नियमावली में यथानिर्धारित न्यूनतम सीमा से कम हैं और इस प्रकार उसने जापान से संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में जांच को कठूलू समाप्त करने का प्रस्ताव किया है । जहां तक उनके इस तर्क की संबंधी कोरिया से संबद्ध वस्तु के आयात न्यूनतम सीमा से कम हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह देखा जाता है कि कोरिया गण से हुए आयात निर्धारित न्यूनतम सीमा से काफी अधिक हैं ।

6.7 प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, पी वी सी सस्पेंशन रेजिन स्पष्टतः विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर है, तथापि, इस तर्क का कोई आधार नहीं है कि माइक्रो सस्पेंशन प्रक्रिया के जरिए उत्पादित पी वी सी पेस्ट रेजिन एक अलग उत्पाद है; और वह पी वी सी सी पेस्ट रेजिन नहीं है। आवेदक ने इस आशय का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि माइक्रोसस्पेंशन प्रक्रिया के जरिए वे पी वी सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन करते हैं। इस बात के होते हुए भी यद्यपि, यह माना जाता है कि घरेलू उद्योग और विदशी उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त उत्पादन प्रक्रिया अलग है और यह कि पी वी सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन माइक्रो सस्पेंशन प्रक्रिया तथा इमल्शन प्रक्रिया के जरिए किया जा सकता है, इस अनुमान का कोई आधार नहीं है कि विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को केवल इमल्शन प्रक्रिया के जरिए उत्पादित पी वी सी पेस्ट रेजिन तक सीमित किया जाए। इस वजह से कि पी वी सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन दो अलग-अलग प्रक्रियाओं के जरिए किया जा सकता है, इसका तात्पर्य यह नहीं है कि परिणामी उत्पाद भिन्न हो जाता है। इस बात को हर हालत में नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग भी माइक्रोसस्पेंशन प्रक्रिया को अपनाकर संबद्ध वस्तु का उत्पादन करता है। अतः यह नोट किया जाता है कि प्रयुक्त प्रक्रिया में अंतर की वजह से अलग उत्पाद उत्पादित नहीं हो सकता बशर्ते आवश्यक उत्पाद गुणधर्मों के संबंध में परिणामी उत्पाद में अंतर न हो। यह संभव है कि प्रत्येक उत्पादक के पास उत्पाद के विनिर्माण हेतु खुद की प्रक्रिया होगी परंतु उत्पादन प्रक्रिया में अंतर परिणामी उत्पाद के गुणधर्मों में समानता होने की स्थिति में अप्रासंगिक होगा।

6.8 तथापि, घरेलू उद्योग ने यह स्पष्ट किया है कि "विचाराधीन उत्पाद" में पी वी सी ब्लैंडिंग रेजिन तथा पी वी सी पेस्ट रेजिन के कोपालिमर शामिल नहीं हैं क्योंकि इनका उत्पादन वे नहीं करते हैं। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने आगे यह स्पष्ट किया है कि वे अब बैटरी सेपरेटर रेजिन का उत्पादन नहीं करते हैं और उन्हें उसे बाहर रखे जाने की स्थिति में कोई आपत्ति नहीं है। इस प्रकार पी वी सी सस्पेंशन रेजिन के अलावा, प्राधिकारी ने पी वी वी ब्लैंडिंग रेजिन, पी वी सी पेस्ट रेजिन के को-पालीमर तथा बैटरी सेपरेटर रेजिन को विचाराधीन उत्पाद और परिणामतः इस जांच के दायरे से अलग रखने का निर्णय किया है।

6.9 घरेलू उद्योग ने उपभोक्तावार बिक्री संबंधी आंकड़े प्रस्तुत किए हैं जिनकी तुलना भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों के साथ की गई है। यह देखा गया है कि ऐसे कुछेक उपभोक्ता हैं जिन्होंने संबद्ध वस्तुओं को संबद्ध देशों तथा घरेलू उद्योग दोनों से खरीदा है जो घरेलू उद्योग के इस दावे को बल प्रदान करता है कि वे उपभोक्ताओं को उनके द्वारा आयातित संबद्ध वस्तु के ग्रेडों की दृष्टि से तुलनीय ग्रेड बेचते हैं।

प्रधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पी वी सी पेस्ट रेजिन का प्रयोग ऊपरी कोट और फोम कोट दोनों के लिए किया जा सकता है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि उनके द्वारा उत्पादित और आपूर्ति की गई समान ग्रेड का उपभोक्ताओं द्वारा टॉप और

फॉम कोट दोनों में प्रयोग किया जाता है। घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि वस्तुतः चमड़े के कपड़े की तीन परतें टॉप कोट, बेस कोट और फार्म कोट होती हैं और ये सभी तीन कोट घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए जए पी वी सी पेस्ट रेजिन के समान ग्रेड का प्रयोग करके उपभोक्ताओं द्वारा तैयार किए जाते हैं।

पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 {घ} में समान वस्तु के संबंध में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

- 6.10 प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, पी वी सी पेस्ट रेजिन के अनेक ग्रेड और उप-किस्में होती हैं परंतु इन सभी में समान भौतिक और रसायनिक विशेषताएं तथा अंतिम उपयोग होते हैं; यद्यपि के मूल्यों और अन्य मापदंडों की दृष्टि से विनिर्देशनों को इन ग्रेडों का उत्पादन करने के लिए विनिर्माताओं द्वारा नियंत्रित किया जाता है। एल सी पी एम ए ने 78 के से अधिक के मूल्य के पी वी सी पेस्ट रेजिन के आयात का दावा करते हुए प्रवेश बिल की कुछ प्रतियां प्रस्तुत की हैं। तथापि, घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उनके पास 78 के से अधिक के मूल्य के पी वी सी पेस्ट रेजिन का उत्पादन करने की क्षमता है।
- 6.11 रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, कार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से आयातित संबद्ध वस्तु से तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इन दोनों का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर करते हैं।
- 6.12 इस प्रकार आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।
- 6.13 जहां तक इस मुदृदे का संबंध है कि आयातों का हिस्सा भारत में कुल मांग का मात्र 6% बनता है और यह कि देश में मांग और आपूर्ति में भारी अंतर है और भारत में पी वी सी रेजिन का व्यापार पर एकाधिकार है, प्राधिकारी का यह सुविचारित मत है कि पाटनरोधी नियमावली में यह शर्त नहीं है कि घरेलू उद्योग को देश में विचाराधीन उत्पाद की समूची मांग अथवा उसके किसी खास प्रतिशत को पूरा करना चाहिए।

इसके अलावा, इस आशय का निषेध है कि पाटन के कारण क्षतिग्रस्त कोई भी उद्योग पाटनरोधी तंत्र के तहत निवारण की मांग नहीं कर सकता ।

6.14 इसके अलावा, प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों की कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों के कारण खासकर तब भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी जब पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित किया जाए । इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

6.15 जहां तक इस मुद्दे का संबंध है कि संबद्ध देशों से पी वी सी पेस्ट रेजिन की आपर्टी हेतु सी आई एफ कीमत लगभग समान है और अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन और परिणामी क्षति के निर्धारण हेतु अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के साथ समानता लोई निर्णायिक बिन्दु नहीं है ।

6.16 जांच अवधि के दौरान जहां तक कच्ची सामग्री की कीमत में घट-बढ़ के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी ने इसे नोट किया है और कुछ हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध को स्वीकार करते हुए क्षति एवं पाटन मार्जिन की गणना माह-वार आधार पर की है ।

ग. घरेलू उद्योग का कार्य क्षेत्र और स्थिति

7. इस जांच की शुरुआत के समय पाटनरोधी नियमावली का नियम 2(ख) निम्नानुसार था:-

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में शेष उत्पादकों को ही घरेलू उद्योग माना जाएगा ।

7.1 तथापि, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में हाल में निम्नानुसार संशोधन किया गया है:

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में शेष उत्पादकों को ही घरेलू उद्योग माना जाएगा ।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

7.2 कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि वर्तमान जांच में पाटनरोधी शुल्क हेतु आवेदन मै. कैमप्लास्ट सनमार लि. ने दायर किया था जबकि पी वी सी रेजिन के दो और उत्पादक अर्थात् मै. डी सी एम श्रीराम कंसोलिडेटेड और मै. धरंगगाधरा कैमिकल वर्क्स थे। प्राधिकारी से अनुरोध किया गया था कि वे इन कंपनियों से कुछ और सूचना मांगे और उसके बाद घरेलू उद्योग के आधार की पुनः गणना करें। आगे यह तर्क दिया गया था कि प्राधिकारी को क्षति विश्लेषण याचिकाकर्ता कंपनी तक सीमित नहीं रखना चाहिए और उसमें अन्य घरेलू उत्पादकों को भी शामिल करना चाहिए क्योंकि आरोपित पाटित आयातों के कारण क्षति का अन्य घरेलू उत्पादकों पर भी प्रभाव पड़ेगा।

यह तर्क दिया गया है कि मै. कैमप्लास्ट सनमार ने कोरिया से पी वी सी सस्पेंशन रेजिन का आयात किया है और इस प्रकार उसके पास आवेदन दायर करने का "आधार" नहीं है।

मै. कैमप्लास्ट सनमार लिमिटेड के अनुरोध

7.3 मै. कैमप्लास्ट सनमार लिमिटेड ने अनुरोध किया है कि केवल याचिकाकर्ता और मै. फिनोलैक्स इंड लिमिटेड संबंद्ध वस्तु का उत्पादन करते हैं। अन्य सभी कंपनियां विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं करती हैं। आगे यह बताया गया है कि पी वी सी सस्पेंशन रेजिन और पेस्ट/इमल्शन रेजिन अलग-अलग उत्पाद हैं। अतः पी वी सी सस्पेंशन रेजिन का संभावित आयात वर्तमान मामले के लिए पूर्णतः अप्रासंगिक है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

7.4 जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है कि पी वी सी सस्पेंशन रेजिन विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नहीं आता है और इस प्रकार पी वी सी सस्पेंशन रेजिन का कोई आयात वर्तमान मामले के संदर्भ में अप्रासंगिक है। प्राधिकारी ने मै. डी सी एम श्रीराम कंसोलिडेटेड और मै. धरंगगाधरा कैमिकल वर्क्स द्वारा उत्पादन, यदि कोई हो, से संबंधित उपर्युक्त मुद्दे की जांच की। प्राधिकारी द्वारा की गई विशिष्ट पूछताछ के उत्तर में दोनों कंपनियों अर्थात् मै. डी सी एम श्रीराम कंसोलिडेटेड और मै. धरंगगाधरा कैमिकल वर्क्स ने स्पष्ट किया है कि वे संबद्ध वस्तु का उत्पादन नहीं करते हैं। जहां तक मै. फिनोलैक्स इंड लिमिटेड का संबंध है, कंपनी से विशेष रूप से क्षति के आंकड़े प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था परंतु कंपनी ने अनुरोध के बावजूद कोई सूचना/आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं।

7.5 उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ये नोट करते हैं कि यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मै. कैमप्लास्ट सनमार लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है। यद्यपि, संबद्ध वस्तु का

एक और उत्पादक अर्थात् मै. फैनोलैक्स इंड लि. है परंतु मै. कैमप्लास्ट सनमार लि. भारत में संबद्ध वस्तु का एक प्रमुख उत्पादक है जिसका उत्पादन संबद्ध वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन का 78.97% बनता है। अतः मै. कैमप्लास्ट सनमार्क लिमिटेड पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर "आधार" की अपेक्षा को पूरा करता है और वह "घरेलू उद्योग" है।

घ जांच अवधि

हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

8. जांच अवधि जांच की शुरुआत की तारीख से पूर्व 6 माह की है और यह यूरोपीय संघ तथा किंगडम ऑफ सउदी अरेबिया से पी वी सी के आयातों से संबंधित पृथक निर्णायक समीक्षा में समीक्षा जांच अवधि की अभिभावी है। अतः इ यू और सऊदी अरब से हुए पी बी आर के आयातों के कारण हुई क्षति की जांच करने और पुनर्विचार करने की जरूरत है। इसके अलावा, पाटनरोधी करार के अनुसार जांच अवधि प्रतिनिधिक नहीं है क्योंकि इसे उच्च कीमत अस्थिरता और वैश्विक मंदी द्वारा विकृत कर दिया गया है।

8.1 यह तर्क दिया गया है कि वर्तमान मामले में जांच अवधि काफी कम है और उसमें वे महीने शामिल हैं, जब कच्ची सामग्री और पोलीप्रोपीलीन की कीमतें वैश्विक मंदी के कारण काफी अस्थिर थीं। जांच अवधि को उचित और निष्पक्ष विश्लेषण हेतु 18 माह तक निर्धारित किया जाना चाहिए।

8.2 यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने जांच अवधि पर विचार करने में गलती की है जो जांच की शुरुआत की तारीख से पूर्व के लगभग 7 माह में समाप्त हो जाती है। यह तर्क दिया गया था कि ऐसा कोई कानून नहीं है जिसमें ऐसी जांच अवधि लेने पर निषेध हो तथापि, डब्ल्यू टी ओ सिफारिश में यह स्पष्ट किया गया है कि जांच अवधि व्यवहारिक रूप से जांच की शुरुआत की तारीख के निकटतम होनी चाहिए। आगे यह तर्क दिया गया था कि वर्तमान जांच जहां जांच अवधि वैश्विक मंदी और आर्थिक मंदी की अवधि से मेल खाती हो, में जांच अवधि का चयन और अधिक महत्वपूर्ण बन जाता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8.3 न तो पाटनरोधी नियमों में और न ही पाटनरोधी करार में ऐसी किसी निर्धारित अवधि का उल्लेख नहीं है जिसे "जांच अवधि" माना जाए। इसके अलावा इनमें जांच की शुरुआत और जांच की इस अवधि के बीच समयांतराल के बारे में कोई दिशा निर्देश नहीं हैं। अतः जांच की अवधि और जांच की शुरुआत के बीच समयांतराल तथा इस जांच अवधि के संदर्भ में कोई निर्धारण अथवा विनिर्धारण नहीं है।

8.4 अतः यह देखा जाता है कि वर्तमान मामले में आवेदन अगस्त, 2009 के प्रथम सप्ताह में प्राधिकारी को प्राप्त हुआ था । जैसा कि प्रारंभिक जांच परिणामों में भी देखा गया है कि आवेदन की प्रारंभिक जांच में कुछ कमियों का पता चला था जिन्हें बाद में आवेदक ने सुधार दिया था । अतः आवेदन को विधिवत प्रलेखित माना गया था और प्राधिकारी ने जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर जांच शुरू करने का निर्णय लिया था ।

8.5 अतः प्राधिकारी का यह विचार है कि वर्तमान मामले में जांच अबधि का विधिवत चयन किया गया है जिसमें विषय से संबंधित नवीनतम उपलब्ध आंकड़े शामिल किए गए हैं । तथापि, कच्ची सामग्री की कीमत में अत्यधिक उत्तार-चढ़ाव और जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कीमत पर विचार करते हुए आंकड़ों का विश्लेषण माह दर माह आधार पर किया गया है ।

क गोपनीयता

हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

8.6 **अत्यधिक गोपनीयता:** यह उल्लेख किया गया है कि याचिका और प्रारंभिक जांच परिणाम में सूचना टिप्पणी हेतु पर्याप्ततः प्रदान की गई थी । गोपनीयता का दावा पी वी टी , पी बी आई टी, औसत मालसूची, कर्मचारियों आदि की संख्या जैसी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के बारे में भी किया गया था । वस्तुतः सूचना सूचीबद्ध रूप में प्रदान नहीं की गई है । अतः अपने हितों की रक्षा के लिए हितबद्ध पक्षकारों के अधिकारों को काफी सीमित कर दिया गया है ।

8.7 पी एफ सी ने अपनी ओर से यह तर्क दिया है कि उसने पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 के अनुसार उन आंकड़ों के भाग के बारे में गोपनीयता का दावा किया है जो गोपनीय हैं और जिस सीमा तक उन्हें सूचीबद्ध आंकड़ों के रूप में उपलब्ध कराया गया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8.8 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी । संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

कुछेक हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

9. सामान्य मूल्य का गलत निर्धारण किया गया है क्योंकि विनायल क्लोराइड मोनोमर ऐसी मूल कच्ची सामग्री है जिसकी लागत संबद्ध देश में नहीं ली गई है । सामान्य मूल्य की गणना करते समय याचिकाकर्ता ने कच्ची सामग्री की लागत का गलत दावा किया है । न तो याचिकाकर्ता और न ही निर्यातक पी सी रेजिन के उत्पादन हेतु कच्ची सामग्री के रूप में उच्च कोटि के मिट्टी तेल का उपयोग करते हैं जो उच्चयन ईंधन के अलावा कुछ नहीं है ।

9.1 पाटन मार्जिन की गणना: एफ पी सी ने प्रकटन विवरण के साथ-साथ पाटन मार्जिन की गणना का प्रकटन करने का अनुरोध किया है जिससे उन्हें टिप्पणी करने में सुविधा होती है । आगे यह अनुरोध किया गया है कि एफ पी सी के पहुंच मूल्य के निर्धारण हेतु प्रयुक्त पद्धति और गणना का भी उन्हें प्रकटन किया जाए ।

9.2 लाभप्रदता हेतु माहवार तुलना: एफ पी सी ने पुनः अनुरोध किया है कि जांच में कई ग्रेड शामिल हैं और इस वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए कि जांच अवधि में मंदी की अवधि शामिल है, प्राधिकारी को मासिक औसत सामान्य मूल्य की गणना करते समय मात्र इस वजह से समूची अवधि के लिए परिकलित लाभकारी बिक्रियों पर विचार करना चाहिए कि बिक्री किए जाने पर संगत अवधि के दौरान उत्पादित विशिष्ट ग्रेडों में से किसी का उत्पादन नहीं किया गया और संगत अवधि के दौरान घरेलू बाजार में विशिष्ट ग्रेड की बिक्री ऐसे की गई थी मानो निर्यात किया गया था । अतः ऐसी स्थिति में अपनाई जाने वाली पद्धति को देखते हुए यह सिफारिश की जाती है कि प्राधिकारी या तो समग्र जांच अवधि के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन का विश्लेषण करें या फिर लाभप्रदता, समायोजन आदि से संबंधित समस्त कवायत पर विचार करते हुए डब्ल्यू टी ओ करार के अनुच्छेद 2.4.2 में किए गए उल्लेखानुसार सौदेवार पद्धति अपनाएं, यदि प्राधिकारी माहवार विश्लेषण करना चाहते हों ।

9.3 आगे यह अनुरोध किया गया है कि इस बात पर विचार करते हुए कि वर्ष 2008-2009 की आर्थिक मंदी के कारण जांच अवधि के दौरान उत्पादन लागत और माह वार बिक्री कीमत में पर्याप्त परिवर्तन हुआ है, प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे प्रत्येक माह के लिए अलग से सामान्य मूल्य की गणना करें । य कहा गया है कि नियमों में दो लागत-(क) बिक्री के समय लागत, और (ख) जांच अवधि के लिए उत्पादन की भारित औसत लागत का प्रावधान है । जांच अवधि के लिए उत्पादन की भारित औसत को "माह की भारित औसत उत्पादन लागत" के रूप में नहीं देखा जा सकता । तथापि, जिन मासलों में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक कीमत घट-बढ़ के कारण उप अवधियों के आधार पर तुलना की जाती है, वहां सामान्य मूल्य की गणना के लिए संगत उत्पादन की भारित औसत लागत, उक्त उप अवधि की भारित औसत लागत मानी जानी चाहिए अर्थात् तिमाही वार तुलना के लिए भारित औसत तिमाही लागत और मासिक तुलना के लिए मासिक लागत ।

9.4 समूची जांच अवधि के लिए 80/20 परीक्षण किया जाए: एफ पी सी ने आगे यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी को समूची जांच अवधि के लिए 80/20 का परीक्षण करना चाहिए न कि माह वार आधार पर । य तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी के लिए

नियमित रूप से अपनाई गई यह परंपरा रही है और इसलिए इसमें परिवर्तन नहीं किए जाने चाहिए और यह कि जापान और थाइलैंड से "फेनोल" के अंतिम निर्धारण के मामले में भी इसे अपनाया गया था ।

9.5 जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में मै हनोवा कैमिकल कार्पोरेशन ने संक्षेप में निम्नानुसार अनुरोध किया है :

परिकलित सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत का गलत निर्धारण किया गया है और ऐसा ही पाटन मार्जिन के निर्धारण में किया गया है । हन्हवा ने विगम में कोई पाटन नहीं किया है, इसलिए अनंतिम पाटन मार्जिन काफी अधिक और विकृतकारी प्रतीत होता है ।

9.6 घरेलू उद्योग के अनुरोध:

यह तर्क दिया गया है कि :

- याचिकाकर्ता ने परिकलित सामान्य मूल्य की नीति अपनाई है और उसने संबद्ध देशों में पी वी सी पेस्ट रेजिन की उत्पादन लागत के अनुमान पर विचार किया है ।
- क्लोरीन का उपयोग ई डी सी के उत्पादन में किया जाता है । ई डी सी का उपयोग पी वी सी एम बनाने में किया जाता है जिसका उपयोग पी वी सी स्लरी के निर्माण में किया जाता है । पी वी सी स्लरी का उपयोग पी वी सी रेजिन में किया जाता है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग पी वी सी के लिए ई डी सी को कच्ची सामग्री मानता है । कंपनी अपने खुद की ईडीसी का उपयोग कर सकती है या उसकी खरीद या बिक्री कर सकती है ।
- चीन जन.गण. के उत्पादक/निर्यातक ने न तो उत्तर दायर किया है और न ही बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया है और प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का देश सही ढंग से माना है ।
- याचिकाकर्ता ने सामान्य मूल्य के निर्धारण का सुझाव थाइलैंड में परिकलित मूल्य के आधार पर करने का सुझाव दिया ।
- याचिकाकर्ता द्वारा निर्यात कीमत का निर्धारण गौण स्रोत अर्थात इंटरनेशनल बिजनेशन इन्फॉरमेशन सर्विस, मुंबई द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार जांच अवधि के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य के अनुसार किया गया है ।
- याचिकाकर्ता ने सर्वाधिक पारंपरिक अनुमानों के आधार पर सामान्य अनुभव और बाजार सूचना के आधार पर विभिन्न समायोजनों का दावा किया है और सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निर्धारित किया है ।

10.1 जहां तक पाटन मार्जिन की गणना के प्रकटन का संबंध है, इसका प्रकटन संबंधित प्रतिवादियों को प्रकटन विवरण के साथ किया गया था । जहां तक जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में परिकलित सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लिए उस सूचना को प्रदान करना अपेक्षित है जो उसके पास समुचित ढंग से उपलब्ध थी और वर्तमान मामले में जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई गई थी । उसके बाद अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्रश्नावलियों के उत्तर दायर करने की आशा की गई थी ताकि प्राधिकारी को निष्पक्ष और तथ्यपरक जांच परिणाम निकालने में मदद मिल सके । प्राधिकारी ने संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए समस्त ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को पत्र लिखा । तथापि, वर्तमान जांच में हितबद्ध पक्षकारों ने जहां कहीं वास्तविक आंकड़े प्रस्तुत किए हैं और प्राधिकारी को सहयोग किया है, वहां सूचना/आंकड़ों के सत्यापन के बाद प्राधिकारी ने संबंधित प्रतिवादियों द्वारा पाटन, यदि कोई हो के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उन्हें स्वीकार किया है ।

छ. सामान्य मूल्य

10.2 प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थी जिसमें उन्हें निर्धारित ढंग और तरीके से सूचना प्रदान करने की सलाह दी गई थी । निम्नलिखित कंपनियों से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ था ।

कं.सं	हितबद्ध पक्षकार का नाम	देश
1.	मै. एल जी कैम. लि.	कोरिया गण.
2.	मै. हनवा कैमिकल कार्पोरेशन	कोरिया गण.
3.	मै. मित्सुई एंड कंपनी लि.	जापान
4.	मै. कनेका कार्पोरेशन	जापान
5.	मै. कनेका पेर्स्ट पोलीमर्स एसडीएन बीएचडी	मलेशिया
6.	मै. मित्सुई एंड कं. (एशिया पैसिफिक) प्रा.लि.	मलेशिया
7.	मै. फार्मोसा प्लास्टिक	ताईवान

चीन जन.गण. से निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

10.3 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में यह प्रावधान है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदर्भ अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार

अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

10.4 प्राधिकारी ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में यह संकेत दिया था कि आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और थाईलैंड को एक उचित प्रतिनिधि देश के रूप में बाजार अर्थव्यवस्था माना जा सकता है। प्राधिकारी ने अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां मंगाई थीं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने अधिसूचना का जवाब नहीं दिया है । इस प्रकार चीन के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा नहीं किया है । इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उचित तीसरे देश के चयन जैसा कि आवेदक ने सुझाव दिया है, के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं दी है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाईलैंड को बाजार अर्थव्यवस्था वाला उचित तीसरा देश माने जाने का सुझाव देते समय घरेलू उद्योग ने अपने इस दावे के समर्थन में कोई उचित न्यायसंगत आधार प्रस्तुत नहीं किया है और न ही उन्होंने यह सिद्ध किया है कि थाईलैंड संबंधित देश के विकास के स्तर और प्रश्नाधीन उत्पाद के आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था वाला एक उचित तीसरा देश है । अतः प्राधिकारी थाईलैंड को बाजार अर्थव्यवस्था वाला एक उचित तीसरा देश मानने में असमर्थ हैं ।

10.5 उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर चीन जन.गण के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण की आगे की कार्रवाई करते हैं और उन्होंने "किसी अन्य तर्कसंगत आधार" के अनुसार इसका निर्धारण किया है । तदनुसार चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादन लागत, जिसे एस जी ए और लाभों को शामिल करने के लिए विधिवत ढंग से समायोजित किया गया है, के आधार पर किया है । इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डॉ./मी.ट. बनता है ।

जापान, कोरिया गण., मलेशिया, रूस, ताइवान तथा थाईलैंड के संबंध में सामान्य मूल्य-प्रतिवादी निर्यातक

10.6 निम्नलिखित कंपनियों द्वारा प्रश्नावली का उत्तर दिया गया है:

क्र.सं.	हितबद्ध पक्षकार का नाम	देश
1.	मै एल जी कैम लि.	कोरिया गण

2.	मै. हनवा कैमिकल कार्पोरेशन	कोरिया गण
3.	मै. मित्सुई एंड कंपनी लि.	जापान
4.	मै. कनेका कार्पोरेशन	जापान
5.	मै. कनेका पेस्ट पोलीमर्स एस डीएन बी एच डी	मलेशिया
6.	मै. मित्सुई एंड के. (एशिया पेसिफिक) प्रा.लि.	मलेशिया
7.	मै. फार्मॉसा प्लास्टिक कार्पोरेशन	ताइवान

10.7 चूंकि ऊपर उल्लिखित कंपनियों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है, इसलिए प्राधिकारी ने इन कंपनियों के संबंध में अलग-अलग पाठन मार्जिन निर्धारित किया है। सामान्य मूल्यों के निर्धारण के लिए अपनाई गई पद्धति निम्नानुसार है:

सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्रतिवादी निर्यातकों हेतु अपनाई जाने वाली सामान्य पद्धति

10.8 प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया कि जांच अधिकृत के दौरान संबद्ध वस्तु की कीमतें घट-बढ़ रही हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए पाठन, यदि कोई हो, और परिणामी क्षति के निर्धारण हेतु समूचे आंकड़ों का माहवार विश्लेषण करने का निर्णय लिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों (जिन्होंने अपने अनुरोध दायर किए थे) से माहवार आधार पर विश्लेषण करने के लिए आवश्यक आंकड़े मांगे गए थे।

10.9 पहले यह देखा गया कि क्या प्रतिवादी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा उनके घरेलू बाजारों में संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियां उतनी प्रतिनिधि और व्यवहार्य हैं जिनसे उनकी घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण संभव हो और क्या प्रतिवादियों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण पूरा होता है। अपने उत्तर में प्रतिवादियों ने उनके घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों के सौदावार ख्यौरे उपलब्ध कराए हैं। इस प्रकार प्रदत्त सूचना पर व्यवहार्य सीमा तक संबद्ध वस्तु के प्रत्येक ग्रेड/किरम के लिए अलग-अलग भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत निर्धारित करने के लिए भरोसा किया गया है। व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण के निर्धारण के लिए संबंधित उत्पाद की उत्पादन लागत को स्वीकार किया गया है जैसा कि मौके पर सत्यापन के दौरान पाया गया है। इसके अलावा सभी घरेलू बिक्री सौदों की जांच यह निर्धारित करने के लिए संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में की गई है कि क्या घरेलू बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में थीं। यह भी देखा गया है कि क्या घाटे वाले सौदे बिक्री के 20% से अधिक थे अथवा नहीं। जहां कहीं भी लाभप्रद घरेलू बिक्री सौदों को कुल बिक्रियों के 80% से अधिक पाया गया था, वहां सभी घरेलू बिक्रियों की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया है। तथापि, जहां भी लाभप्रदत बिक्री मात्रा को 80% से कम पाया गया था, वहां लाभप्रदत घरेलू

बिक्रियों की भारित औसत कीमत पर विचार किया गया है; और जहां ऐसा निर्धारण व्यवहार्य नहीं था, वहां परिशिष्ट 8 ख से संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत जमा लाभ के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया गया है ।

मै. एल जी. कैम, लि., कोरिया गण.

10.11 कंपनी द्वारा प्रस्तुत उत्तर को पढ़ा गया है जिसे उत्पाद किस्मवार प्रस्तुत किया गया है। प्रश्नावली के उत्तर से यह देखा गया है कि कंपनी ने किस्मवार लागत निर्धारण दिया है । एस जी ए व्ययों का कारोबार के आधार पर दावा किया गया है । यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्रियां पर्याप्तता संबंधी परीक्षण को पूरा करती हैं । उत्तर के परिशिष्ट 8 ख में यथा इंगित संबद्ध वस्तु के उत्पादन लागत को व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण करने के प्रयोजनार्थ मौके पर किए गए सत्यापन के अनुसार स्वीकार किया गया है । मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार उनके समायोजनों की अनुमति दी गई है । इस निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. बनता है ।

मै. हनवा कैमिकल कार्पोरेशन, कोरिया गण.

10.12 कंपनी द्वारा प्रस्तुत उत्तर को पढ़ा गया है जिसे उत्पाद किस्मवार प्रस्तुत किया गया है। प्रश्नावली के उत्तर से यह देखा गया है कि कंपनी ने किस्मवार लागत निर्धारण दिया है । एस जी ए व्ययों का दावा किया गया है और उन्हें कारोबार के आधार पर विभाजित किया गया है । यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्रियां पर्याप्तता संबंधी परीक्षण को पूरा करती हैं । उत्तर के परिशिष्ट 8 ख में यथा इंगित संबद्ध वस्तु के उत्पादन लागत को व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण करने के प्रयोजनार्थ स्वीकार किया गया है । मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार उनके समायोजनों की अनुमति दी गई है । इस निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. बनता है ।

मै. फार्मोसा प्लास्टिक कार्पोरेशन, चीनी ताइपेई

10.13 कंपनी द्वारा प्रस्तुत उत्तर को पढ़ा गया है जिसे उत्पाद किस्मवार प्रस्तुत किया गया है। प्रश्नावली के उत्तर से यह देखा गया है कि कंपनी ने किस्मवार लागत निर्धारण दिया है । एस जी ए व्ययों का दावा किया गया है और उन्हें कारोबार के आधार पर विभाजित किया गया है । यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्रियां पर्याप्तता संबंधी परीक्षण को पूरा करती हैं । उत्तर के परिशिष्ट 8 ख में यथा इंगित संबद्ध वस्तु के

उत्पादन लागत को व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण करने के प्रयोजनार्थ स्वीकार किया गया है। मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार उनके समायोजनों की अनुमति दी गई है। इस निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. बनता है।

मै. मित्सुई एंड कं. (एशिया पेसिफिक) प्रा.लि. के जरिए मै. कनेका पेस्ट पोलीमर्स एसडीएन बीएचडी

10.14 यह देखा गया था कि मै. कनेका पेस्ट पोलीमर्स एसडीएन बीएचडी ने भी मै. सोजित्ज कार्पो. के जरिए संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है परंतु प्राधिकारी को संगत आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं और उत्तर को मै. मित्सुई एंड कं. (एशिया पेसिफिक) प्रा.लि. के जरिए मै. कनेका पेस्ट पोलीमर्स एसडीएन बीएचडी द्वारा संबद्ध वस्तु के निर्यातों तक सीमित रखा गया है। उत्पादक और निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तरों को पढ़ा गया है जिसे उत्पाद किस्मवार प्रस्तुत किया गया है। प्रश्नावली के उत्तर से यह देखा गया है कि मै. कनेका ने ग्रेड-वार और माह-वार लागत निर्धारण प्रस्तुत किया है। एस जी ए व्ययों का दावा कारोबार के आधार पर किया गया है। यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्रियां पर्याप्तता संबंधी परीक्षण को पूरा करती हैं। उत्तर के परिशिष्ट 8 खं में यथा इंगित संबद्ध वस्तु के उत्पादन लागत को व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण करने के प्रयोजनार्थ स्वीकार किया गया है। मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार उनके समायोजनों की अनुमति दी गई है। इस निर्धारण के आधार पर सामान्य मूल्य *** अम.डॉ. प्रति मी.ट. बनता है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

10.15 प्राधिकारी नोट करते हैं कि रूस और थाईलैंड से किसी भी निर्यातक /उत्पादक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर उनके सामान्य मूल्यों का परिकलन करने के लिए बाध्य हैं। इस प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य का निर्धारण अन्य बातों के साथ-साथ कच्ची सामग्री अर्थात् अलग-अलग देश के लिए इंडी सी की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों, विनायल क्लोरोइड मैगजीन (हरीमन कैमसल्ट द्वारा प्रकाशित) द्वारा प्रकाशित कीमतों और घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागतों पर विचार करते हुए किया गया है।

10.16 इसके अलावा, कोरिया गणराज्य मलेशिया और ताइवान से संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। अतः उनके मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर किया गया है।

ज. निर्यात कीमत

प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

11. प्रधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमतों का निर्धारण इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तरों के आधार पर किया जा सकता है। निर्यात कीमतों और उनके समायोजनों की अनुमति मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार की गई है।

मै. एल जी कैम. लि.

11.2 इस प्रतिवादी ने भारत को निर्यात से संबंधित परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। माल वहन खर्च, ऋण खर्च, समुद्री बीमा, कस्टम एजेंट के शुल्क कमीशन, पैकिंग खर्च, शुल्क अदायगी के संबंध में समायोजनों की अनुमति मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार की गई है।

मै. हनवा कैमिकल कार्पोरेशन

11.3 इस प्रतिवादी ने भारत को निर्यात से संबंधित परिशिष्ट 2 में सूचना प्रस्तुत की है। अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, प्रहस्तन, सी.शु. दलाली, कमीशन, ऋण लागत आदि के संबंध में समायोजनों की अनुमति मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार की गई है।

मै. मित्सुई एंड क. (एशिया पेसिफिक) प्रा.लि. के जरिए मै. कनेका पेस्ट पोलीमर्स एसडीएन बीएचडी

11.4 इस प्रतिवादी ने भारत को निर्यात से संबंधित परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। कमीशन, अंतरदेशीय परिवहन, विदेशी परिवहन, विदेशी बीमा, ऋण लागत, के संबंध में समायोजनों की अनुमति मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार की गई है।

मै. फार्मोसा प्लास्टिक कार्पो.

11.5 इस प्रतिवादी ने भारत को निर्यात से संबंधित परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। अंतरदेशीय भाड़ा, व्यापार संवर्धन शुल्क, बंदरगाह सेवा शुलक, समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, निकासी प्रहस्तन और लदान, बैंक प्रभार और परक्रान्त व्याज के संबंध में समायोजनों की अनुमति मौके पर सत्यापन के दौरान नोट किए गए अनुसार की गई है।

असहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण

11.16 चूंकि संबद्ध वस्तु के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक से कोई अन्य उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार "उपलब्ध तथ्यों" के अनुसार निर्यात कीमत निर्धारित की है। इन आंकड़ों का मिलान आवेदक द्वारा प्रदत्त सूचना और सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार किया गया है।

अ. पाटन मार्जिन

11.17 ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्यों और निर्यात कीमतों पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार निर्धारित किए गए हैं:

अम.डॉ. मी.ट. में

क्र.सं.	देश - उत्पादक/ निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
चीन जन.गण.					
1.	सभी उत्पादक तथा निर्यातक कारिया गण.	***	***	***	31.70%
2.	मै. एल जी कैम लि.	***	***	***	(4.79) %
3	मै. हनवा कैमिकल कार्पोरेशन	***	***	***	(3.7) %
4.	अन्य सभी उत्पादक तथा निर्यातक	***	***	***	51.53%
मलेशिया					
5.	मित्सुई एंड कंपनी (एशिया पेसिफिक) प्रा.लि. द्वारा मै. कनेका पेस्ट पोलीमर्स एसडीएन बीएचडी	***	***	***	33.06%
6.	सभी उत्पादक तथा निर्यातक मित्सुई एंड कंपनी लि. द्वारा कनेका कार्पोरेशन, जापान	***	***	***	33.06%
रूस					
7.	सभी उत्पादक तथा निर्यातक	***	***	***	49.45%
ताइवान					
8.	मै. फार्मोसा प्लास्टिक कार्पोरेशन	***	***	***	1.75%
9.	अन्य सभी उत्पादक तथा निर्यातक	***	***	***	30.18%
थाइलैंड					
10.	सभी उत्पादक तथा निर्यातक	***	***	***	19.36%

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध

अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

कैमंटेरियन परदागेंगन एन्ड्रोबेंगशा डेन इंडस्ट्री, मलेशिया (आंतरिक व्यापार तथा उद्योग मंत्रालय, मलेशिया)

13. मलेशिया की सरकार ने संक्षेप में यह बताया है कि प्रारंभिक जांच परिणाम के अवलोकन से उन्होंने यह पाया है कि क्षति अवधि के दौरान भारतीय उत्पादकों की क्षमता 34, 080 मी.ट. बनी रही है परंतु क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग उत्तरोत्तर बढ़कर 52,540 मी.ट. हो गई है । तदनुसार उनका यह मत है कि घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु के उत्पादन और बिक्री मांग में वृद्धि के अनुरूप नहीं हो सकती और इसकी वजह से मांग की पूर्ति हेतु आरोपित उत्पाद का आयात अनिवार्य बन गया था ।

उन्होंने आगे यह बताया है कि प्राधिकारी को उब्जू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.4 में किए गए प्रावधान के अनुसार समस्त 15 आर्थिक कारकों और संकेतकों की जांच करनी चाहिए ।

कोरिया गणराज्य दूतावास द्वारा किए गए अनुरोध

13.1 कोरिया गणराज्य सरकार ने संक्षिप्त में निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं :

- आयातों और वास्तविक क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है क्योंकि जांच अवधि के दौरान कारिया गण. सेक आयात में वृद्धि भारत में संबद्ध वस्तु की आपूर्ति में असामान्य कमी के कारण हुई थी ।
- घरेलू उद्योग की वार्षिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए यह तर्क दिया गया है कि पी वी सी पेस्ट रेजिन के उत्पादन में गिरावट आई है जबकि पी वी सी सस्पेशन रेजिन के उत्पादन में गुद्धि हुई है और ऐसा चर्म, ऑटोमोटिव और इलैक्ट्रोनिक उत्पादों जैसे पी वी सी पेस्ट रेजिन के उत्पादन में प्रयुक्त उत्पादों में मांग में आई गिरावट के कारण हुआ है ।
- कोरिया गण. से हुए आयात की कीमत का घरेलू कीमत पर प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि कोरियाई उत्पादकों का अत्यंत कम बाजार हिस्सा है और इस प्रकार वे भारतीय बाजारी कीमत को निर्धारित करने अथवा उसमें कमी करने की स्थिति में नहीं हैं ।
- वास्तविक क्षति अपर्याप्त रही है क्योंकि घाटा उठाने वाली कंपनी नई उत्पादन क्षमताओं को तैयार करने के लिए पर्याप्त धन का निवेश नहीं कर सकती है ।

- यह बताया गया है कि वैश्विक मंदी, तेल बाजार में घट-बढ़, चर्म वस्त्र की घरेलू मांग में गिरावट जैसे मुद्दों की जांच की जानी चाहिए जो घरेलू उद्योग को आरोपित क्षति के मुख्य कारण हैं।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

विदेश व्यापार विभाग, थाइलैंड

13.2 विभाग ने संक्षेप में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- मात्रा की दृष्टि से पी वी सी पेस्ट रेजिन के आयातों में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई थी। घरेलू उद्योग अब भी घरेलू इकाई बिक्री कीमत में वृद्धि करने में सक्षम था और परिसंपत्तियों तथा कार्यशील पूँजी में वृद्धि का लाभ उठा रहा था।
- क्षति यदि कोई हो, वह केवल घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई है और न कि भारतीय उद्योग द्वारा और यह दर्शाया नहीं गया है कि यह क्षति संबद्ध देशों से पी वी सी पेस्ट रेजिन के पाटन के कारण हुई थी।
- आयातों में वृद्धि का एक महत्वपूर्ण कारण वर्ष 2006-07 में इस उत्पाद पर सीमाशुल्क में 10% से 5% की कमी का विलंबित प्रभाव रहा था।
- यद्यपि थाइलैंड से पी वी सी पेस्ट रेजिन के आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है परंतु आयातों के बाजार हिस्से में निरंतर गिरावट आई है।
- घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, यूरोपीय संघ से पी वी सी पेस्ट रेजिन के आयातों में वृद्धि के कारण अथवा एक घटती हुई उत्पादक जनशक्ति के लिए मजदूरी बिल के बढ़ने के कारण हुई है।

व्यापारिक वार्ता विभाग, आर्थिक विकास मंत्रालय, रूसी परिसंघ

13.3 विभाग ने संक्षेप में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

भारत में संबद्ध वस्तु के कुल आयातों में रूस के आयातों का हिस्सा मामूली रहा है और यह 2.14% तथा 7.60% के बीच रहा है; जो अन्य देशों से आयातों में वृद्धि के मुकाबदले वर्ष 2008-09 तक घटकर 3.40% रह गया था।

13.4 विनीथाई पब्लिक कंपनी लि., थाईलैंड

यह तर्क दिया गया है कि आयातों के कारण घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति नहीं हुई है अथवा क्षति का खतरा नहीं है क्योंकि भारत को उनके नियात नगण्य रहे थे जो कुल बाजार का 0.4% से कम है और कुल आयातों वा 0.8% से कम है ।

13.5 एल सी पी एम ए

एल सी पी एम ए निम्नानुसार तर्क दिए हैं :

- जांच अवधि के दौरान, कच्ची सामग्री की कीमतों में घट-बढ़ रही है । अतः क्षति की गणना माह-दार की जानी चाहिए ।
- आवेदक घरेलू उद्योग के पास पी वी सी रेजिन के समस्त ग्रेडों के उत्पादन की सामान्य क्षमता है । इसके अलावा, यह सस्पेंशन ग्रेड का उत्पादन करता है जो अधिक लाभकारी उत्पाद है और विचाराधीन उत्पाद में नहीं आता है और उसने अपने क्षमता उपयोग में गिरावट की वजह से क्षति का अनुचित लाभ उठाने हेतु विचाराधीन उत्पाद की अपनी क्षमता की गलत घोषणा की है ।
- घरेलू उद्योग ने उच्च मूल्य हास और मरम्मत तथा रखरखाव की लागत का दावा किया है ।
- आयातों और घरेलू उद्योग को हुई आरोपित क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है । घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, आयातों/पाटित आयातों से इतर कारकों के कारण हुई है । घरेलू उद्योग ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि जांच अवधि के लिए उसके स्वयं के निष्पादन पर मंदी, मांग में गिरावट तथा स्टॉकगत हानि, चर्म वस्त्रों की कम आयात कीमत, आटोमोबाइल में मंदी तथा खुदरा गृह खंड आदि द्वारा प्रतिकूलतः प्रभावित हुआ है न कि पाटन के कारण । घरेलू उद्योग पर वैश्विक मंदी के प्रभाव की जांच जरूरी है ।
- आयातों का विश्लेषण करने के लिए डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों, जो अधिक प्रामाणिक और प्राधिकारी के लिए आसानी से सुलभ हैं, के बजाए आई बी आई एस के आंकड़ों को लिया गया है ।
- मै. फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज के अति सामान्य लाभ से पता चलता है कि तथाकथित पाटन के कारण कोई क्षति नहीं हुई है ।
- भारत में मांग की तुलना में घरेलू उद्योग के पास सीमित क्षमता है ।

- उसी विनिर्माता के लिए उसी जांच अवधि में उसी उत्पाद की अलग क्षति रहित कीमत घरेलू उद्योग ने अपनाई है जो संभव नहीं हो सकती है ।
- घरेलू उद्योग हमेशा अनुचित संरक्षणवादी नीति अपनाता है । यह प्रतिस्पर्धा समाप्त करने के लिए एकाधिकार स्थापित करने के प्रयोजनार्थ सभी देशों से आयातों को अवरुद्ध करना चाहता है ।
- क्षति रहित कीमत की गणना हेतु वी सी एम की बाजार कीमत को लिया जाना चाहिए ।
- पाटनरोधी शुल्क लगाना सार्वजनिक हित के खिलाफ है । घरेलू उद्योग अत्यधिक कीमतें लेकर भारत में मांग-आपूर्ति के अंतर का अनुचित लाभ उठा रहा है ।
- पी वी सी पेस्ट रेजिन की कीमत में अत्यधिक घट-बढ़ के कारण पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश संदर्भ कीमत के आधार पर की जानी चाहिए ।

हनवा कैमिकल कार्पोरेशन द्वारा किए गए अनुरोध

13.6 इस कंपनी द्वारा संक्षेप में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- आयात कीमतों में कोई गिरावट नहीं हुई थी (आयात कीमतों में पर्याप्त वृद्धि हुई थी)
- घरेलू बिक्री कीमत में कच्ची सामग्री की कीमतों में गिरावट के बावजूद भी पर्याप्ततः वृद्धि हुई है ।
- उत्पादन लागत में गैर-अनुपातिक रूप से ऐसे कारणों के चलते वृद्धि की गई है जो आयातों के लिए जिम्मेदार नहीं हैं बल्कि अप्रत्याशित कारक हैं और प्रबंधन की विफलता हैं ।
- यहां तक कि आधार वर्ष 2005-06 के दौरान याचिकाकर्ता पूरी लागत उपयोक्ताओं से नहीं ले सका था । अप्रतिस्पर्धी उत्पादन लागत उनकी लंबे समय से चली आ रही आंतरिक समस्या है और घाटा या कम लाभप्रदता उसका परिणाम है । आयात के कारण उन्हें क्षति नहीं हुई है ।
- दावा की गई क्षति कृत्रिम है; अन्यथा कंपनी ने अन्य बढ़ाने के लिए अतिरिक्त संयंत्र में 800 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश का उड़ान नहीं किया होता ।

च. प्रयोग के आधार पर बाजार का कोई विभाजन नहीं किया गया है। भिन-भिन्न संबद्ध देशों से आयातों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की कोई तुलना नहीं की गई है, यद्यपि संचयी आकलन का दावा किया गया है।

घरेलू उद्योग के विचार

13.7 क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध संक्षेप में निम्नानुसार हैं:

- (क) विचाराधीन उत्पाद का संबद्ध देशों और वह देश जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है से पाटित कीमतों पर निर्यात किया जा रहा है।
- (ख) इन नए स्रोतों से भारी पाटन और यूरोप से निरंतर पाटन के कारण मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग को क्षति उठानी पड़ी है।
- (ग) संबद्ध देशों और वह देश जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है से आयातों में समग्र रूप से और भारत में कुल आयात उत्पादन और खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है।
- (घ) घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मूल्य और मात्रा, लाभ, निवेशों पर आय, नकद प्रवाह और बाजार हिस्सा की दृष्टि से विकृति आई है।
- (ङ) भारी मांग की मौजूदगी के बावजूद घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग ईष्टतम से कम रहा है।
- (च) पाटित आयात घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से काफी कम कीमतों पर किए जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तु की घरेलू कीमतों में कमी आई है।
- (छ) कीमत कटौती अलग-अलग और समग्र रूप से सकारात्मक रही है।
- (ज) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है।
- (झ) पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पर विचार करते हुए पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना जरूरी है।
- (ट) जहां तक इस आरोप का संबंध है, उन्होंने पेस्ट पी वी सी रेजिन का उत्पादन कम कर दिया है और इसकी बजाए पी वी सी सप्पेंशन रेजिन का उत्पादन

बढ़ाया है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि हितबद्ध पक्षकार इस बात से सहमत हैं कि पेस्ट पी वी सी रेजिन का निष्पादन पी वी सी सस्पेंशन रेजिन से खराब रहा है। यह बताया गया है कि पी वी सी पेस्ट रेजिन के प्रतिकूल निष्पादन का कारण बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी रहा है जिसकी वजह से वे बाजार में अपने उत्पाद की उचित कीमत प्राप्त करने की स्थिति में नहीं रहे हैं। इस प्रकार उन्होंने उस सीमा तक पी वी सी सस्पेंशन रेजिन के उत्पादन की पेस्ट सुविधाओं का उपयोग कर क्षति को कम किया है। जिस सीमा तक वह उनके पास उपलब्ध सीमित लोचशीलता के भीतर व्यवहार्य थी।

(३) यह उल्लेख किया गया है कि वे पी वी सी पेस्ट रेजिन और पी वी सी सस्पेंशन रेजिन के बीच पूर्णतः बदलाव करने की लोचशीलता नहीं रखते हैं और इस प्रकार की लोचशीलता काफी सीमित है। इसके अलावा, यह लोचशीलता बहुलकीकरण चरण पर होती है। जहां वे पी वी सी पेस्ट रेजिन और पी वी सी सस्पेंशन रेजिन के बीच सुविधाओं का अदल-बदल कर उपयोग कर सकते हैं। तथापि, उन्होंने इस प्रयोजनार्थ निर्णायक क्षमता हेतु ड्राइंग प्रचालन में अवरोध पर विचार किया है।

(४) चूंकि वार्षिक रिपोर्ट का उद्देश्य शेयरधारकों का पूर्ण अवलोकन प्रदान करना होता है, इसलिए इसका क्षेत्र न केवल कंपनी द्वारा विनिर्मित उत्पादों के निष्पादन तक सीमित होता है अपितु इसका विस्तार कच्ची सामग्री और अनुषंगी उत्पादों के निष्पादन तक विस्तारित होता है।

(५) पाटनरोधी जांच में विचाराधीन उत्पाद, उसकी कच्ची सामग्री और अनुषंगी उत्पादों के बीच अंतर और भेद किया जाता है। अतः वार्षिक रिपोर्टों में दिए गए विवरणों पर पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ उचित विचार करना होता है।

(६) अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने गलत ढंग से तथा किसी आधार के बिना यह अनुमान लगाया है कि उन्होंने मूल्यहास के कारण अति उच्च लागत को अपनाया है जिसकी मुख्य वजह यह है कि वार्षिक रिपोर्ट में मूल्य हास की लागत में वृद्धि (विभिन्न उत्पादों के वाणिज्यीकरण के कारण) हुई है।

(७) संयंत्रों के संबंध में वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत से पूर्व व्यय का पूंजीकरण कंपनी ने जी ए ए पी के अनुसार किया है। इस प्रकार हर हालत में न तो पूंजीगत व्यय और न ही शुरुआत में विलंब के कारण हुए व्यय को क्षति अवधि के दौराना विचाराधीन उत्पाद हेतु लाभ में प्रभारित किया जा सकता है।

(८) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज ने पेस्ट पी वी सी में लाभ कमाया है और उन्होंने प्राधिकारी के समक्ष पूर्ण तथ्य लाए बिना उनकी वार्षिक रिपोर्ट का हवाला दिया है। वस्तुस्थिति यह है कि फिनोलैक्स

इंडस्ट्रीज द्वारा मुख्यतः सस्पेंशन पी वी सी का उत्पादन किया जाता है न कि पेस्ट पी वी सी का । वस्तुतः पी वी सी के कुल 247, 000 मी.ट. के उत्पादन की तुलना में पी वी सी का पेस्ट पी वी सी का कुल उत्पादन 10,000 मी.ट. से कम रहा है ।

14. प्राधिकारी द्वारा जांच

- प्राधिकारी ने डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.4 और पाटनरोधी नियमावली में निहित सभी 15 आर्थिक कारकों और संकेतकों की जांच की है जैसा कि इस जांच परिणाम से देखा जा सकेगा ।
- प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान कच्ची सामग्री की कीमत में घटबढ़ को स्वीकार किया है और इस प्रकार उसने माहवार क्षति विश्लेषण किया है और तदनुसार क्षति मार्जिन का निर्धारण किया है ।
- पीवीसी पेस्ट रेजिन और पी वी सी सस्पेंशन रेजिन की क्षमताएं प्रतिस्थापनीय हैं : जहां तक पी वी सी पेस्ट और सस्पेंशन की क्षमता प्रतिस्थापनीय होने का संबंध है, घरेलू उद्योग ने यह स्वीकार किया है कि जहां तक वी सी एन के बहुलकीकरण की क्षमताओं का संबंध है, ये प्रतिस्थापनीय हैं । तथापि, जहां तक ड्राइंग प्रक्रिया का संबंध है, पी वी सी सस्पेंशन रेजिन और पी वी सी पेस्ट रेजिन की ड्राइंग प्रौद्योगिकी पूर्णतः अलग है और इसका प्रतिस्थापन नहीं किया जा सकता । घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि घरेलू उद्योग के पास अलग और पृथक ड्राइंग सुविधाएं पी वी सी सस्पेंशन रेजिन और पी वी सी पेस्ट रेजिन दोनों के लिए हैं । घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत और प्रबंधन द्वारा विधिवत सत्यापित तकनीकी आंकड़ों के आधार पर यह उल्लेख किया गया है कि घरेलू उद्योग के पास पी वी सी पेस्ट रेजिन की 34060 मी.ट. प्रति वर्ष तक की ड्राइंग क्षमताएं हैं । अतः पी वी सी पेस्ट के संबंध में ड्राइंग क्षमता सीमित कारक बन जाती है आपैर उसे वर्तमान विश्लेषण के प्रयोजनार्थ आधार माना गया है ।

पी वी सी पेस्ट रेजिन की स्थापित क्षमता के आधार पर घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग वर्ष 2005-06 में 90.34% से घटकर जांच अवधि में 68.32% हो गया । दूसरी ओर इसी अवधि के लिए पी वी सी सस्पेंशन रेजिन के संबंध में क्षमता उपयोग 98.22% से बढ़कर 127.17% हो गया ।

कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग ने जानबूझकर और स्वेच्छा से पी वी सी पेस्ट रेजिन के स्थान पर अधिक लाभकारी पी वी सी सस्पेंशन रेजिन की क्षमता स्थापित क्र । इस मुद्दे की जांच की गई है । इस संबंध में प्राधिकारी ने उत्पादन रिकॉर्डों और जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए पी वी सी पेस्ट रेजिन और पी वी सी सस्पेंशन रेजिन के लिए लाभप्रदता के रिकॉर्डों का विश्लेषण

किया है । यह नोट किया जाता है कि पी वी सी सस्पेंशन रेजिन और पी वी सी पेस्ट रेजिन दोनों में घरेलू उद्योग को हुए घाटे में वृद्धि हुई है । पी वी सी पेस्ट रेजिन से घरेलू उद्योग को हुई लाभप्रदता जांच अधिक के दौरान घटकर *** लाख रुपए हो गई जबकि 2005 में *** लाख रुपए का घाटा हुआ था । अतः विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के घाटे में लगभग *** गुना वृद्धि हुई है । दूसरी ओर सस्पेंशन रेजिन के कारण घरेलू उद्योग को घाटा *** लाख रुपए से बढ़कर *** लाख रुपए हो गया जिसमें *** गुना वृद्धि प्रदर्शित होती है । इस प्रकार कुछ हितबद्ध पक्षकारों के ये तर्क कि सस्पेंशन रेजिन का व्यापार अधिक लाभकारी था और इसलिए घरेलू उद्योग ने पी वी सी पेस्ट रेजिन के स्थान पर पी वी सी सस्पेंशन रेजिन का उत्पादन शुरू किया, निराधार है । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पी वी सी सस्पेंशन रेजिन और पी वी सी पेस्ट रेजिन के बीच क्षमताओं की प्रतिस्थापनीयता के कारण उत्पादन एवं क्षमता उपयोग के स्तर में परिवर्तन/गिरावट से ही घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण का आधार तैयार हुआ है । घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण में प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित संगत मापदंडों से निर्देशित हुए जिन पर इस जांच परिणाम में उचित स्थानों पर चर्चा की गई है ।

पी वी सी सस्पेंशन रेजिन की तुलना में पी वी सी पेस्ट रेजिन की लाभप्रदता के बीच किसी सह संबंध का विश्लेषण करने के लिए प्राधिकारी ने पी वी सी सस्पेंशन रेजिन और पी वी सी पेस्ट रेजिन, दोनों की लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और लाभप्रदता संरचना की भी जांच की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां पी वी सी सस्पेंशन रेजिन से घरेलू उद्योग की औसत बिक्री प्राप्ति पी वी सी पेस्ट रेजिन की बिक्री प्राप्ति की लगभग 83% थी वहीं पी वी सी सस्पेंशन रेजिन और पी वी सी पेस्ट रेजिन दोनों के लिए घरेलू उद्योग को हुआ घाटा लगभग एक समान 23% रहा था । पी वी सी सस्पेंशन और पी वी सी पेस्ट रेजिन दोनों के लिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के पुनः माहवार विश्लेषण से यह पता चलता है कि जांच अधिक के कुछ महीनों में निवल बिक्री प्राप्ति के % के रूप में पी वी सी सस्पेंशन रेजिन के लिए घरेलू उद्योग को हुआ घाटा पी वी सी पेस्ट रेजिन की तुलना में काफी अधिक था । अतः प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क से सहमत नहीं हैं कि घरेलू उद्योग ने जानबूझकर और स्वेच्छा से पी वी सी सस्पेंशन रेजिन के लिए उत्पादन सुविधाएं शुरू कीं (जो पी वी सी सस्पेंशन रेजिन और पी वी सी पेस्ट रेजिन के बीच प्रतिस्थापनीय हैं) और पी वी सी पेस्ट रेजिन के उत्पादन और क्षमता उपयोग में कमी जानबूझकर की गई थी और क्षति स्वयं सफूर्त थी ।

- उच्च मूल्यहास तथा मरम्मत एवं अनुरक्षण लागत: कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि जांच अधिक के लिए घरेलू उद्योग के मूल्यहास तथा मरम्मत एवं अनुरक्षण पर हुए व्यय में असामान्य वृद्धि हुई है । इसे घरेलू उद्योग को हुए घाटे का एक कारण माना गया है । प्राधिकारी ने इस मुद्दे की जांच की है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान

जांच एक उत्पाद विशेष अर्थात् पी वी सी पेस्ट रेजिन से संबंधित है। आवेदक कंपनी एक बहु उत्पाद तथा बहु इकाई कंपनी है और कंपनी के तुलनपत्र में न केवल विचाराधीन उत्पाद अपितु कंपनी के अन्य कार्यकलापों के लिए वास्तविक लागत और लाभप्रदता दर्शायी गई है। जहां तक जांच अवधि के लिए कंपनी के व्यय का संबंध है, वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ केवल विचाराधीन उत्पाद से संगत व्यय ही महत्वपूर्ण है। घरेलू उद्योग द्वारा रखे गए लेखा परीक्षित खातों और लागत रिकॉर्ड्स के आधार पर प्राधिकारी ने मूल्यहास तथा मरम्मत एवं अनुरक्षण शीर्ष के अंतर्गत व्यय में कोई असामान्य वृद्धि नोट नहीं की है। इसके अलावा, व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में घरेलू उद्योग द्वारा वास्तव में किए गए व्यय पर ही क्षति के विश्लेषण और घरेलू उद्योग क्षति रहित बिक्री कीमत के निर्धारण हेतु विचार किया गया है।

● कच्ची सामग्री की कीमत में उतार-चढ़ाव के कारण घाटा : कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग के लेखा परीक्षित लेखों के अनुसार उसे कच्ची सामग्री के कारण घाटा हुआ है जिसकी उसने खरीद असामान्य नीति से उच्च कीमत पर की थी। अतः जिस सीमा तक घरेलू उद्योग को घाटा हुआ है, उस सीमा तक उसका कारण पाटन नहीं माना जा सकता। घरेलू उद्योग की सूचना के सत्यापन के दौरान कंपनी से लेखा परीक्षित लेखों का पूर्ण मिलान विभिन्न कार्यकलापों के लिए उत्पादन लागत के साथ करने का अनुरोध किया गया था। वित्तीय लेखों और लागत लेखों के आधार पर लाभप्रदता से संबंधित आंकड़ों के मिलान के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि कच्ची सामग्री, जिसे उच्च कीमतों पर खरीदा गया था, के कारण याचिकाकर्ता कंपनी को *** लाख रुपए का घाटा हुआ था। यह स्पष्ट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को हुआ घाटा असामान्य और अनावर्ती स्वरूप का होने के कारण उसे वर्तमान जांच हेतु घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निकालने के प्रयोजनार्थ उत्पादन लागत का भाग नहीं माना गया है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को हुए घाटे सहित घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के मामले में उपर्युक्तानुसार असामान्य और अनावृति घाटे को अलग रखा गया है।

● मै. फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज का अति सामान्य लाभ: तहां तक कुछ हितबद्ध पक्षकारों के इन दावों का संबंध है कि संबद्ध वस्तु के उत्पादकों में से एक उत्पादक मै. फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज को तथाकथित पाटन के कारण कोई क्षति नहीं हुई है, बल्कि उसे अति सामान्य लाभ हुआ है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी को इन दावों के समर्थन में कोई उत्ताप्त व्यवहार नहीं किया गया है। आगे यह उल्लेख किया जाता है कि मै. फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज से वर्तमान जांच के लिए प्रासंगिक अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था, परंतु मै. फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज ने इस बारे में कोई सामग्री प्रस्तुत नहीं की है। तथापि, मै. फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिए प्रकाशित रिकॉर्ड्स के आधार पर लाधिकारी नोट करते हैं कि मै. फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज भी एक बहु उत्पाद कंपनी है, जिसके कई कार्यकलाप हैं। अतः वर्तमान मामले में संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण मै. फिनोलैक्स इंडस्ट्रीज को हुए लाभ अथवा क्षति, यदि कोई हो, के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

● जांच की समान अवधि और समान विनिर्देश के लिए समान उत्पाद हेतु अलग-अलग क्षति रहित कीमत: कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह आरोप लगाया है कि जांच की समान

अवधि और जहां घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व समान विनिर्माता ने किया था, के लिए समान उत्पाद हेतु प्राधिकारी ने अलग-अलग क्षति रहित बिक्री कीमत अपनाई है। इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के आरोपों का सत्यापन किया गया है जिन्हें निराधार पाया गया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने समान उत्पाद के लिए अलग-अलग क्षति रहित कीमत अनाई है। जहां जांच की अवधि और विनिर्माता एक समान पाए गए हैं।

- **संयंत्र की शुरूआत में विलंब के कारण घाटा** : कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग को अपने कुछ संयंत्रों की शुरूआत में विलंब के कारण घाटा हुआ है। जैसा कि इस जांच परिणाम में उल्लेख किया गया है, वर्तमान जांच विचाराधीन उत्पाद अर्थात् पी वी सी पेस्ट रेजिन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति तक सीमित है। विभिन्न स्थानों पर और विचाराधीन उत्पाद से इतर कार्यकलापों के लिए कंपनी के कुछ संयंत्रों की शुरूआत में हुआ विलंब वर्तमान जांच के लिए प्रासंगिक नहीं है। अतः इस प्रकार के किसी घाटे का वर्तमान जांच पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- **घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत**: मैं हन्हवा कैमिकल कार्पोरेशन ने अपने अनुरोधों में लागत के विभिन्न घटकों के लिए प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर घरेलू उद्योग हेतु उत्पादन लागत के संबंध में उद्धरण प्रस्तुत किए हैं। यह उल्लेखनीय है कि जहां तक घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का संबंध है, घरेलू उद्योग के लागत लेखा आंकड़े और वित्तीय रिकॉर्ड भी प्रासंगिक हैं। प्राधिकारी ने लागत लेखा रिकार्डों तथा सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा विधिवत् रखे गए वित्तीय रिकॉर्डों से सत्यापित घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर ही विचार किया गया है। ऊपर किए गए उल्लेखानुसार प्राधिकारी ने व्यय के किसी अनावर्ती अथवा असाधारण घटक को दूर करने के लिए लागत रिकॉर्डों का मिलान वित्तीय रिकॉर्डों के साथ भी किया है।
- **क्लोरीन की लागत**: कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि जहां तक घरेलू उद्योग का संबंध है, क्लोरीन पी वी सी के विनिर्माण हेतु आधारभूत कच्ची सामग्री है जिसमें प्रमुख फीड स्टॉक के रूप में विनायल क्लोरीन मोनोमर का उपयोग होता है। क्लोरीन का उपयोग ई डी सी बनाने में होता है जिसे वी सी एम बनाने के लिए आगे प्रसंसकृत किया जाता है। कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने आगे यह दावा किया है कि कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि का बहाना करते हुए याचिकाकर्ताओं के क्षति का दावा अस्वीकार्य है क्योंकि भारत में क्लोरीन की लागत विश्व में सबसे कम है। अतः यह आशा व्यक्त की गई कि क्लोरीन से जुड़ी लागत पर विस्तार से गौर किया जाए। इस संबंध में प्राधिकारी ने पी वी सी पेस्ट रेजिन के विनिर्माण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई पद्धति/प्रक्रिया की जांच की है।

घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित बिक्री कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा रखे गए और कार्यरत लागत लेखा/सनदी लेखाकार द्वारा विधिवत् सत्यापित लागत एवं वित्तीय रिकॉर्डों पर भरोसा किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पी वी सी पेस्ट अर्थात् एथली डी क्लोरोएल के विनिर्माण हेतु फीड स्टॉक की खरीद घरेलू उद्योग द्वारा विभिन्न स्रोतों से की जाती है। घरेलू उद्योग की क्षति रहित बिक्री कीमत निकालते समय प्राधिकारी ने विभिन्न स्रोतों से कच्ची सामग्री की भारित औसत लागत को

अपनाया है । अतः लागत में गड्बड़ी के बारे में हितबद्ध पक्षकार द्वारा व्यक्त शंका/संदेह पूर्णतः निराधार और तथ्यरहित पाया गया है ।

- क्षति अवधि के दौरान कोरिया गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत निम्नानुसार रही है:

2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
49,531	54,099	50,843	53,598

यह देखा गया है कि कोरिया गण. से आयातों की पहुंच कीमत में 2005-06 की अवधि की तुलना में 2006-07 में वृद्धि हुई है, परंतु 2007-08 की अवधि में गिरावट आई है । 2008-09 में यद्यपि आयात कीमतों में वृद्धि हुई है परंतु यह वृद्धि 2006-07 के स्तरों से कम रही है । तथापि, पहुंच कीमतों क्षति रहित कीमत से काफी कम रही है ।

- यद्यपि, यह कहना सही है कि घरेलू कीमतों में वृद्धि हुई है तथापि, घरेलू कीमतों और कच्ची सामग्री की कीमतों के बीच कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है । यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तु की कीमतों में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों तथा यूरोपीय संघ से भारतीय बाजार में पारित वस्तुओं की मौजूदगी के कारण घाटा होना जारी रहा है ।
- प्राधिकारी ने नोट किया है कि उत्पादन लागत में वृद्धि प्राथमिक रूप से कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई ।
- प्राधिकारी को घरेलू उद्योग का यह दावा अधार युक्त लगता है कि वे उत्पादन लागत में हुई वृद्धि को उपभोक्ताओं तक हस्तांतरित करने में सक्षम नहीं रहे हैं क्योंकि ई यू के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क संदर्भ कीमत आधार पर लगाया गया था और यह कि सदर्भ कीमत उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण कभी भी प्रभावी नहीं रही थी जो बाद में निविष्टियों की कीमतों में वृद्धि के कारण बढ़ गई थी । अतः ई यू के विरुद्ध शुल्क लागू होने के बावजूद संबद्ध वस्तुओं का भारत में पारित कीमतों पर आना जारी रहा था ।
- यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग एकत्र उत्पाद करनी नहीं है और उसने उसके द्वारा विनिर्मित भिन्न उत्पादों की बाजार संभावना को ध्यान में रखते हुए निवेश किए हैं ।
- यह देखा गया है कि संबंधित उत्पाद के उपभोक्ताओं का एक ही समूह घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद का प्रयोग कर रहा है । ये दोनों समान बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं ।

15. इसके अलावा, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अन्य अनुरोधों पर विधिवत् विचार किया है और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानून पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निम्नानुसार विश्लेषण किया है :

संचयी आकलन

16. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥ पैरा (iii) में यह व्यवस्था है कि यदि एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच ली जा रही है तो प्राधिकारी के लिए उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित पाटन का मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में वयक्त 2% से अधिक हो और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात का 3% (या अधिक) हो या जहां अलग-अलग देशों के निर्यात 3% से कम हों वहां ये आयात संचयी रूप से समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक हों ।

ख. आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित हो ।

17. प्राधिकारी यह अवलोकन करते हैं कि:-

- संबद्ध वस्तुओं का भारत में अनेक देशों से पाटन किया जा रहा है ।
- संबद्ध देशों में से प्रत्येक का पाटन मार्जिन निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक है;
- जापान को छोड़कर प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक रही है; अतः जापान से संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित जांच समाप्त की जाती है ।
- आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन किया जाना उचित है क्योंकि संबद्ध देशों से होने वाले निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की जाने वाली समान वस्तु के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं जैसा कि निम्नलिखित से स्पष्ट है:-

क. संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पाद में परस्पर और आवेदक द्वारा विनिर्मित उत्पादों वा तुलना में तुलनीय विशेषताएँ हैं । दूसरे शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुएं परस्पर समान वस्तुएं हैं ।

ख ऐसे साझे पक्षकार हैं जो विभिन्न लोतों से आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु का उपयोग कर रहे हैं । आयातित और घरेलू संबद्ध वस्तु दोनों का प्रयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है और घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा है तथा आयातित उत्पादों के बीच भी प्रतिस्पर्धा है ।

ग. संबद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने समान अवधियों में इस उत्पाद की बिक्री उपभोक्ताओं के समान समूहों को की है क। बिक्री शृंखलाएं तुलनीय हैं ।

घ. संबद्ध देशों में से प्रत्येक के आयातों की मात्रा काफी अधिक है ।

18. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के निर्यातों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी आकलन किया जाना उचित होगा ।

19. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥ में इन दोनों की वस्तुनिष्ठ जांच की व्यवस्था है कि (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव ; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।"

20. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, संहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव,

मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का भूल्यांकन शामिल होगा ।"

मांग और बाजार हिस्सा

20.1 संबद्ध वस्तु की घरेलू खपत/मांग के आकलन के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादक की बिक्री मात्रा को भारत में कुल आयातों में जोड़ा गया है जिसका सारांश निम्नानुसार है :-

मांग	मी.ट.	38,430	38,516	39,114	49,513
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	30,733	29,184	27,664	23,269
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	3,195	4,891	5,402	5,997
संबद्ध देश - आयात	मी.ट.	2,579	2,771	5,657	16,246
देश जिन पर शुल्क लागू हैं-आयात	मी.ट.	840	891	271	2,986
अन्य देश-आयात	मी.ट.	1,084	778	120	1,016

20.2 प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग एक सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में इसमें भारी वृद्धि हुई है । आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में लगभग 28.83 % की वृद्धि हुई है ।

आयात मात्राएं और बाजार हिस्सा

20.3 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में यह व्यवस्था है कि "पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन अथवा खपत के दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है । इस प्रकार पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है ।

20.4 डी जी सी आई एंड एस और आई बी आई एस के आंकड़ों में बताई गई आयातों की मात्रा में भारी अंतर को देखते हुए प्राधिकारी ने इन दोनों स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों में बताए गए एच एस कोड वार आयातों की तुलना की है । निम्नांकित तालिका इन दोनों स्रोतों से प्राप्त आयातों के आंकड़ों में अंतर को दर्शाती है । यह नोट किया जाता है

कि संबद्ध वस्तु के आयात अनेक वर्गीकरणों के अंतर्गत किए गए हैं । आई बी आई एस के आंकड़ों में यथासूचित विचाराधीन उत्पाद के आयात उस मात्रा से काफी अधिक हैं जो डी जी सी आई एड के आंकड़ों में बताई गई है और इसलिए आयातों की मात्रा का आकलन आई बी आई एस के आंकड़ों के आधार पर किया गया है ।

देश	एचएस कोड	डीजीसीआईएडएस	आईबीआईएस	अंतर
चीन जन.गण.	39042110	-	811	(811)
	39042190	-	300	(300)
	39042210	229	333	(104)
	39042290	-	100	(100)
	योग	229	1,544	(1,315)
कोरिया गण.	39041090	-	598	(598)
	39042110	-	7,072	(7,072)
	39042190	-	178	(178)
	39042210	2,074	463	1,611
	39042290	-	28	(28)
	39049000	-	70	(70)
	योग	2,074	8,409	(6,335)
मलेशिया	39042210	474	-	474
	39013000	-	100	(100)
	39041010	-	575	(575)
	39042110	-	850	(850)
	योग	474	1,525	(1,051)
रूस	39042110	-	324	(324)
	39042210	432	396	36
	39042290	-	18	(18)
	योग	432	738	(306)
ताइवान	39042110	-	2,500	(2,500)
	39042210	379	471	(92)
	39049000	-	21	(21)
	योग	379	2,992	(2,613)
थाइलैंड	39041090	-	29	(29)
	39042110	-	628	(628)
	39042210	293	336	(43)
	39042290	-	98	(98)
	39049000	-	168	(168)
	योग	293	1,259	(966)

20.5 प्राधिकारी नोट करते हैं कि:-

क) संबद्ध देशों से हुए आयातों में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि आयातों में यह वृद्धि संबद्ध देशों से प्रत्येक के मामले में हुई है।

आयात	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
चीन	मी.ट.	1	-	72	1,544
कोरिया गण	मी.ट.	1,092	946	2,386	8,404
मलेशिया	मी.ट.	144	-	60	1,525
रूस	मी.ट.	162	108	504	522
ताइवान	मी.ट.	620	1,228	2,021	2,992
थाइलैंड	मी.ट.	560	490	614	1,259
आयातक-कुल संबद्ध देश	मी.ट.	2,579	2,771	5,657	16,246
आयातक-देश जिन पर शुल्क लागू हैं	मी.ट.	840	891	271	2,986
आयातक - अन्य देश	मी.ट.	1,084	778	120	1,016
कुल आयातक	मी.ट.	4,502	4,440	6,048	20,247

ख) संबद्ध देशों से हुए आयातों में आधार वर्ष की तुलना में भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है।

मांग में बाजार हिस्सा		2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
घरेलू उद्योग	%	79.97%	75.77%	70.73%	47.00%
अन्य भारतीय उत्पादक	%	8.31%	12.70%	13.81%	12.11%
संबद्ध देश - आयातक					
चीन	%	0.00%	0.00%	0.18%	3.12%

कोरिया गण.	%	2.84%	2.46%	6.10%	16.97%
मलेशिया	%	0.37%	0.00%	0.15%	3.08%
रूस	%	0.42%	0.28%	1.29%	1.05%
ताइवान	%	1.61%	3.19%	5.17%	6.04%
थाइलैंड	%	1.46%	1.27%	1.57%	2.54%
कुल - संबद्ध देश	%	6.71%	7.20%	14.46%	32.81%
देश जिस पर शुल्क लागू है-आयातक	%	2.18%	2.31%	0.69%	6.03%
अन्य देश-आयातक	%	2.82%	2.02%	0.31%	2.05%

ग) जैसा कि निम्नांकित तालिका में दर्शाया गया है, यद्यपि संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है परंतु घरेलू उद्योग के हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में गिरावट आई है ।

% के रूप में मांग में बाजार हिस्सा	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
संबद्ध देशों का हिस्सा	%	6.71%	7.20%	14.46%	32.81%
क्षेत्र जिस पर शुल्क लागू है-ई यू	%	2.18%	2.31%	0.69%	6.03%
अन्य देश	%	2.82%	2.02%	0.31%	2.05%
घरेलू उद्योग	%	79.97%	75.77%	70.73%	47.00%
अन्य घरेलू उत्पादक	%	8.31%	12.70%	13.81%	12.11%

20.6 उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

ए. क्षेत्र अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है ।

ब. संबद्ध देशों से हुए आयातों में जांच अवधि में कुल आयातों, भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है ।

ग. आयातों में इस वृद्धि के परिणामस्वरूप जांच अवधि में घरेलू उद्योग के हिस्से में भारी गिरावट आई है ।

आयातों का कीमत प्रभाव

21 कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में महत्वपूर्ण सीमा तक कभी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में बढ़ गई होती। कीमत कटौती की मात्रा का आकलन करने की दृष्टि से प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की है। सभी छूटों और करों को घटाने के बाद निवल बिक्री प्राप्ति ज्ञान की गई थी।

21.1 प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से कीमत कटौती का निर्धारण भी पूर्ण रूप से संचयी तौर पर किया है जो निम्नानुसार है :-

	पहुंच मूल्य (रु./मी.ट.)	कीमत कटौती (रु./मी.ट.)	कम कीमत पर बिक्री (%)
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	60,132		
देश			
● चीन जन.गण.	60,654	***	(नकारात्मक)
● कारिया गण.	53,594	***	10-15%
● मलेशिया	55,393	***	10-15%
● रूस	51,921	***	10-15%
● ताइवान	58,657	***	0-5%
● थाइलैंड	60,019	***	0-5%
कुल संबद्ध देश	55,811		5-10%

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
औसत पहुंच आयत कीमत	रु./मी.ट.	54,579	51,951	49,563	55,811
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री राशि	रु./मी.ट.	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री %	रु./मी.ट.	नकारात्मक	0-5%	10-15%	5-10%

21.2 उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

क. संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत समग्र रूप से घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रही थी जिसके परिणामस्वरूप भारी कीमत कटौती हुई ।

ख चीन जन.गण. और जापान से कीमत कटौती मामूली रूप से ऋणात्मक रही है परंतु आयातों की पहुंच कीमत क्षटि रहित कीमत से काफी कम रही है । घरेलू उद्योग का कम कीमत पर लिंग्री करनी पड़ रही है ।

ग विभिन्न स्रोतों से आयातों की पहुंच कीमत वर्ष 2005-06 तक घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से अधिक रही थी । तथापि, यद्यपि, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत में तत्पश्चात वृद्धि हुई, परंतु आयातों की पहुंच कीमत में 2006-07 और 07-08 में गिरावट आई । जांच अवधि में यद्यपि, आयातों की पहुंच कीमत में वृद्धि हुई, परंतु यह अब भी घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से काफी कम है ।

कीमत हास/कीमत न्यूनीकरण

21.2 इस बात का आकलन करने के लिए कि क्या संबद्ध देश से हुए आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का हास/न्यूनीकरण कर रहे थे, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और निवल बिक्री कीमत की तुलना क्षति अवधि के दौरान आयातों की औसत पहुंच कीमत के साथ की है जो निम्नानुसार है:-

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
उत्पादन की लागत	रु./सी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	122	135
निवल बिक्री कीमत	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	108	116
लाभ/हानि	रु./मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(171)	(352)	(442)
संबद्ध आयातक देशों की औसत पहुंच कीमत	रु./मी.ट.	54,579	51,951	49,563	55,811
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	91	102

21.3 प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत और निवल बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई है, परंतु निवल बिक्री कीमत में हुई वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से काफी कम रही थी। इस प्रकार, स्पष्ट रूप से आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का भारी न्यूनीकरण कर रहे हैं।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

21.4 पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अधिकृत है कि क्षति के निर्धारण में समान वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली में आगे यह व्यवस्था है कि घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों जिनमें बिक्री लाभों, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेशों पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट शामिल होगी; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारंक, पट्टन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूँजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

21.5 घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति संबंधी विभिन्न मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है:-

उत्पादन, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग

21.6 घरेलू उद्योग का उत्पादन, घरेलू बिक्रियां, क्षमता और क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहा है:

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
क्षमता	मी.ट.	34,080	34,080	34,080	34,080
उत्पादन	मी.ट.	30,789	29,117	27,584	23,249
क्षमता उपयोग	%	90.34%	85.44%	80.94%	68.22%
घरेलू बिक्री	मी.ट.	30,733	29,184	27,664	23,269
मांग	मी.ट.	38,430	38,516	39,114	49,513
मांग में % के रूप में घरेलू उद्योग की बिक्री	%	79.97%	75.77%	70.73%	47.00%

21.7 यह देखा जाता है कि:

(क) घरेलू उद्योग ने संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान क्षमताओं के समान स्तर को बनाए रखा है।

(ख) घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री में क्षति अवधि के दौरान समग्र रूप से निरंतर गिरावट आई है और यह गिरावट काफी अधिक रही है ।

(ग) घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रीयों में भारत में संबद्ध वस्तु की मांग/खपत की दृष्टि से गिरावट आई है ।

(घ) घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्रीयों में भारत में इस उत्पाद की मांग में हुई वृद्धि की गति के अनुसार वृद्धि होनी चाहिए थी । स्पष्टतः इस उत्पाद के पाठन के कारण इन मापदंडों में गिरावट आई है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग अपनी क्षमता की सीमा तक या मांग में हुई वृद्धि के अनुसार अपने उत्पादन में सुधार करने में सक्षम नहीं रहा है ।

(ङ) घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्रीयों में भारत में संबद्ध वस्तु की मांग की दृष्टि से भारी गिरावट आई है । घरेलू उद्योग अपनी उत्पादन क्षमताओं का उपयोग करने में सक्षम नहीं रहा है ।

लाभप्रदता

21.8 घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति और लाभ/हानि निम्नानुसार देखी गई हैं :-

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
उत्पादन की लागत	रु./भी.ट.	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./भी.ट.	***	***	***	***
लाभ/हानि	रु./भी.ट.	***	***	***	***
घरेलू उद्योग पर पी बी टी	लाख रुपए	***	***	***	***
घरेलू बिक्री पर पी बी आई टी	लाख रुपए	***	***	***	***

21.9 यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में क्षति अवधि के दौरान विकृति आई है और घरेलू उद्योग भारी वित्तीय घाटे उठा रहा है । प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत और बिक्री कीमतों की प्रवृत्ति पर विचार करते हुए लाभप्रदता की जांच की है । यह नोट किया जाता है कि संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई है; परंतु जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में हुई वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि की तुलना में

काफी कम रही है। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता जांच अवधि के दौरान बुरी तरह प्रभावित हुई है।

21.19 घरेलू उद्योग द्वारा उठाए जा रहे निरंतर घाटे को ध्यान में रखते हुए जिनमें वर्तमान जांच अवधि के दौरान और वृद्धि हुई है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उठाए जा रहे निरंतर वित्तीय घाटों के कारणों की विशेष रूप से तब जांच की है जब ई यू से आयातों पर पहले पाटनरोधी शुल्क लागू रहा था। यह नोट किया जाता है कि ई यू से आयातों के संबंध में लागू पूर्ववर्ती पाटनरोधी शुल्क बैंचमार्क कीमत के रूप में रहा था। यह भी नोट किया जाता है कि ई यू से आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत पाटनरोधी शुल्क बैंचमार्क की तुलना में काफी अधिक रही है। इस प्रकार आयातों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए था। इस बीच अन्य बातों के साथ-साथ संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत बढ़ने से पाटनरोधी शुल्क नाकाफी हो गया है।

21.11 यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2005-06 के अपवाद को छोड़कर संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रही है। भारी कीमत कटौती की मौजूदगी के कारण घरेलू उद्योग ऐसी कीमत प्रभारित नहीं कर पाया है जिससे उसकी उत्पादन लागत की तर्कसंगत वसूली हो पाती। यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि लागतों में संपूर्ण जांच अवधि में वृद्धि हुई है और यद्यपि बिक्री कीमत में भी वृद्धि हुई है; परंतु बिक्री कीमतों में हुई वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से काफी कम रही थी।

21.12 प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के इस दावे में सच्चाई दिखाई देती है कि शुल्क लगाए जाने वाले क्षेत्र और संबद्ध देशों से इस उत्पाद के लगातार पाटन के कारण संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा वित्तीय घाटा उठाया जाना जारी है।

बाजार हिस्सा

21.13 घरेलू उत्पादकों की बिक्रियों और संबद्ध देशों तथा उस क्षेत्र जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से आयातों की तुलना से यह प्रदर्शित होता है कि यद्यपि संबद्ध वस्तु की मांग में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है परंतु संबद्ध देशों और उस क्षेत्र जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, के हिस्से में वृद्धि के साथ घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है।

21.14 यह नोट किया जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है, तथापि संबद्ध आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में उत्पादन और बिक्री मात्राओं में आई गिरावट के परिणामस्वरूप गिरावट आई है।

रोजगार मजदूरी और उत्पादकता

21.15 रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में स्थिति निम्नानुसार रही है:

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट./दिन	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***

21.16 प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उत्पादन में गिरावट के साथ गिरावट आई है। उत्पादकता में गिरावट के परिणामस्वरूप अंततः घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई है। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है और इसलिए घरेलू उद्योग का रोजगार और प्रदत्त मजदूरी वर्तमान भामले में क्षति का मूल्यांकन करने के लिए सही मापदंड नहीं हो सकता है।

निवेश पर आय और नकद प्रवाह

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
आरओआई जीएफए आधार	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(203)	(340)	(363)
आरओआई एनएफए आधार	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(219)	(358)	(400)
नकद प्रवाह	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(50)	(601)	(421)

21.17 प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवेश पर आय और नकद प्रवाह की स्थिति काफी खराब हुई है। समूची क्षति अवधि में दोनों मापदंड ऋणात्मक बने रहे।

मालसूची

21.18 मालसूचियों से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार दर्शाते हैं:-

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (जांच अवधि)
औसत मालसूची	मी.ट.	***	***	***	***

21.19 यह देखा जाता है कि औसत मालसूची में कमी आई है परंतु घरेलू उद्योग द्वारा यह दावा किया गया है कि यह गिरावट घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन घटाए जाने के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आई है ।

पाटन मार्जिन

21.20 यह देखा गया है कि कोरिया गण. और ताइवान के सहयोगी प्रतिवादियों को छोड़कर प्रत्येक संबद्ध देश के बारे में पाटन मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक है ।

वृद्धि

21.21 प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की आयात मात्राओं में भारी वृद्धि देखी गई है; परंतु बिक्री, उत्पादन और क्षमता उपयोग की दृष्टि से घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही है । क्षति अवधि के दौरान नकद प्रवाह, लाभ और निवेश पर आय में वृद्धि भी नकारात्मक रही है ।

निधियां जुटाने की क्षमता

21.22 यह नोट किया जाता है कि देश में संबद्ध वस्तु की पर्याप्त मांग होने के बावजूद घरेलू उद्योग इस उत्पाद के संबंध में लगातार प्रतिकूल कार्य निष्पादन के कारण अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने में सक्षम नहीं रहा है । इसके अलावा, आवेदक को संबद्ध देशों और उस क्षेत्र जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण भारी वित्तीय घाटे होना जारी है ।

ट. कारणात्मक संबंध

22. कोई कारणात्मक संबंध नहीं: मै. हैंकल टैरोजल लिमिटेड ने घरेलू उद्योग के वित्तीय विवरणों पर भरोसा किया है और यह तर्क दिया है कि वैश्विक आर्थिक संकट, पैट्रोलियम तथा पेंट्रोरसायन की कीमतों में अत्यधिक घट-बढ़, तैयार चर्म वस्त्र के सस्ते आयात, आटोमोबाइल तथा खुदरा घरेलू खंड आदि में मंदी जैसे कारक उसके खराब निष्पादन की वजह रहे थे । यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2009-10 के अपने वित्तीय विवरणों में यह उत्त्लेख किया है कि चालू वर्ष तथा पूर्ववर्ती वर्ष (जांच अवधि) के लिए कंपनी को घाटा हुआ है और ये वर्ष प्रचालन के पिछले 39 वर्षों में घाटे वाले वर्ष रहे हैं तथा घरेलू उद्योग का यह मानना है कि कंपनी का आने वाला समय बेहतर है और इस प्रकार यह तर्क दिया गया है कि

पाटनरोधी शुल्क लगाने की कोई जरूरत नहीं है और जांच को तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए।

22.1 मै. हन्हवा कैमिक कार्पोरेशन ने तर्क दिया है कि कोई करणात्मक संबंध नहीं है—समस्त अन्य ज्ञा कारकों पर विचार किया जाना चाहिए। यह तर्क दिया गया है कि मै. कैमप्लास्ट सनमार लिमिटेड का मैतूर में संयंत्र है जो अलग-अलग बैचों में पी वी सी पेस्ट रेजिन तथा पी वी सी सस्पेंशन रेजिन, दोनों का उत्पादन करता है और कुड्डालोर स्थित नया संयंत्र पी वी सी सस्पेंशन रेजिन पर केन्द्रि है।

23. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर किसी अन्य ज्ञात कारक की जांच करना अपेक्षित होता है जो उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहा हो ताकि इन अन्य कारकों के कारण हुई क्षति के लिए पाटित आयातों को जिम्मेदार न ठहराया जाए। इस संबंध में संगत कारकों में अन्य बातों के साथ-साथ पाटित कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतें मांग में संकुचन या खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन तथा उत्पादकता शामिल हैं। इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध इन अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है:-

निर्यातों, घरेलू उद्योग के लिए बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत का माहवार विश्लेषण

23.1 कई हितबद्ध पक्षकारों ने निर्यातों, घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत और उसे हुई क्षति के माहवार विश्लेषण का अनुरोध किया है। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा, कीमतों पर उसके प्रभाव और घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कीमत कटौती तथा अन्य मापदंडों का माहवार विश्लेषण किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जुलाई, 2008 और अगस्त, 2008 के दौरान संबद्ध देशों से हुए निर्यात की मात्रा में अचानक वृद्धि हुई है। दूसरी ओर इन दोनों महीनों में संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। तथापि, इससे आगामी महीनों में घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति पर गंभीर प्रभाव पड़ा। अक्टूबर, 2008 के महीने में घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में ***% तक की गिरावट आई जबकि अगस्त, 2008 में हुई बिक्री प्राप्ति की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में आगे और ***% तक की गिरावट आई। इसके अलावा, नवंबर, 2008 तक संबद्ध देशों के आयातों के पहुंच मूल्य में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ। समूची जांच अवधि के दौरान सितंबर और अक्टूबर, 2008 के महीनों को छोड़कर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण कीमत में भारी कटौती हुई। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, ऐसा पूर्ववर्ती महीनों में जिनमें

पहुंच मूल्य में कोई तदनुरूपी परिवर्तन नहीं हुआ था, घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में गिरावट के कारण हुआ है । घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत तथा क्षति रहित कीमत के आगे विश्लेषण से यह पता चलता है कि समूची जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु की उचित बिक्री कीमत की प्राप्ति नहीं कर सका । अक्टूबर, 2008 में प्रमुख कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत में कमी के कारण घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में आई गिरावट के बावजूद घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से हुए आयातों के साथ मात्र प्रतिस्पर्धा कर सका । तथापि, नवंबर, 2008 से आयातों के पहुंच मूल्य में आई भारी गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को पुनः वास्तविक क्षति हुई और वह संबद्ध वस्तु की उचित बिक्री कीमत प्राप्त नहीं कर सका ।

23.2 इसके अलावा, यह पाया गया था कि:

- क. तीसरे देशों से आयातों की माप और कीमत :- प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू को छोड़कर तीसरे देशों से हुए आयात या तो उच्च कीमत पर हुए थे या उनकी मात्रा न्यूनतम सीमा से कम रही है । ई यू से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पहले से पाटनरोधी शुल्क लागू है अतः तीसरे देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है ।
- ख. मांग में संकुचन और खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन :- यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 28.83% की वृद्धि हुई है । खपत की प्रवृत्ति में भी किसी परिवर्तन का कोई संकेत नहीं मिलता है ।
- ग. व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा:- संबद्ध वस्तु के आयातों को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं किया गया है और ये देश में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं । घरेलू उत्पादक एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं और इसी के साथ संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमतों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं । घरेलू उद्योग की कीमत संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत द्वारा पर्याप्ततः प्रभावित होती है । इसके अलावा, किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा इस बात का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों में कोई परिवर्तन हुआ है ।
- घ. प्रौद्योगिकी में विकास :- किसी भी पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में विकास के घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण होने के संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है । प्रौद्योगिकी में किसी महत्वपूर्ण विकास के संबंध में कोई सूचना रिकॉर्ड में नहीं है जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का प्रमुख कारण हो सकती हो ।

डिजिटल निर्णयात्मक निष्पादन : संबद्ध वस्तु के लिए निर्णय नहीं हुए हैं। इस प्रकार प्राधिकारी ने घरेलू प्रबलनों के संबंध में केवल लाभप्रदता और कीमत संबंधी अन्य मापदंडों पर विचार किया है।

च. उत्पादकता :- यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में गिरावट प्रदर्शित हुई है। जबकि घरेलू उद्योग तो अक्षयरक्षण लिया है कि उत्पादकता में यह गिरावट पाटन के कारण उत्पादन में आई गिरावट के बलते हुई थी और इस क्षति को पृथक किया जाना अपेक्षित नहीं है। प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या यदि घरेलू उद्योग की उत्पादकता समान रहती तो घरेलू उद्योग से विवादित सूचना में क्षति दर्शायी जाती है। इस प्रयोजनार्थ उत्पादकता को आधार वर्ष के समान स्तर पर रखकर विचार करते हुए उत्पादन लागत को निम्नतर ढंग से समायोजित किया गया था और तत्पश्चात लाभप्रदता की पुनः गणना की गई थी। यह नोट किया गया था कि लाभप्रदता, नकद लाभों और निवेश पर आय से तब भी भासी गिरावट प्रदर्शित होगी। इस प्रकार यह पाया गया था कि उत्पादकता में गिरावट से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, नकद लाभ और निवेश पर आय पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है।

23.3 प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति प्रदर्शित नहीं होती है परंतु निम्नलिखित कारक यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

(क)	विचाराधीन उत्पाद के आयातों में भारी वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने अपना बाजार हिस्सा गंवा दिया है।
(ख)	घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादन लागत से कम कीमत पर भारत में पाटित आयातित संबद्ध वस्तु की मौजूदगी के कारण अपनी दिक्री मात्राएँ गंवा थी हैं। इस प्रकार संबद्ध देशों से पाटित आयातों के ग्रत्यक्ष परिणामस्वरूप दिक्री मात्राओं में गिरावट आई है।
(ग)	संबद्ध देशों से समग्र रूप से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हुई है।
(घ)	आयातों से घरेलू कीमतों में भारी हास्त हुआ है। घरेलू उद्योग कम कीमत वाली आयातित वस्तुओं की मौजूदगी के कारण अपनी उत्पादन लागतों में हुई वृद्धि के अनुक्रम में अपनी कीमतों में वृद्धि नहीं कर पाया है।
(ङ)	लाभों तथा नियोजित पूँजी पर आय में विकृति स्पष्ट रूप से पाटित आयातों के परिणामस्वरूप हुई है।

(च) पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री मात्राओं और क्षमता उपयोग में भी गिरावट आई है।

(छ) घरेलू उद्योग की वृद्धि अनेक मापदंडों के संबंध में ऋणात्मक हो गई है।

23.4 इस प्रकार प्राधिकारी का यह मत है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति उठानी पड़ी है।

ठ. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

24. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तु की क्षतिरहित कीमत निर्धारित की है। क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्यों के साथ की गई है। क्षति मार्जिनों का निम्नानुसार परिकलन किया गया है:-

सहयोगी निर्यातक

		मै. फार्मासी प्लास्टिक्स कार्पॉ.	मै. कनेका पेस्ट पोलीमर्स एसडीएन बीएचडी द्वारा मै. मित्सुई एंड कं. (एशिया प्रेसिफिक) प्रा.लि.	मै. हनवा कैमिकल कार्पॉ.	मै. एल जी कैम. लि.
वस्तु के पहुंच माह के आधार पर भारित औसत क्षति रहित कीमत	रु./भी. ट.	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रु./भी. ट.	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	रु./भी. ट.	***	***	***	***
क्षति मार्जिन (%) रेंज	%	25-30%	25-30%	25-30%	10-15%

असहयोगी निर्यातक

		चीन जन.गण.	कोरिया	मलेशिया	रूस	ताईवान	थाईलैंड
एन आई पी	रु./मी.ट	***	***	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रु./मी.ट	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	रु./मी.ट	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन (%)	%	20-25%	30- 35%	25-30%	30- 35%	20- 25%	20-25%

ड. निष्कर्ष:

11. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

क. उन मामलों को छोड़कर जहां पाटन मार्जिन ऋणात्मक पाया गया है । संबद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात उसके संबद्ध सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।

ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु के संबंध में वास्तविक क्षति उठानी पड़ी है ।

ग. घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है ।

ड. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

27. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क को घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हासि रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। अनुषंगी उद्योग पर प्रभाव को कम करने की दृष्टि से प्राधिकारी ने पाटन तथा क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के आधार पर पाटनरोधी शुल्क को उचित समझा है और उसकी सिफारिश की है। प्राधिकारी जोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से तीसरे देशों से होने वाले आयात किसी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ण. सिफारिशें

28. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत की राई थी और उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी तथा निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। अधिनियम और पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और पूर्ण करने के बाद तथा संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में निश्चयात्मक सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि वर्तमान मामले में पाटन एवं 'क्षति' को समाप्त करने के लिए निश्चयात्मक शुल्क लागू करना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के ओरीं पर निम्नलिखित प्रपत्र में और ढंग से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की संस्तुति करना आवश्यक समझते हैं।

29. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदमुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के बालम 8 में उल्लिखित पहुंच मूल्य तथा सदर्भी कीमत के बीच अंतर की साझा के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शृङ्खला तालिका

क्र. सं	शीर्ष/संक्षिप्त उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्योग का देश	नियोजित का देश	उत्पादक	नियोजित	मुक्त राशि	हक्कार्ड नंबर
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9) (10)
1	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	मी.ट.	अम.डॉ.
2	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	चीन जन.गण.	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	1707	मी.ट. अम.डॉ.
3	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	1707	मी.ट. अम.डॉ.
4.	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	मलेशिया	मलेशिया	केन्या पेस्ट पोलीमर्स एसडीएन. बीएचडी	मित्युई एंड कं. (एशिया ऑस्पियल प्रा. लि., मलेशिया	1471	मी.ट. अम.डॉ.
5.	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	मलेशिया	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	क्र. सं. 4 से इतर अन्य कोई देश	क्र. सं. 4 से इतर अन्य कोई देश	1471	मी.ट. अम.डॉ.
6.	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	मलेशिया	कोई	कोई	1471	मी.ट. अम.डॉ.
7	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	कोरिया गण.	कोरिया गण.	हनहवा कैमिकल कार्पो.	हनहवा कैमिकल कार्पो.	Nil	मी.ट. अम.डॉ.
8	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	कोरिया गण.	कोरिया गण.	मै. एसजी कैम. लि.	मै. एसजी कैम. लि.	Nil	
9	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	कोरिया गण.	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	क्र. सं. 7 तथा 8 से इतर अन्य कोई देश	क्र. सं. 7 तथा 8 से इतर अन्य कोई देश	1704	मी.ट. अम.डॉ.
10	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोरिया गण.	कोई	कोई	1704	मी.ट. अम.डॉ.
11	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	ताइवान	ताइवान	मै. फार्मोसा प्लास्टिक कार्पो.	मै. फार्मोसा प्लास्टिक कार्पो.	Nil	मी.ट. अम.डॉ.
12	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	ताइवान	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	क्र. सं. 11 से इतर अन्य कोई देश	क्र. सं. 11 से इतर अन्य कोई देश	1699	मी.ट. अम.डॉ.
13	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	ताइवान	कोई	कोई	1699	मी.ट. अम.डॉ.
14	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	क्र. सं. 11 से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	1689	मी.ट. अम.डॉ.

15	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	रूस	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	1689	मी.ट.	अम.डॉ.
16	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	रूस	कोई	कोई	1689	मी.ट.	अम.डॉ.
17	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	थाईलैंड	थाईलैंड	कोई	कोई	1549	मी.ट.	अम.डॉ.
18	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	थाईलैंड	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	1549	मी.ट.	अम.डॉ.
19	39042210	पोली विनायल क्लोराइड पेस्ट रेजिन	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	थाईलैंड	कोई	कोई	1549	मी.ट.	अम.डॉ.

ट. आगे की प्रक्रिया

30. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 1, 8 1, 9 तथा 9 के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

31. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

FINAL FINDINGS

New Delhi, the 2nd May, 2011

Subject : Anti-Dumping Investigation concerning imports of 'Poly Vinyl Chloride Paste Resin' (PVC Paste Resin) originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP, Malaysia, Russia, Taiwan.

A. No. 14/36/2009-DGAD- Whereas the Designated authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules,1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the AD Rules); recommended imposition of Anti Dumping duty on the imports of 'Poly Vinyl Chloride Paste Resin' (PVC Paste Resin) originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP, Malaysia, Russia, Taiwan and Thailand.

2. Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject countries. The Authority notified the High Commissions/Embassies of the subject countries in India about the receipt of the application claiming, *inter alia*, allegations of dumping and consequent injury to the domestic industry before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5(5) of the AD Rules. The Authority issued a public notice dated 3rd November, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries, in accordance with the Rule 6(1) of the AD Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed:

- The Designated Authority sent a copy of initiation notification dated 3rd November, 2009 to the High Commissions/Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, known importers/ users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rules 6(4) of the AD Rules:
- The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the High Commissions/ Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules:
- The High Commissions/Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known exporters/producers.
- The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters/producers in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

1. Tianjin Chemical Plant
Xinkai South Road,
Hangu District,
Tianjin, China PR

2. Tainjin Bohai Chemical Industries
Import & Export Corporation
6th Floor, Honda Building,
Hebei Road, Heping Area,
Tianjin, China PR

3. Shenyang Chemical Co. Ltd No.46 North of Weigong Street Tixi District - Shenyang City Liaoning Province ,China PR	4. Formosa Plastics Corporation 291, Tung Hwa North Road, Taipei Taiwan
5. LG Chem Ltd., LG Twin Towers, 20 Yeouido-Doing, Yeongdeungpo-gu, Seoul 150-721, Korea RP	6. Hanwha Chemicals 1, Janggyodong Junggu, Seoul 100-797, Korea REP
7. Kaneka Paste Polymers SDN BHD,(Company No:476322-K) Suite 6.02, 6th Floor, Millennium Office Block,160, Jalan Bukit Bintang,55100 Kuala Lumpur, Malaysia	8. Vinythai Public Company Limited 14th Floor, Green Tower, 3656/41 Rama IV Road, Khet Klongtoey, Bangkok 10110, Thailand
9. Kaneka Corporation 3-2-4, Nakanoshima, Kita-Ku,Osaka 530-8288 Japan	10. OOO Polymer – Chemie Minsakaya St. 1G, 121059 Moscow Russia

vi. In response to the above notification, following interested parties including exporters/ producers/ Association have responded:

S.N.	Name of Interested Party	Country
1.	Embassy of Republic of Korea, New Delhi	Republic of Korea
2.	Department of Trade Negotiations, Ministry of Russia Economic Development of the Russian Federation	Russia
3.	Department of Foreign Trade, Thailand	Thailand
4.	Kementerian Perdagangan Antarabangsa Dan Industri, Malaysia	Kuala Lumpur
5.	M/s LG Chem Ltd.	Korea RP
6.	M/s Hanwha Chemical Corporation	Korea RP
7.	M/s Mitsui & Co. Ltd.	Japan
8.	M/s Kaneka Corporation	Japan
9.	M/s. Kaneka Paste Polymers Sdn Bhd	Malaysia
10.	M/s. Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd.	Malaysia
11.	M/s Formosa Plastics Corporation	Taiwan
12.	M/s Vinythai Public Co. Ltd. Bangkok	Thailand

vii. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

SN	Company's Name	SN	Company's Name
1	Akzo Nobel Coatings India Pvt. Limited, Karnataka	37	B.B. trading Co., Delhi
2	Alleppey Co Ltd., Kerala	38	Incom Cables Pvt. Ltd., Delhi
3	Anabond Essex India P Ltd, Chennai.	39	Kundan Rice Mills Ltd., Delhi
4	Creative World, Mumbai	40	Lucky Plast Ltd., Delhi.
5	D C Mills (P) Ltd, Kerala	41	Mansfield Cable Co., Noida
6	DRG Leather P Ltd, Kerala	42	Marvel Vinyls Limited, Delhi
7	Eftec Shroff India Limited, Mumbai	43	Nouvelle Credits Pvt. Ltd., Delhi
8	Fenner Conveyor Belting Pvt Ltd, Tamil Nadu	44	Orient Overseas Private Limited, Delhi
9	Fenoplast Ltd, Andhra Pradesh	45	Oswal Vinyl Industries Ltd., Delhi
10	Halol Leather Cloth Ltd, Mumbai	46	Paramount Communications Ltd., Delhi
11	Henkel Teroson India (P)Ltd., Haryana	47	Poonam Plastics Products, Delhi
12	Hindusthan Seals Ltd, Calcutta	48	R.K. Industries, Delhi
13	International Conveyore Ltd., Aurangabad	49	R.K. Trading Company, Delhi
14	Jasch Industries Ltd., New Delhi	50	R.S. Overseas Pvt. Ltd., Delhi
15	Kerafibertex International P Ltd., Cochin	51	Rallison Electricals Pvt. Ltd.
16	Kerala Balers Ltd, Kerala	52	Responsive Industries Ltd., Maharashtra
17	Mayur Uniquoters Ltd, Jaipur	53	Ritzy International Pvt. Ltd., Delhi
18	Oswal Cable Products, New Delhi	54	Royale Industries, Delhi
19	Phiroze Sethna P Ltd., Mumbai	55	S.K. Traders, Delhi
20	Polmann India Ltd., Mumbai	56	S.L.F.(India) Limited, Delhi
21	Polynova Industries Ltd., Goa	57	S.R. Polychem, Delhi
22	Premier Polyfilm Ltd., New Delhi	58	Sheel Polytex, Delhi
23	Roto Screentech Ltd., Rajkot	59	Sheel Vinyls, Delhi
24	Shivam Textiles, New Delhi	60	Shiv Shakti Industries, Delhi
25	Siel Tizit Ltd, Calcutta	61	Sunny Chemicals Pvt. Ltd., Delhi
26	Sneha Vinyl Products P Ltd., Andhra Pardesh	62	Supreme Electricals,Delhi
27	SRF Limited, Tamilnadu	63	Sushi Chem Plastic Industries, Delhi

28	Texon Industries P Ltd., Chennai	64	Terra India, Delhi
29	Travancore Coocuft P Ltd., Kerala	65	Trishia Vinyl Tubes Ltd., Dehradun
30	Yash Marketing Agencies, Ahemdabad	66	Ultimate Industries Ltd., Delhi
31	Valley Velvette (P) Ltd., Ahemdabad	67	Veeckay Polycoats Ltd., Delhi
32	Om Vinlys Pvt. Ltd., Mumbai	68	Vima International Products
33	Gomti Exports, Mumbai	69	Akshat Plastics Pvt. Ltd., Delhi
34	RMG Polyvinyl India Limited, New Delhi	70	Vipin Polymers Pvt. Ltd., Delhi
35	Veeckay Vinyl, New Delhi	71	Arinits Sales Pvt. Ltd., Delhi
36	United Decorative Private Ltd., U.P.	72	Bansal Chemicals(India), Chennai

viii. In response to the above notification, following importers/ users, Association, *inter alia*, have responded:

S.N.	Association's/Importer/ User's Name
1.	Leather Cloth and Plastics Manufacturers Association (LCPMA), New Delhi
2.	All India Federation of Plastic Industries (AIFPI), New Delhi
3.	UPVC Window & Door Mfrs. Association
4.	The All India Plastic Manufacturers Association (AIPMA), Delhi
5.	M/s Fenoplast Limited, Secunderabad, Andhra Pradesh
6.	M/s Mayur Uniquoters Ltd. Jaipur, India
7.	M/s Mathewsons Industries India Ltd. Cochin
8.	M/s Jasch Plastics India Ltd, New Delhi
9.	M/s Polynova Industries Ltd., Goa

Though M/s Henkel Teroson Ltd. has filed their submissions but these have been filed much later than the stipulated period.

ix. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods for the past three years and for the period of investigation.

- xi. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2008 to 31st March, 2009 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2005-March 2006, April 2006-March 2007, April 2007-March 2008 and the POI.
- xiii. The Authority, having regard to the Act and the AD Rules; vide Notification No. 14/36/2009-DGAD dated 11th June 2010 recommended imposition of provisional Anti Dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries. The provisional Anti-dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries was imposed vide Customs notification No. 77/2010 - Customs dated 26th July 2010.
- xiv. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in public hearings held on 27th October 2010 and 10th March 2011. The parties, which presented their views in the public hearings, were requested to file written submissions of the views expressed orally. Interested parties were provided opportunity for rejoinder submissions on the views expressed by opposing interested parties.
- xv. The arguments made in the written submissions / rejoinders received from interested parties have been considered, wherever found relevant, in these findings.
- xvi. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the co-operating producers/exporters.
- xvii. In accordance with Rule 16 of the AD Rules, the essential facts considered by the Authority are being disclosed to the known interested parties and comments received on the same would be duly considered in the final findings.
- xviii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xix. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the 'facts available'.
- xx. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the AD Rules.

4. Submissions made by interested parties on the Disclosure Statement

The submissions made by the interested parties in response to the Disclosure Statement, to the extent found pertinent, in brief, and the examination thereof are as follows:

Government of Thailand

The Government of Thailand has, *inter alia*, submitted that the deadline for the interested parties to send their comments may be extended till 2nd May, 2011. Referring to Article 2.6 of the Agreement, that defines the term “like product”, it has been submitted that the product exported by Thailand is not like product or closely resembling to the product produced by the Indian domestic industry and has urged the Authority to conduct the investigation in line with the WTO Rules. It has been further submitted that the Disclosure should take place in sufficient time for the parties to defend their interests and that sufficient time should have been allowed to interested parties to defend their interest.

M/s. Henkel Teroson India Pvt. Ltd.

M/s. Henkel has requested the Authority to confirm the exclusion of co-polymer grade of PVC Paste Resin from the scope of the investigation and further that the imports from Japan are below the *de minimis* criteria.

M/s. Kaneka Polymers SDN Bhd. Malaysia and M/s Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd.

APJ_SLG on behalf of M/s. Kaneka Polymers SDN Bhd. Malaysia and M/s Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd. and other interested parties has submitted that anti-dumping duties in the instant matter may be recommended on the reference price basis, failing which they may be allowed to submit a price undertaking.

LCPMA

LCPMA, in brief, has submitted that the anti-dumping duty, if any, should be imposed on reference price basis only for the reasons given below:

- The Anti-Dumping duty is not meant to raise the Government revenue.
- There is an acute shortage of PVC Paste Grade in India as well as Worldwide.
- The present prices ruling in the market are above US\$ 2000 per MT.
- If the import prices of PVC Paste Grade during the period of investigation with the import prices during April, 2010 and onwards are compared, it will be found that there has been a consistent increase in the prices PVC Paste Grade.

- It has been submitted that the Fair Selling price of M/s Chemplast Sanmar Ltd. is much lower than the current selling price.
- It has been further submitted that the prices of PVC Resin Paste Grade may further rise and in any case are not expected to come down due to the Worldwide shortage of PVC Resin Paste Grade *vis-à-vis* the demand.

The PVC Paste Resin of high K value higher than 77K should be excluded as the Domestic Industry does not manufacture it and thus, not injured by it.

M/s Hanwha Chemical Corporation

It has contended that injury margin in their case has not been correctly determined.

M/s. Formosa Plastics Corporation, Chinese Taipei (FPC)

FPC has submitted that the Indian Industry mainly produces general purpose PVC paste resin of K-value ranging from 65-67, and 75-78. They do not produce PVC paste with low K value (below 60) and that low K value PVC paste could save energy of downstream producers and could make foam more delicate and cellular much smaller. It has been further submitted that the Indian Industry does not produce PVC paste with high viscosity and that under Plasticizer (DOP) 60 and PVC paste 100, the viscosity of Indian producers' PVC paste are usually below 9000, but FPC could produce PVC paste with viscosity of above 20,000. The Indian Industry does not produce PVC paste with special formation, such as PVC paste used to produce transparent leather. It has been contended that the above forms of the products are not produced by the Domestic Industry, and therefore should be excluded from the purview of the Product under Consideration.

Domestic industry

The Domestic industry has, *inter alia*, submitted that:

PUC – exclusion of the product type on the basis of K-Value

The domestic industry has submitted that entire argument on exclusion or any product type on the basis of K-value is highly deserves to be rejected as:

- a. Petitioner is required to be engaged in production of "like article". "Like article" cannot be restricted to "identical article". There is no law which requires the domestic industry to produce and supply identical grade.
- b. It is not established by any party that the PVC paste resin supplied by the domestic industry is not substitutable to the so called high K-Value resin imported in India.

Petitioner offers 121 grade, which is clearly a high K-Value paste PVC. Consumers use this interchangeably with the imported product.

- c. High and low K-value paste resin is mere different commercial terms for PVC paste/emulsion resin. PVC resin with different k-values is nothing but one article. Difference in k-value is a mere question of different recipe and different process control parameters and does not require different plant & equipment, manufacturing process, production technology. The technology for production of high or low k-value PVC resin is not different. They have same functions & uses, same pricing, same customs classification, and that the domestic industry has been regularly supplying paste resin grade 121 (which has a k-value of 78) and in fact was faced with significant decline in sale of this grade.
- d. PVC paste resin with different K-Value can be interchangeably produced at the same plant and interchangeably consumed for the same function and uses. There is no significant variation in the prices of paste PVC with different K-value. A slightly higher K Value Resin can easily substitute a lower K Value Resin even if the reverse is not true.
- e. Dumping margin -Expenses and profit of trading companies – It has been contended that the export price is required to be adjusted for SGA and profit of such trading companies.

Month-wise price comparison – It has been contended that if month to month basis comparisons to be resorted, following are relevant-

- The exporter must establish the justification for month to month basis comparison.
- If month to month comparison has to be drawn, the exporter must provide information relating to cost of production on month to month basis. Mere adjustment for raw material price is insufficient in this regard.
- Where selling price in a particular month is above cost for the month but below weighted average cost of production for the period of investigation, the weighted average cost of production is material.

Determination of cost of production – Since all the exporters have their own captive input raw material, the basis of valuation of such captive input raw materials is most critical in correct assessment of cost of production. It must be decided with adequate reasons to be brought out whether such captive inputs can be considered at cost of production or such captive inputs should be considered at market price. The cost of production determined by the Authority should not only be on the basis of records maintained by the company under investigation, but also should reflect the costs associated with production and sale of the article under consideration.

Dumping margin – comparison methodology–The normal value has been compared with export price by undertaking month to month comparison. This appears to have been done in view of significant differences in the cost and price of the product over the period of

investigation. While undertaking product type to product type comparison, the following methodology should be followed:

- i. Weighted average domestic sales price of the comparable product type is compared with export price of the comparable product type, if the domestic sales are profitable beyond 80%.
- ii. Profitable weighted average selling price of the domestic sales of the comparable product type is compared with export price of the comparable product type, if loss making domestic sales of the comparable product type are more than 20% but less than 80%.
- iii. Cost of production (with SGA) plus reasonable profit of the comparable product type is compared with export price of the comparable product type, if the loss making domestic sales of the comparable product type are more than 80%.

Cost of production -It has been contended that the rules provides that “ the said prices will be considered to provide for recovery of costs within a reasonable period of time if they are above weighted average per unit costs for the period of investigation, even though they might have been below per unit costs at the time of sale”. Thus, there are two costs data relevant for the purpose (a) cost at the time of sale and (b) weighted average cost for the period of investigation. It is not clear whether the Authority has applied the above stated law while establishing that the domestic sales are profitable.

In view of the above, it has been submitted that the Dumping margin in respect of three companies is required to be reviewed.

f. On Form of duty:

The domestic industry, in brief, has submitted that the anti-dumping duty may be imposed only on fixed amount basis as:

- a) The crude prices have significantly increased after the investigation period and the same continued to surge further. Prices of raw materials involved in the product under consideration are linked to prices of petroleum products.
- b) Anti dumping legislation has been created in consonance and in conformity with the WTO Agreement on Anti Dumping, which explicitly permit Authorities to impose anti dumping duties in the form and manner requested.

I Non injurious price is required to be reviewed.

Examination by the Authority:

- As regards the submissions made by the Government of Thailand, the Authority is of the view that adequate time had been provided to all the interested parties, from time to time at different stages of this investigation to file their submissions in the instant matter. The

Authority is constrained to complete the investigation within the extended stipulated time of one and a half years, that is, to expire on 2nd May, 2011. Hence, the Authority is unable to accede to the request made by the Government of Thailand. However, their submissions filed a day later i.e. on 28th April, 2011 have been taken on record while determining these findings.

- The Authority further notes that they have claimed that the product exported from Thailand is not part of the PUC, however, this claim has not been substantiated at all during the course of the investigation. No further submissions have been made from any respondents from Thailand. Hence, the Authority is constrained to proceed further and determine its findings on the basis of 'facts available' on record in terms of Rule 6(8) of the AD Rules.
- The Authority hereby confirms the exclusion of co-polymer grade of PVC Paste Resin from the scope of the investigation and that the investigation concerning imports of the subject goods from Japan is terminated.
- The Authority notes that the apprehensions of M/s Hanwha Chemical Corporation are misplaced and that the Authority has correctly determined the injury margin. Any allusion to dumping margin *vis a vis* the injury margin is erroneous as the variables adopted for determining dumping margin and the injury margin are different.
- As regards, the issue of determination of the Dumping margins in the instant matter is concerned; the Authority has adopted the methodology that is fully consistent with the relevant rules on the subject. Despite undertaking month-wise analysis, the Authority has finally computed the dumping margins for the PUC and POI as a whole. The methodology adopted has already been disclosed. The Authority has duly taken into account all facts and relevant information/data into consideration while determining the dumping margins. This includes consideration of expenses and profits of trading companies, wherever applicable. The Authority further notes that all adjustments that were justified and verified during the course of on-the-spot investigation have been considered for the determination of the dumping margins that includes adjustment on account of duty drawback. Any reference to the decisions of the other investigating authorities is not pertinent in the instant matter as those decisions must have been made on the merits of those cases.
- As regards, the issue of exclusion, the Authority notes that the Product under Consideration (PUC) in the instant investigation is 'Poly Vinyl Chloride Paste Resin' also called "Emulsion PVC Resin" and referred to as PVC paste resin. It is further clarified that the injury analysis in respect of the domestic industry is undertaken in the context of "like Article" that is being produced by it. There is no dispute that the domestic industry is producing PVC Paste Resin and has done so during the POI as well. However, as regards the issue of exclusion of low K value below K 60 is concerned; the Authority notes that same cannot substitute the PVC paste resin of higher K value; while the PVC paste resin of higher K value may substitute the PVC paste resin of lower K value. The claim regarding non-substitutability of Higher K value with the lower one has not been sufficiently substantiated by the parties seeking their exclusion from the scope of the proposed measure. Likewise, the claims for excluding PUC

with high viscosity etc have not been substantiated by the concerned interested parties seeking their exclusion.

- The Authority has carefully examined various submissions regarding the form of duty that should be recommended in the instant matter. Considering all the facts that have been brought before the Authority, it is noted that there is merit in recommending reference price of duty in the instant matter.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

Submissions made by Department of Trade Negotiations, Ministry of Economic Development of the Russian Federation

4A. The Department, in brief, has submitted the following:

- There is no sufficient evidence of dumping of the subject goods from Russia for initiation of the investigation.
- The applicant has no reliable information with respect to domestic prices in the Russian market and thus constructed the normal value in respect of Russia incorrectly leading to a very high dumping margin.
- Detailed calculations regarding the constructed normal value as estimated by the applicant are treated as confidential though its disclosure would not have implied providing the competitors any advantage.
- There are two companies producing the subject goods in Russia namely “JSC Chimprom”, Vologograd and “Usolyechimprom Ltd.”. Only, the latter company dispatched the subject goods to India but India was not first priority outlet and that the company did not practice dumping while supplying the subject goods to the Indian market.
- It has been claimed that the normal cost to produce the subject goods was 965 US\$ per MT and not 1480 US\$ per MT as claimed by the applicant. However, the company stopped manufacturing the subject product in August 2009 and further deliveries will not be carried out by the company.
- Due to manpower and financial resources constraint and lack of interest in Indian market the Russian producers have not participated in this investigation.

Submissions made by other interested parties

5. APJ SLG on behalf of M/s Kaneka Corporation & others, in brief, has submitted as follows:

5.1 Product under Consideration: It has been contended that the domestic industry has not furnished the technical specifications or the details of the product under consideration. Neither the domestic industry nor the Authority defined or clarified the product under consideration whereas the same ought to have been clarified at the initial stages of the investigations itself. They are unable to appreciate the reluctance on the part of the

Domestic Industry to clearly spell out the “Product under Consideration”. The statements made by the Domestic Industry that the Counsels for the exporters are aware of the details as they had represented the Domestic Industry in the case of PVC Suspension Grade Resins, are of no consequence.

5.2 Imports from Japan are De-minimis: It has been contended that almost all the quantity of the exports made from Japan is not a part of the “Product under Consideration” and that the imports from Japan of the product under consideration are a meagre 0.19% of the total imports. Since the exports from Japan are less than 3% of the total imports, the investigations against Japan are to be terminated in terms of Rule 14(d) of the AD Rules.

It has been stated that different PVC resins exported by Japan during the period of investigation can be categorized into three types:

- a) PVC resin for paste application which is the homo-polymer PVC out of micro-suspension polymerization. This category includes: PSM-31, PSL-31, PSH-24 and PSH-10.
- b) Co-polymers of PVC resin and Vinyl Chloride and Vinyl Acetate Monomer, viz. PCH-72 and PBM - 6.
- c) Blending resins made out of suspension polymerization viz. PBM-B5F-6 and PS-300. Such PVC resin are used for battery separator application or used with PVC resin for paste application.

5.3 It has been contended that the product mentioned under point number a) above appears to be included under the scope of the product under consideration as defined by the domestic industry and the Authority in the initiation notification. However, products covered by point numbers b) and c) above are clearly outside the purview of the scope of investigation for the following reasons:

- (i) **Co-polymers:** PVC made out of copolymers are outside the scope of product under consideration. The domestic industry has also admitted the same in their written submissions that the product under consideration does not include co-polymers as the same is not manufactured by them. Hence, the question of including imports of PCH -72 and PBM- from Japan does not arise.
- (ii) **Blending Resin:** As regards the Blending Resins, it is reiterated that the same cannot be considered as the Product under Consideration for the following reasons:
 - a) Blending resins are clearly of Suspension grade which admittedly are not a part of the scope of investigations.
 - b) Further, in Final Findings F. No.14/8/2006-DGAD dated December 26th, 2007 in the Anti-Dumping case of PVC Suspension Grade Resin where Blended Resins were specifically excluded from the scope of Product under Consideration on the ground that the same is not produced by the Domestic

Industry. It may be appreciated that in the above stated case, PVC blending resins have been excluded clearly implying that the same are PVC Suspension Grade resins. The question of exclusion on the ground of non-manufacture would not arise if the same are not PVC Suspension grade in the first place. Therefore, it is clear that the scope of Product under Consideration in the present investigation includes PVC Paste Resin of Emulsion Grade and the same cannot be extended to PVC Blending Resin which is of Suspension Grade.

- c) Email attached along with the written submission dated 3.11.2010 from the domestic industry to one of its clients clearly establishes the fact that the domestic industry no more produces BSR (PS-300) and would not be able to supply the same. Hence, there is no question of including the said grade of PVC. Further, as per the details provided, the total imports of Blending Resin (PBM-B5F & PS-300) from Japan for the said POI is 2313 MT. The share of imports of PS-300 (Suspension grade) from Japan is 2,283 MT and of PBM-B5F is 30 MT.
- d) It has been further stated that the Domestic Industry in its written submission dated 3.11.2010 while explaining the product under consideration had stated that “Other commonly known descriptions for the product concerned used by the importers while importing these types of products are PVC Resin, PVC Paste Resin, PVC Paste grade resin, Emulsion Resin, Dispersion Resin and Micro Suspension Resin. These resins are made by special process/techniques and are fine particle size resins having average particle diameter in the range of 0.1 to 5 microns...”. However, the domestic industry in their written submissions to the second public hearing has completely changed their stand with regard to particle size of paste resin. In their, previous written submissions they stated the particle size of 0.1 to 5 microns. But subsequently, the domestic industry has stated that there was some typographical error and mentioned the particle size of ranging between 0.1 to 50 microns. They are not in a position to appreciate as to how the particle sizes have been changed in their written submissions now. It may be recalled that during the second public hearing, it was clearly argued that while the range of the domestic industry is 0.1 micron to 5 micron, the exporter’s products on which exclusion is sought is upwards of 37 microns. It is important to note that neither the representative of the domestic industry nor the technical personnel from the company gave any clarification that 5 micron is a typo error and they in fact wanted to state the size as 50 microns. Why this so-called typographical error was not pointed out during the public hearing when elaborate submissions were made in the hearing? It is clearly an after-thought and an attempt to confuse the whole issue relating to PUC. It has been submitted that the domestic industry shall not be permitted to make such changes as and when they desire without substantiating their statements. The Authority should ask for the complete information in this regard from the domestic industry and not allow the arguments on Product under Consideration to such frivolities.

e) It is further submitted that the domestic industry is making statements and changing its stand at its whims and fancies. In this connection, it is submitted that the domestic industry, in its Letter dated March 13, 2009, stated that the paste grade PVC has a grain size of 0.2 microns, while emulsion grade has a grain size of 20 microns. The relevant excerpts from the said Letter of Offer are reproduced below:

“Among the PVC grades, suspension PVC differs from emulsion or paste grade PVC, in terms of processes and applications. The suspension grade is a coarse grade PVC, with grain size of 150 microns. The emulsion grade has a grain size of 20 microns, while paste grade PVC has a grain size of 0.2 microns. Though technically different, the terms emulsion and paste grade are used interchangeably in India”

f) It is amply clear from the above, that the grain size of emulsion grade as per their admission in the public document is 20 microns and the same cannot be read as 50 microns as alleged by the domestic industry. Further, the PVC grade has a size of 0.2 microns but not 0.1 microns as falsely mentioned by them earlier.

g) Without prejudice to the above, it is an admitted position that the Product under Consideration can be distinguished technically in terms of the particle size. It follows that all PVC resins having particle size higher than 5 microns or 20 microns as stated in their said Letter of Offer ought to be kept outside the purview of the scope of investigations. Considering this fact also, the Blending Resins imported from Japan have to be kept outside the scope of investigations as diameter of the particle size is even higher than 20 microns. It is also important to note that due to the particular technical specifications, the name, character and the uses of different types of resins are different. Further, due to the same reasons they cannot be technically or commercially substituted. For the sake of clarity and brevity attention has been drawn to the table given below:

PVC (Blending Resin)	Particle Diameter Size (Microns)
Product under Consideration	0.1 – 5 (0.2 to 20 as per Letter of Offer)
PS -300	37 - 43
PBM-BSF	37 - 43

h) It has been stated that Blending Resins PBM-B5F and PS-300 are made out of Suspension process.

5.4 In view of the above, they have contended that:

a. Almost the entire quantity of the exports made from Japan is not a part of the “Product under Consideration”. Since the exports from Japan are less than 3% of

the total imports, it is submitted that the investigations against Japan are to be terminated in terms of Rule 14(d) of the AD Rules.

- b. The products which are not manufactured by the Domestic Industry ought to be excluded from the scope of Product under Consideration. These products are: Blending Resins (Including Battery Separator Resins) and low fog grade resin (PSH 24).
- c. All PVC resins which have an average particle diameter above 5 microns ought to be excluded from the purview of the investigations.

Submissions made by M/s. Formosa Plastics Corporation (FPC)

5.5 FPC has contended that:

- i. The Indian Industry produces mainly general purpose PVC paste resin of K-value ranging from 65-67, and 75-78. They do not produce PVC paste with low K value (below 60).
- ii. The Indian Industry does not produce PVC paste with high viscosity. Under Plasticizer (DOP) 60 and PVC paste 100, the viscosity of Indian producers' PVC paste are usually below 9000, but FPC could produce PVC paste with viscosity of above 20,000.
- iii. The Indian Industry does not produce PVC paste with special formation, such as PVC paste used to produce transparent leather.

Submissions made by M/s Vinythai Public Company Ltd., Thailand

5.6 Their product is not the like product with the product under consideration and has distinctive characteristics such as K-value, Rheology.

Submissions made by M/s Polynova Industries Ltd

5.7 M/s Polynova Industries Ltd. has contended the following:

- They manufacture Coated Textile Fabrics using PVC Resin Paste Grade. After the imposition of provisional anti-dumping duty, PVC Manufacturers worldwide has shown disinterest in supplying the material to Indian Markets. Domestic Manufacturers who initiated anti dumping duty is also not able to supply their requirement.
- Prices of PVC Resin has shot through the roof and has gone up by 35% during July 2010 to date and that it has become un-viable to import PVC Resin without even considering anti dumping duty; resultantly they are in the verge of closure because of this piquant situation.

Submissions made by M/s Hanwha Chemical Corporation

5.8 The following submissions, in brief, have been made by the company:

- a. PVC Paste Resin is like article to PVC-Suspension Resin and not lower priced which is already covered in case of Korea by AD Duties.
- b. Imports of PVC-Paste Resin from Korea are *prima facie de-minimis* and imports from the Subject Countries with less than 3% share each is less than 7% share and may not be cumulated with imports from the subject countries with more than 3% share each. Hence, the AD investigations in respect of Korea may be terminated immediately.
- c. There is greater (but not complete) technical and commercial substitutability between PVC-Suspension grade and PVC Paste Resin (same raw material with minor differences in process) but these are subject to different investigations. Chemplast Annual Report also indicates that PVC-S, PVC-PR treated by it as 'like articles'. Like articles is a distinct issue from PUC or subject goods and would show that Petitioners do not have the necessary standing in terms of like articles.

Submissions made by LCPMA

5.9 LCPMA has, in brief, contended as follows:

- i. Present application does not fit into the scope of anti-dumping law. The goods produced by petitioner are neither identical to the goods in respect of which investigation has been initiated nor have characteristics even closely resembling to the goods imported into India. There is no substitutability between various grades of PVC Paste Resin and imported product as is evident from product catalogue of the Petitioner. The goods produced by petitioner are only a small sub-set of products in respect of which investigation has been initiated. There is no substitutability between various grades of PVC Paste Resin and imported product as is evident from the product catalogue of the Petitioner. Domestic Industry produces three grades of PVC Resin – Emulsion, Suspension and Paste Resin.
- ii. Domestic Industry cannot produce PVC Paste Resin grades of K-value higher than 77. At present the Domestic Industry does not have technology to manufacture PVC paste resin of High K-Value. Thus, LCPMA members cannot execute orders with the PVC grades supplied by Domestic Industry as the desired specifications cannot be achieved.
- iii. LCPMA has submitted purchase orders of various grades of PVC Paste Resin [High K Value Resin, High viscosity resin, MSP PVC Resin, PVC filler Resin] and has contended that Domestic Industry is not able to supply various grades of PVC resin which are essential for the manufacturing of Leather Cloth. Further, it has been submitted that the Domestic Industry has not replied to their requests so far.

iv. LCPMA has submitted that the anti-dumping duty, if any, may be imposed on reference basis as the prices of PVC paste resin have increased phenomenally in the recent past.

Submissions made by M/s Henkel Teroson Ltd

5.10 M/s Henkel Teroson Ltd. has submitted that PVC Paste Resin are of two grades – Homo-polymer grade and Co-polymer grade and that they import PVC Paste Resin of co-polymer grade, namely, PBM 6 and PCH 72; whereas the domestic industry does not manufacture these Co-polymer grades and only manufactures the Homo-polymer grade. Accordingly, M/s Henkel Teroson Ltd. has requested that the co-polymer grades should be excluded from the scope of the product under consideration.

5.11 **Other Misc issues that have been raised by interested parties, in brief, are as follows:**

- The initiation is bad in law as adequacy and accuracy of data has not been examined.
- Preliminary Findings do not play any role to arrive final conclusions.
- Product under consideration is a Poly Chemical material which only a large manufacturer can produce. It is highly expensive to set up such Plants.
- The producers in India are leveraging and managing their margins not only by trading but also by exploiting pricing based on tariff regulator and fluctuation of prices and seasonal demand.
- Imports are only 6% of total demand in India. There is huge demand-supply gap in the country. Imposition of anti-dumping duties would be counterproductive, as imports are must for the growth of the industry. PVC Resin business in India is absolutely a monopoly. Industry is already suffering because of anti-dumping duties on PVC Suspension Resin.
- The CIF price for supply of PVC Paste Resin from the subject countries are almost at parity and in line with the international prices.
- The prices of raw material are volatile during POI. Therefore, injury and dumping margin should be calculated month-wise.

Submissions made by M/s Chemplast Sanmar Ltd.

5.12 The domestic industry has contended as follows:

- The scope of product under consideration has been described in the Application. The relevant technical information is available on the website of the petitioner.

- Every article comprises of several different types/forms. Merely because values of physical/technical characteristics or prices of an article differ in respect of different forms of the article, the same does not imply that different forms of the article are not one product. Indeed, developments of different types of an article are the fundamental aspect of practically all the articles that can be visualized. Different forms of an article are basically offered to merely provide a choice to the customers on one hand and to meet specific end applications of different customers on the other hand. This, however, does not render such different forms/types of a product as different.
- Petitioner has not included vinyl chloride vinyl acetate co-polymer within the scope of product under consideration.
- These resins are made by special processes/techniques and are fine particle size resins having average particle diameter in the range of 0.1 to 50 microns.
- As regards PVC Paste Resin and PVC Suspension Resin are substantially technically and commercially substitutable; the domestic industry has contended that there is significant difference in manufacturing Emulsion/Paste and Suspension Resin in terms of production capacity, raw material composition, process control parameters, production cycle time, drying technology, thus leading to fundamental differences in (a) physical & technical characteristics of the two products, (b) functions & usage of the two product, (c) cost and price of the two products, (d) customs classification. The two are not technically & commercially substitutable. The consumers cannot interchangeably consume the two products. Nor can the producers interchangeably produce the two products.
- The domestic industry has submitted that Poly vinyl chloride (PVC) is one of the most widely used polymer in the world and is characterized by a very wide range of properties as well as low cost. This explains its use in many applications. Classical examples of PVC applications are: pipes, fittings, profiles, packaging, cable insulation, sheets, flooring, artificial leather, medical equipment, bottles, and molded articles. Polymerization of vinyl chloride is carried out widely through 3 manufacturing processes namely Suspension, Micro Suspension and Emulsion.
- The share of Korea in imports of PVC Paste Resin was highest (36%) in the period of investigation. Market share of imports from each of the subject countries is more than de minimis.
- Paste PVC Resin: The paste resin production process involves the polymerization of vinyl chloride monomer either by micro-suspension or emulsion. This process involves addition of surfactant and additives including an initiator to form PVC slurry. This PVC slurry is spray dried and then milled to obtain fine PVC powder. When PVC resin is

mixed with plasticizers, the paste resin disperses readily to form a free flowing mixture called "plastisols". These plastisols are spread on to fabric or other substrates, poured on molds, or deposited on formers to produce flooring, wall covering, artificial leather, tarpaulin, conveyor belts, balls, toys, or protective gloves.

General properties of Paste PVC are as follows:

1. "K" Value – Measure of molecular weight of the PVC resin.
2. Inherent viscosity- Property used to derive the K – value of the resin.
3. Particle size retention - % on 325 # (44 Micron) – Essential property signifies on the grit particles contained in the resin for dispersion application.
4. Heat loss (%) – measure of moisture of moisture in resin.
5. Initial BFV (cps), max – property used for the initial absorption of plasticizer using Brook field viscometer.
6. 24 hr BFV (cps) Max – Property used for the final absorption of plasticizer after 24 hrs using Brook field viscometer.
7. Severs Efflux (g/100 sec) min - Rheological property of the plastisol at high shear rate.

5.13 It has been stated that M/s Chemplast Sanmar Limited makes different grades of paste PVC resins using micro suspension/ emulsion process with K value ranging from 64 – 78.

Co-polymer resins, blending resins and battery separator resins

5.14 The domestic industry has stated that they have already confirmed that co-polymer resins, blending resins and battery separator resins may be excluded from the scope of the product under consideration. Co-polymer resins and blending resins were not included in the data earlier provided. Even when battery separator resins are clearly Paste/Emulsion Resins, they have now agreed for their exclusion for the reason that they at present have suspended manufacturing this product.

5.15 As regards the particle size of the Paste PVC resin: PVC Paste Resin grades manufactured by micro-suspension process (Grades- CP-120, CP-121 and CP-124) have the following particle size *distribution*:

- a. minimum volume of resin particle having particle size of less than 15 micron is 90%
- b. minimum volume of resin particle having particle size of less than 2 micron is 50%
- c. maximum quantity retained on 325 mesh (44 micron) : 0.5%

5.16 PVC Resin grade (CP-172 SG) manufactured by emulsion process is having the following particle size distribution:

- a. minimum volume of resin particle having particle size of less than 70 micron is 90%
- b. minimum volume of resin particle having particle size of less than 30 micron is 50%
- c. maximum quantity retained on 120 mesh (125 micron) : 0.5%

5.17 Detailed particle size analysis reports obtained from Malvern Master Sizer - Particle size analyzer of all the above grades namely CP-120, CP-121, CP-124 and CP-172 SG manufactured during 2008-09 and latest ones have been submitted to the Authority to substantiate the same. A detailed specification sheet for each of the PVC resin grade manufactured by M/s Chemplast by the Micro-suspension and the Emulsion process was also submitted to the Authority.

High & Low K Value PVC Resin

5.18 The domestic industry has expressed their disagreement with any reference to K-value for the present purpose and has contended that PVC Paste Resin having different K value is produced by using the same plant and equipment but by only modifying recipe and process parameters.

5.19 It has contended that till the investigation period, none of the customers have demanded PVC Paste Resin having K value above 78 or K value below 64 from them and only very recently, orders for such types of Paste resin have been placed on them by only 2- 3 customers from such a large number of leather cloth manufacturers (there are over 100 leather cloth manufacturers in India). It has been claimed that such kinds of requests are *mala fide* and generated because of on-going investigations and that they are in a position to supply this material demanded by the customers, provided their intentions are genuine and the request made is *bona fide*. It has been further contended that whatever orders that have been placed on them by a few customers for high K resin in the recent past (after imposition of anti dumping duties), the same were sent to them without even requesting us for a price for such supplies.

5.20 The domestic industry has further stated that have a finite capacity for making PVC Paste resin, as is the case with any manufacturer across the Globe, and manufacture of any additional grade can only be at the cost of existing and established grades. While they can manufacture the high K resin that is being demanded now, but then they will have to deny supplies of their established grades to existing customers and that this is a commercial decision that they take from time to time based on the market mechanics.

5.21 It has been further submitted that theoretically there could be any number of grades of PVC Paste resin, as subtle difference in one or more characteristic by means of suitable recipe change, can result in a new grade. No manufacturer in the world can make all possible grades of PVC Paste resin, as is the case with many such products. Thus, notwithstanding what they have stated above, they strongly contend that their ability to make or supply high K resin is irrelevant to the present investigation, as all such grades

are only Paste Grade resin and the PUC is PVC Paste Grade Resin/Emulsion Resin/Dispersion Resin/Micro Suspension Resin.

Use of PVC Paste Resin in making Leather Cloth

5.22 PVC Leather Cloth or Vinyl Coated fabric used in upholstery and apparel has a luxurious feel and is produced in strikingly attractive decorated and embossed effects. It has leather like finish and is also called as artificial leather or Cotton Coated Fabric. These laminates are produced either by Plastisol Coating or by Calendering process. Coating technique is the most commonly used in India. Leather Cloth is produced commercially by coating a plastisol over coating substrate that can be a cloth or a paper and passed through curing ovens to get a coated cloth. It is pertinent to note that in this process; only PVC paste resin can be used. Further, finishing is provided by embossing and printing to get the desired product. Leather cloth can be either unexpanded or expanded (foamed and cellular). The cellular feature makes the coated cloth more leather like and gives an expensive look to fabric. The Cellular leather cloth consists of fabric, which could be woven, non-woven or knitted, as base material. A layer of plastisol is coated over fabric called as base coat or anchor coat, and on this, a layer of expanded PVC is applied. On the top of expanded layer there is another layer of unexpanded PVC called top coat or skin coat or wear coat.

5.23 Applications for Spread Coating can be categorized as follows:-

- Upholstery (Furnishing, Automobile, Cycle and Rickshaw seats)
- Shoe (Upper, Insole, Lining, Ladies Footwear)
- Purses & Handbags
- Luggage
- Diaries
- Belts
- Jean Labels
- Sports Goods (Balls)
- Awnings

Raw Material used in making plastisols for leather cloth are:

• PVC Resin	Micro Suspension Paste, Emulsion
• Plasticizer	DOP, DBP
• Stabalizer	Ba/Cd, TBLS, Ba/Zn
• Blowing Agent	Azo Dicarbonamide (Adcl)
• Filler	Dolomite, Calcium Carbonate
• Thinners	Kerosene, MTO, White Spirit
• Pigments	
• Fabric	Sheeting, Hosiery, Polyester/Viscose Matte
• Paper	Release Paper

Process of making Leather Cloth

5.24 The domestic industry has contended that in order to produce Leather cloth, three processes or three layer of PVC coating- Topcoat or Wear/Compact layer, Foam coat and adhesive coat for binding with fabric are used. Most of the manufacturers in India are using General purpose PVC paste resin of K-value ranging from 65-67 (Chemplast PVC 124) for all the three layers. All the layers have slight difference in formulation using above raw material. Foam coat consists of Foaming agent and fillers, whereas topcoat does not consists of foaming agent and fillers. Foam coat provides the soft feeling in the leather cloth while top layer provides the surface finish and the mechanical properties to the leather cloth. Some producers prefer using PVC paste of higher K value of range 75-78 for the top layer for certain applications which require more mechanical strength for example shoe uppers, flooring, tarpaulins and conveyor belts. It would thus be seen that paste and suspension PVC are different articles on the basis of the difference in production technology, manufacturing process, plant & equipment, functions & uses, pricing, customs classification, consumers' perception. A producer of suspension PVC cannot produce paste PVC in the suspension PVC plant. Given significant difference in the prices of paste and suspension PVC, every producer of suspension PVC would have produced and sold paste PVC [prices of paste PVC are materially higher than suspension PVC. Consumers have not demanded, until recently, Paste Resin having K-Value above 78. The current requests are clearly because of the present investigations.

Examination by the Authority:

6. The Authority is of the view that this investigation was initiated on the basis of sufficient evidence to justify initiation of an investigation regarding dumping of the subject goods and consequent injury to the domestic industry in terms of the AD Rules. Further, the Authority notes that the quality of evidence improves during the course of the investigation and concurs with the view that preliminary findings are not automatically reaffirmed.

6.1 As regards the product under consideration, it is 'Poly Vinyl Chloride Paste Resin' also called "Emulsion PVC Resin" and referred to as PVC paste resin (hereinafter also referred to as the subject product or the subject goods). There are primarily two types of PVC resins, namely PVC Paste Resin and PVC Suspension Resin. It was clarified in the initiation notification itself that PVC Suspension Resin is excluded from the ambit and scope of this investigation. The PVC Paste Resin is produced from Vinyl Chloride Monomer (VCM). VCM is produced using EDC, which in turn requires chlorine as one of the major products. The subject goods is produced and sold in the form of white/off-white powder. The properties of the subject goods are described in terms of K value, inherent viscosity, particle size retention, heat loss, initial BFB etc.

6.2 The subject goods fall under Chapter 39 of the Act under subheading no. 39042210. However, the Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

6.3 The Authority has noted the submissions made by the Department of Trade Negotiations; Ministry of Economic Development of the Russian Federation. It is noted that in terms of Article 5.2, sub-para (iii) of WTO's Anti-dumping Agreement, the applicant has to provide such information as is reasonably available to the applicant, *inter alia*, on prices at which the product in question is sold when destined for consumption in the domestic markets of the country or countries of origin or export (or, where appropriate, information on the prices at which the product is sold from the country or countries of origin or export to a third country or countries, or on the constructed value of the product) and information on export prices or, where appropriate, on the prices at which the product is first resold to an independent buyer in the territory of the importing Member. While submitting the application, the applicant had stated that efforts were made by them to get an evidence of actual transaction price of sale of the PVC paste resin in the domestic market of subject countries and also to get the evidence of the actual transaction prices at which the material is being exported from the subject countries to other countries. However, they were not been able to get adequate and accurate evidence of the transaction prices either for the domestic market of the subject countries or for exports to other countries. Then they tried to trace the prices of the subject goods in published journals but found that neither the journals provide information about the costs or prices of the subject goods in domestic market of subject countries, nor do they provide any information with regard to cost structures, consumption norms of inputs, annual financial situations of the companies. The Applicant has also submitted copies of letters written to Embassy of India in the subject countries seeking relevant information but did not receive the requisite information/data. In such circumstances, the applicant adopted constructed normal value approach and submitted the estimates of cost of production of PVC Paste Resin in the subject countries other than China PR.

6.4 The Authority further notes that the best method of disputing 'dumping of subject goods' from Russia would have been to file the Exporter' questionnaire response by the Russian companies but they have chosen not to participate in this investigation due to manpower and financial resources constraint and lack of interest in Indian market. In these circumstances, the Authority is constrained to determine its findings on the basis of 'facts available' on record. It was, *inter alia*, mentioned in the preliminary findings that in case any evidence is made available on the issue, the same shall be duly considered while determining the final findings; however, no such evidence has been received by the Authority.

6.5 The Authority has carefully examined the submissions made by M/s. Kaneka Corporation, Japan and sought appropriate clarifications from the interested parties during the course of the investigation. It may be pertinent to point out herein that the claim of the company that some of its grades related to PVC Suspension Resin was not apparent on the face of record as per the response submitted by them. If these grades were of PVC Suspension Resin and if M/s. Kaneka Corporation was clear about them; then such grades' export data should not have been filed by them in the instant matter at all as it was made clear right in the initiation notification itself that PVC Suspension Resin is outside the scope of this investigation. The Authority notes that as the facts

revealed, the invoices of the impugned grades showed Paste PVC whereas the company claimed that these had originated from their PVC Suspension plant. It was in this backdrop, the Authority decided to verify the facts during the on-the-spot verification at the plant of the company. During the course of the verification, the production record of the company for the POI both in respect of PVC Suspension plant as well as PVC Paste Plant was verified. This was further reconciled with the technical parameters of the different grades being manufactured by the company. It was noted that subject grades have originated from the PVC Suspension Plant and hence the relevant export transactions have been excluded from the scope of this investigation. The Authority further notes that after such an exercise, the imports of the subject goods during the POI from Japan are below the *de minimis* criteria as laid in the AD rules and regulations and hence it is proposed to terminate the investigation so far the imports of the subject goods from Japan are concerned.

6.6 As regards the submissions made by M/s Hanwha Chemical Corporation, the Authority notes that after conducting an anti-dumping investigation, the Anti-dumping duty was imposed in respect of imports of PVC-Suspension Resin, and the same was not extended to PVC Paste Resin. Hence, their contention is not tenable. As regards their contention that imports of the subject goods from Korea RP are below the *de minimis* limits prescribed; the Authority notes that on the basis of the facts available on record, it is seen that the imports from Korea RP are significantly more than *de minimis* limits prescribed.

6.7 The Authority notes that while PVC suspension resin is clearly beyond the scope of the product under consideration, there is no basis for the argument that PVC paste resin produced through micro suspension process is a different product and is not PVC paste resin. The Applicant has produced evidence that they produce PVC paste resin through micro-suspension process. Notwithstanding this, even if it is assumed that the production process employed by the domestic industry and foreign producers are different, and that PVC paste resin can be produced through micro-suspension process and emulsion process; there is no basis for the assumption that the scope of the product under consideration is restricted to PVC Paste Resin produced through Emulsion Process only. Just because PVC paste resin can be produced through two different processes, the same does not imply that resultant product becomes different. In any case, it is noted that the domestic industry also produces the subject goods by adopting the micro suspension process. Thus, it is noted that the difference in the process employed, cannot lead to different products, unless the resultant products themselves differ in terms of essential product properties. It is possible that each producer may have its own process to manufacture the product; but the difference in the production process would be immaterial as long as the resultant product's properties are the same.

6.8 However, the domestic industry has clarified that the 'Product under consideration' does not include PVC Blending Resin and Co-polymers of the PVC Paste Resin as they have not been producing them. Besides, the domestic industry further clarified that they are no longer producing the Battery Separator Resin and have no objection if the same is excluded. Thus, apart from PVC Suspension Resin, the Authority has decided to exclude PVC Blending Resin, co-polymers of the PVC Paste Resin and Battery Separator Resins

from the ambit and scope of the product under consideration and consequently from this investigation.

6.9 The domestic industry has submitted customer-wise sales data, which has been compared with the imports of the subject goods in India. It has been seen that there are quite a few customers who have procured the subject goods both from the subject countries and as well as the domestic industry, which gives credence to the claim of the domestic industry that they offer comparable grades to the customers *vis a vis* the grades of the subject goods imported by them.

The Authority also notes that PVC paste resin can be used both for top coat and foam coat. The domestic industry has contended that the same grade produced and supplied by them is used by the consumers for both top and foam coat. The domestic industry has further contended that in fact there are three layers of leather cloth, top coat, base coat and form coat and all the three coats are prepared by the consumers using the same grade of PVC paste resin supplied by the domestic industry.

With regard to like articles, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

6.10 The Authority notes that though PVC paste resin has a number of grades and sub-types, all of them have similar physical and chemical characteristics and end-uses; even though specifications in terms of K values and other parameters are controlled by the manufacturers to produce these grades. LCPMA has submitted some copies of Bills of entries claiming to have imported PVC paste resin of K value more than 78 K. However, the domestic industry has claimed that they have the capacity to produce PVC paste resin of K value more than 78K.

6.11 After considering the information on record, the Authority notes that the product produced by the domestic industry is like article to the product under consideration exported from the subject countries as the product produced by the domestic industry is comparable to the imported subject goods in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.

6.12 Thus, the goods produced by the applicant domestic industry is like article to the product under consideration in terms of the AD Rules.

6.13 As regards the issue that imports constitute only 6% of total demand in India and that there is huge demand-supply gap in the country and PVC Resin business in India is

absolutely a monopoly; the Authority is of the considered view that the AD Rules do not stipulate that the domestic industry must meet the entire demand of the PUC in the country or even a particular percentage thereof. Further, there is no prohibition that a single industry that is being injured on account of dumping cannot seek redressal under the AD mechanism.

6.14 Besides, the Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

6.15 As regards the issue that the CIF price for supply of PVC Paste Resin from the subject countries are almost at parity and in line with the international prices is concerned; the Authority notes that parity with international prices is not the touchstone to determine whether dumping and consequent injury is taking place.

6.16 As regards the issue of volatility of the prices of raw materials during POI is concerned; the Authority has noted the same and acceding to the request made by some interested parties, has undertaken the injury and dumping margin computation on a month-wise basis.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & 'STANDING'

7. At the time of the initiation of this investigation, Rule 2(b) of the AD Rules read as follows:-

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry".

7.1 However, the Rule 2(b) of the AD Rules has been amended to read as:

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers may be deemed not to form part of domestic industry".

importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only"

Submissions made by other Interested Parties

7.2 Some interested parties have contended that in the present investigation, the application for anti-dumping duty was filed by M/s Chemplast Sanmar Ltd; whereas there were 2 more producers of PVC Resin, namely M/s DCM Shriram Consolidated and M/s Dharangadhra Chemical Works. The Authority was requested to procure more information from these companies and then re-compute the standing of the domestic industry. It was further contended that Authority should not restrict the injury analysis to the petitioner company and should also cover other domestic producers as well because the injury caused by alleged dumped imports would also affect other domestic producers as well.

It has been contended that M/s Chemplast Sanmar has imported PVC Suspension Resin from Korea and hence it does not have the 'standing' to file the application.

Submissions made by M/s Chemplast Sanmar Ltd.

7.3 M/s Chemplast Sanmar Ltd has submitted that only petitioner and M/s Finolex Industries Ltd. produce the subject goods. All other companies do not produce the product under consideration. It has been further stated that PVC Suspension Resin and Paste/Emulsion Resin are different products. Therefore, a possible import of PVC Suspension Resin is wholly immaterial to the present case.

Examination by the Authority

7.4 As clarified above, PVC Suspension Resin is not within the scope of the PUC and hence any import of PVC Suspension Resin is irrelevant in context of the present case. The Authority enquired about the above issue regarding the production, if any, by M/s DCM Shriram Consolidated and M/s Dharangadhra Chemical Works. In response to specific queries made by the Authority, both the companies viz. M/s DCM Shriram Consolidated and M/s Dharangadhra Chemical Works have clarified that they do not produce the subject goods. As regards M/s. Finolex Industries Ltd., the company was specifically requested to furnish the injury data but the company has not filed any information/data despite the request.

7.5 In view of the above, the Authority notes that the Application has been filed by M/s Chemplast Sanmar Ltd. on behalf of the domestic industry. Though there is one more producer of the subject goods namely M/s. Finolex Industries Ltd. but M/s Chemplast Sanmar Ltd. is a major producer of the subject goods in India as it accounts for 78.97% of total Indian production of the subject goods. Therefore, M/s Chemplast Sanmar Ltd satisfies the requirement of 'Standing' and constitutes 'domestic industry' within the meaning of the AD Rules.

D. Period of Investigation**Submissions made by the Interested Parties**

8. The period of investigation is more than 6 months prior to the date of initiation and overlaps with the Review POI in the separate Sunset Review concerning imports of PVC from the European Union and the Kingdom of Saudi Arabia. Thus the injury caused by imports of PVR from the EU and Saudi Arabia may be filtered and sorted. Moreover, the POI isn't representative as required by ADA since it was distorted by both high volatility and global recession

8.1 It has been contended that the period of investigation in the present case is too short and includes the months during which the movement of raw materials and polypropylene prices was erratic due to global recession. The period of investigation should be fixed for a period of 18 months for a fair and proper analysis.

8.2 It has been contended that the Authority had erred in considering a period of investigation which ends almost 7 months prior to date of initiation. It was argued that there is no law which prohibits taking such POI, yet the WTO Recommendation makes it clear that the POI should be as close to the date of initiation as practicable. It was further argued that selection of POI becomes even more important in present investigation where the POI coincides with the period of economic recession and global meltdown.

Examination by the Authority

8.3 Neither the AD Rules nor the Anti-dumping Agreement mentions any fixed period as to what should constitute 'Period of Investigation'. Further, they do not provide any guidelines regarding the time gap between the initiation of investigation and this period of investigation. Thus, there is no prescription or restriction with reference to the period of investigation and its time gap between the initiation of investigation and this period of investigation.

8.4 It is however, observed that the application in the instant matter was received by the Authority in the first week of August 2009. As also observed in the preliminary findings, the preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented and the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation.

8.5 Thus, the Authority is of the view that the period of investigation in the instant matter has been appropriately chosen, covering the most recent available data on the subject. However, considering significant movements in the prices of raw-materials and that of the subject goods during the POI, the analysis of the data has been undertaken on month-wise basis.

E. CONFIDENTIALITY

Submissions made by interested parties

8.6 **Excessive confidentiality:** It has been stated that in the petition as well as the preliminary findings, information has not been adequately provided to comment upon the same. Confidentiality has been claimed for even the publicly available information such as PBT, PBIT, average inventories, number of employees, etc. In fact, information has not been provided in indexed form. Thus, the rights of the interested parties to defend their interests have been largely curtailed.

8.7 On its part, FPC has contended that it has in line with Rule 7 of the AD Rules claimed confidentiality on the parts of the data which is to be confidential and to the extent possible has provided indexed data for the same.

Examination by the Authority

8.8 The Authority notes that information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

F. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Submissions made by some interested parties

9.1 **Normal value:** Normal value has been incorrectly determined as Vinyl Chloride Monomer is the basic raw material whose cost in the concerned country has not been taken. Erroneous raw material cost has been claimed by the petitioner while constructing Normal value. Neither the petitioner nor any of the exporters use superior kerosene, which is nothing but aviation fuel, as a raw material for producing PVC resin.

9.1 **Dumping Margin Calculations:** FPC has requested to disclose the dumping margin calculations along with the disclosure statement which facilitates them to comment upon the same. It has been further requested that the methodology and calculations used to determine the landed value for FPC may also be disclosed to them.

9.2 **Month-wise comparison for Profitability:** FPC has further submitted the investigation involves numerous grades and considering the factual situation that the Period of Investigation covers a recessionary period, the Authority while computing the monthly average normal value should take into consideration the profitable sales calculated for the period as a whole for the simple reason that either some of the specific grades are not produced during the relevant period when sold as also the specific grade must not have

been sold in the domestic market during the relevant period it was exported. Therefore, given the methodology to be adopted in such situations, it is recommended that the Authority either conducts a weighted average dumping margin analysis for the Period of Investigation as a whole or conducts a transaction to transaction method as stated under Article 2.4.2 of the WTO Agreement taking into consideration all the nuances concerning profitability, adjustments etc, if the Authority goes ahead to conduct the analysis on monthly basis.

9.3 It has been further submitted that considering that there have been significant changes in the cost of production and selling price from month to month during the POI due to the economic downturn of 2008-2009, it is prayed that the Authority work out the Normal Value separately for each month. It has been averred that the rule provide for consideration of two costs – (a) cost at the time of sales; and (b) weighted average cost of production for the investigation period. Weight average cost of production for the investigation period cannot be seen as ‘weighted average cost of production for the month.’ However, in cases where the comparison is conducted based on sub-periods due to the significant fluctuation during the IP, the weighted average cost of production relevant for the normal value calculation must be the weighted average cost of the sub-periods, that is, weighted average quarterly cost for quarterly-wise comparison, and monthly cost for monthly-wise comparison.

9.4 80/20 Test to be done for the Entire POI: FPC has further contended that the Authority should conduct the 80/20 test for the entire POI and not on a monthly basis. It has been contended that this has been a regularly followed practice previously for the Authority and should therefore not be changed and that the same was also followed in the matter of Final determination of ‘Phenol’ from Japan and Thailand.

9.5 M/s Hanwha Chemical Corporation in response to the initiation notification, in brief, has submitted the following:

Constructed Normal Value and NIP have been wrongly determined and so is the determination of dumping margin. There is no history of dumping by Hanwha, the Provisional dumping margin appears to be high and distorted.

9.6 Submissions made by Domestic Industry

It has contended that:

- Petitioner has adopted constructed normal value approach and has considered estimates of cost of production of PVC Paste Resin in the subject countries.
- Chlorine is used to produce EDC. EDC is used to make VCM, which is used to make PVC Slurry. PVC Slurry is used to make PVC Resin. Further, the domestic industry considers EDC as the raw material for PVC. The company can use either its own EDC or purchase the same or sell the same.

- The producer/exporter from China PR had neither filed responses nor has claimed market economy treatment and that the Authority has rightly regarded China PR as a Non market economy.
- Petitioner suggested determination of normal value on the basis of constructed value in Thailand.
- Export price was determined by the petitioner considering volume and value of imports for the period of investigation as per data released by secondary source i.e. International Business Information Service, Mumbai.
- The petitioner has claimed various adjustments based on market information and general experience on the basis of most conservative estimates and determined dumping margin considering the normal value and export price,

Examination by the Authority

10.1 As regards disclosure of dumping margin calculations is concerned, the same have been disclosed to the concerned respondents along with the Disclosure statement. As regards the issue of Constructed Normal Value and NIP in the initiation notification is concerned, the Authority notes that the domestic industry is required to provide information that is reasonably available to it and sufficient information was made available to justify initiation of the investigation in the instant matter. Thereafter, other interested parties are expected to file their questionnaires responses and thereby assist the Authority reach an impartial and objective findings. The Authority addressed all known interested parties to make available the relevant information. In the present investigation, wherever, the interested parties have submitted their actual data and have cooperated with the Authority; after verification of the information/data, the same have been adopted by the Authority for the purposes of determination of dumping, if any, by the concerned respondents.

G. NORMAL VALUE

10.2 The Authority sent questionnaire to the known exporters from subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. Response to the questionnaires were received from the following companies –

S.No.	Name of Interested Party	Country
1.	M/s LG Chem Ltd.	Korea RP
2.	M/s Hanwha Chemical Corporation	Korea RP
3.	M/s Mitsui & Co. Ltd.	Japan
4.	M/s Kaneka Corporation	Japan
5.	M/s. Kaneka Paste Polymers Sdn Bhd	Malaysia
6.	M/s. Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd.	Malaysia

7.	M/s. Formosa Plastics Corporation	Taiwan
----	-----------------------------------	--------

Determination of Normal value in respect of Exporters / Producers from China PR

10.3 Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

10.4 The Authority indicated, in the initiation notification that the applicant has claimed that China PR is a non-market economy and Thailand could be considered as a market economy as an appropriate surrogate country. The Authority invited comments from the interested parties in accordance with para 7 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that none of the producer/exporter from China PR has responded to the initiation notification. Thus, none of the Chinese producers have claimed market economy treatment. Further, none of the interested parties have offered any comment on the choice of appropriate third country as suggested by the Applicant. The Authority notes that while suggesting consideration of Thailand as appropriate market economy third country, the domestic industry has not provided appropriate justification in support of its claim, nor has it established that Thailand is an appropriate market economy third country on the basis of the level of development of the country concerned and the product in question. The Authority is therefore unable to treat Thailand as an appropriate market economy third country.

10.5 In view of the above, the Authority has proceeded to determine the Normal value in case of China PR in terms of para-7 of Annexure-I to the AD Rules and has determined it on the basis of "any other reasonable basis". Accordingly, the normal value has been determined in respect of China PR on the basis of the cost of production in India, duly adjusted, to include SGA and profits. The normal value so determined comes to *** US\$/MT.

Normal value in respect of Japan, Korea RP, Malaysia, Russia, Taiwan and Thailand – responding exporters

10.6 As stated, response to questionnaire was filed by the following companies:

S.No.	Name of Interested Party	Country
1.	M/s LG Chem Ltd.	Korea RP
2.	M/s Hanwha Chemical Corporation	Korea RP
3.	M/s Mitsui & Co. Ltd.	Japan
4.	M/s Kaneka Corporation	Japan
5.	M/s. Kaneka Paste Polymers Sdn Bhd	Malaysia
6.	M/s. Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd.	Malaysia
7.	M/s Formosa Plastics Corporation	Taiwan

10.7 As the above-mentioned companies have submitted their questionnaire responses, the Authority has determined individual dumping margin in respect of these companies. The methodology adopted for determination of Normal values is as follows:

General methodology followed for the responding exporters for determination of Normal Values

10.8 After the preliminary findings, some of the interested parties, *inter alia*, contended that there had been volatility of the prices of the subject goods during the Period of Investigation. Taking note of this fact, it was decided to undertake a month-wise analysis of the entire data for the determination of dumping, if any; and consequent injury. Necessary data from the interested parties (who had filed their submissions) was called for undertaking the analysis on a month-wise basis.

10.9 It was first seen, whether the domestic sales of the subject goods by the responding exporters/producers in their home markets were representative and viable for permitting determination of Normal values on the basis of their domestic selling prices and whether the ordinary course of trade test was satisfied as per the data provided by the respondents. In their responses, the respondents have provided transaction-wise details of sales made in their home markets. The information so provided has been relied upon to determine separate weighted average domestic selling price for each grade/type of the subject goods to the extent feasible. For the determination of the ordinary course of trade test, the costs of production of the product concerned have been accepted as found during the on-the-spot verification. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the costs of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade. It was also seen whether the loss-making transactions account for over 20% of the sales or not. Wherever the profitable domestic sales transactions were found to be accounting for more than 80% of total sales, the weighted average price of the domestic sales have been taken into consideration. However, wherever the profitable sales volume were found to be less than 80%, the weighted average price of the profitable domestic sales has been taken into consideration; and wherever such determination was not feasible, the cost to make and sell the subject goods

from Appendix 8B plus profits has been considered for determination of the Normal value.

M/s LG Chem Ltd. , Korea RP

10.11 The response filed by the company was perused, which has been filed product grade-wise and month-wise. It is seen from the questionnaire's response that the company have given product grade-wise and month-wise costing. The SGA expenses have been claimed on the basis of turnover. It is noted that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix 8B of the response has been accepted as verified during the on-the-spot verification for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. The adjustments thereof have been allowed as noted during the on-the-spot verification. Based on such a determination, the Normal value works out to *** US\$ per MT.

M/s Hanwha Chemical Corporation, Korea RP

10.12 The response filed by the company was perused, which has been filed product grade-wise and month-wise. It is seen from the questionnaire's response that the company has given product grade-wise and month-wise costing. The SGA expenses have been claimed and apportioned on the basis of turnover. It is noted that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix 8B of the response has been accepted, for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. The adjustments thereof have been allowed as noted during the on-the-spot verification. Based on such a determination, the Normal value works out to *** US\$ per MT.

M/s. Formosa Plastics Corporation, Taiwan

10.13 The response filed by the company was perused, which has been filed product grade-wise and month-wise. It is seen from the questionnaire's response that the company has given product grade-wise and month-wise costing. The SGA expenses have been claimed and apportioned on the basis of turnover. It is noted that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix 8B of the response has been accepted, for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. The adjustments thereof have been allowed as noted during the on-the-spot verification. Based on such a determination, the Normal value works out to *** US\$ per MT.

M/s. Kaneka Paste Polymers Sdn Bhd through M/s. Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd.

10.14 It was seen that M/s. Kaneka Paste Polymers Sdn Bhd has also exported the subject goods through M/s Sojitz Corporation, but the relevant data has not been submitted to the Authority and the response is restricted to exports of the subject goods by M/s. Kaneka Paste Polymers Sdn Bhd through M/s. Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd. The

responses filed by the producer and exporter were perused, which has been filed product grade-wise and month-wise. It is seen from the questionnaire's response that M/s. Kaneka has given grade-wise and month-wise costing. The SGA expenses have been claimed on the basis of turnover. It is noted that the domestic sales meet the sufficiency test. The cost of production of the subject goods as indicated in Appendix 8B of the response has been accepted, for the purposes of carrying out the ordinary course of trade test. The adjustments thereof have been allowed as noted during the on-the-spot verification. Based on such a determination, the Normal value works out to *** US\$ per MT.

Determination of Normal value in respect of Non-Co-operative Exporters / Producers

10.15 The Authority notes that none of the exporters/producers from Russia and Thailand have responded to the exporter' questionnaire. Therefore, the Authority is constrained to construct their Normal values on the basis of 'facts available' in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. For this purpose, the Normal value has been, *inter alia*, determined considering international prices of raw material i.e. EDC for the respective country as per prices published by Vinyl Chloride Magazine (published by Harimann Chemsult) and conversion costs of the domestic industry.

10.16 Besides, no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods from Korea RP, Malaysia and Taiwan. Therefore, the Normal values in their cases have been determined on the basis of 'facts available'.

H. EXPORT PRICE

Export price for the responding exporters

11. The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporters could be determined on the basis of questionnaire' responses filed by them. The export prices and the adjustments thereof have been allowed as noted during the on-the-spot verification.

M/s LG Chem Ltd. , Korea RP

11.2 The respondent has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. The adjustments on account of logistic expenses, credit expenses, ocean insurance, customs agent fee, commission, packing expenses, duty drawback have been allowed as noted during the on-the-spot verification.

M/s Hanwha Chemical Corporation, Korea RP

11.3 The respondent has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. The adjustments on account of inland freight, ocean freight, marine insurance, handling, custom brokerage, commission, credit expenses etc have been allowed as noted during the on-the-spot verification.

M/s. Kaneka Paste Polymers Sdn Bhd through M/s. Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd.

11.4 The respondents have furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. The adjustments on account of commission, inland transportation, overseas transportation, overseas insurance and credit cost have been allowed as noted during the on-the-spot verification.

M/s. Formosa Plastics Corporation, Taiwan

11.5 The respondent has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. The adjustments on account of inland freight, trade promotion fee, harbour service fee, ocean freight, marine insurance, commission, clearance-handling and loading, bank charges and negotiation interest etc have been allowed as noted during the on-the-spot verification.

Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/Producers

11.6 Since no other response has been received from any other producer/exporter of the subject goods; the Authority has determined the Export prices as per 'facts available' in terms of Rule 6(8) of the AD Rules. The data has been collated as per the information provided by the applicant and the information provided by the co-operative exporters.

I. DUMPING MARGIN

12. Considering the Normal values and Export prices as determined above, the dumping margins have been determined as follows:

In US\$MT

S. No.	Country - Producer/Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %
China PR					
1.	All producers and exporters	***	***	***	31.70%
Korea RP					
2.	M/s LG Chem Ltd.	***	***	***	(4.79) %
3.	M/s Hanwha Chemical Corporation	***	***	***	(3.7) %
4.	All other producers and exporters from Korea RP	***	***	***	51.53%
Malaysia					
7.	M/s Kaneka Paste Polymers Sdn Bhd through Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd	***	***	***	33.06%
8.	All other producers and exporters from Malaysia	***	***	***	33.06%
Russia					
9.	All producers and exporters	***	***	***	49.45%

Taiwan					
10.	M/s Formosa Plastics Corporation	***	***	***	1.75 %
11.	All other producers and exporters from Taiwan	***	***	***	30.18%
Thailand					
12.	All producers and exporters	***	***	***	19.36%

J. INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions made by other interested parties

Submissions made by Kementerian Perdagangan Antarabangsa Dan Industri, Malaysia (Ministry of International Trade & Industry, Malaysia).

13. The Government of Malaysia, in brief, has stated that on a perusal of the preliminary finding they find that the capacity of Indian producers have remained constant during the injury period at 34,080 MT but the demand of the subject goods have increased gradually to 52,540 MT during the injury period. Accordingly, they are of the view that the production and sales of the subject goods by the domestic industry could not cope with the pace of increase in demand and this has inevitably resulted in the importation of the alleged product to fulfill the demand.

It has been further stated by them that the Authority must examine all the fifteen economic factors and indices as are enshrined in Article 3.4 of the WTO AD Agreement.

Submissions made by Embassy of Republic of Korea

13.1 The Government of the Republic of Korea has, in brief, commented as follows:

- There is no causal link between imports and material injury as the increase in imports from Korea RP during the POI was due to unusual shortage of supply of the subject goods in India.
- Referring to the Annual report of the domestic industry, it has been contended that the production of the PVC Paste Resin decreased while that of PVC Suspension resin increased and this was due to fall in demand for products that used PVC paste resin such as leather, automotive and electronic products.
- The import prices from Korea RP did not affect the domestic prices as Korean producers have a minor market share and thus are not able to set or suppress the Indian market price.
- There is an insufficient material injury as a company that suffers a loss would not invest substantial money to build new production facilities.
- It has been stated that issues such as the global recession, vitality in the oil market, drop in domestic demand for leather cloth should also be examined as the main caused for the alleged injury to the domestic industry.

Department of Foreign Trade, Thailand

13.2 The Department, in brief, has submitted the following:

- The increase in imports of PVC Paste Resin in volume terms did not cause material injury to the domestic industry. The domestic industry was still able to increase the domestic unit selling price as well as enjoying increase in assets and working capital.
- Injury, if any, was suffered by the domestic industry only and not by the Indian industry and it has not been demonstrated that same was the result of dumped PVC Paste Resin from the subject countries.
- A significant reason of increase in imports is due to a delayed effect of the decrease in custom duty on the product in 2006-07 from 10% to 5%.
- Even though the volumes of imports of PVC Paste Resin from Thailand have increased, the market share of imports has consistently declined.
- Injury, if any, to the domestic industry has been contributed by an increase in the imports of PVC Paste Resin from EC or the increasing wage bill for a decreasingly productive work force.

Department of Trade Negotiations, Ministry of Economic Development of the Russian Federation

13.3 The Department, in brief, has submitted the following:

The share of Russian imports in the total imports of subject goods in India has been insignificant and ranges between 2.14% and 7.60%; which reduced to 3.40% by 2008-09 as against increase in the imports from other countries.

13.4 M/s Vinythai Public Company Ltd., Thailand

It has been contended that the imports have not caused or are threatening serious injury to the domestic producers as their exports to India were negligible representing less than 0.4% of the total market and less than 0.8% of total imports.

13.5 LCPMA

LCPMA has contended as follows:

- The prices of raw material were volatile during the POI. Therefore, injury should be calculated month-wise.
- The Applicant domestic industry has common capacity to produce all grades of PVC Resin. Moreover, it produces Suspension grade which is more profitable product and less of PUC and has mis-declared its capacity of PUC to take undue advantage of injury due to decline in its capacity utilization.

- High depreciation and Repair & Maintenance cost has been claimed by the domestic industry.
- There is no Casual link between imports and alleged injury to domestic producers. The injury if any to the domestic industry is on account of factors other than imports/dumped imports. The domestic industry has itself admitted that its performance for POI has been adversely affected by recession, decline in demand and factors like stock losses, low price imports of leather cloths, slowdown in automobile and retail home segment etc and not due to dumping. The impact of global recession on the domestic industry needs to be examined.
- IBIS data has been taken for analysing imports instead of DGCI&S which is more authentic and easily available to the Authority.
- The super normal profit of M/s Finolex Industries suggests that there is no injury on account of so called dumping.
- The domestic industry has limited capacity as compared to demand in India.
- The domestic industry has adopted different NIP of the same product in same POI for the same manufacturer, which cannot be possible.
- The domestic industry always adopts an undue protectionist approach. It wants to block the imports from all countries to create a monopoly in their favour by eliminating competition.
- For calculation of NIP, the market price of VCM should be taken.
- The imposition of AD duty is against public interest. The domestic industry is taking undue advantage of this demand supply gap in India by charging exorbitant prices.
- Antidumping duty should be recommended on reference price basis due to wide fluctuation in the prices of PVC Paste Resin.

Submissions made by M/s Hanwha Chemical Corporation

13.6 The following submissions, in brief, have been made by the company:

- a. There was no decline in import prices (import prices increased substantially).
- b. Domestic Selling price has increased substantially and even after decline in Crude prices.
- c. Cost of production has been increased disproportionately by reasons not attributable to imports, but for unforeseen factors and management failure.
- d. Even during the base year 2005-06, the domestic industry could not pass whole cost on to the customers. In-competitive cost of production is their long standing intrinsic problem and loss or low profitability is the consequence. Import is not a cause of injury to them.

- e. The injury claimed is artificial; otherwise the company would not have ventured with another Rs. 800 crores additional plant for increasing capacity.
- f. No market segmentation by use has been done and no comparison of conditions of competition between imports from different Subject Countries has been done though cumulative assessment is claimed.

Submissions made by the Domestic Industry

13.7 The submissions made by the domestic industry with regard to injury and Causal link, in brief, are as follows:

- (a) Product under consideration is being exported from the subject countries and country attracting ADD at dumped prices;
- (b) Domestic industry has suffered injury inspite of existing anti-dumping duties due to significant dumping from these new sources and continued dumping from Europe;
- (c) Imports from the subject countries and country attracting ADD have increased in absolute terms and in relation to total imports, production and consumption in India.
- (d) Performance of the domestic industry has deteriorated in terms of production, capacity utilization, sales values & volume, profits, return on investments, cash flow, and market share.
- (e) Capacity utilization of the domestic industry remained sub-optimal in spite of existence of significant demand.
- (f) Dumped imports are at prices significantly lower than the cost of production of domestic industry that has resulted in suppression of the domestic prices of the subject goods.
- (g) Price undercutting individually and collectively is positive.
- (h) The domestic industry has suffered material injury.
- (i) Anti-dumping duty is required to be imposed, considering the dumping margin and injury margin.
- (j) As regards the allegation that they had reduced production of Paste PVC resin and instead increased production of PVC Suspension resin; the domestic industry has contended that the interested parties agree that performance of Paste PVC resin was worse than PVC Suspension resin. It has been stated that the reason for adverse performance of PVC Paste resin was in presence of dumped imports in the market, because of which they were not in a position to get fair price for their product in the market. Thus, they mitigated its injury by utilizing paste facilities for production of PVC Suspension resin to the extent to which it was feasible within the limited flexibility available with them.
- (k) It has been stated that they do not have the flexibility to completely switch between PVC Paste resin and PVC Suspension resin and that such flexibility is quite limited. Further, this flexibility at polymerization stage, where they can interchangeably use the facilities between PVC paste resin & PVC Suspension resin. However, they have considered the bottleneck in drying operation for deciding capacity for the present purpose.
- (l) Since Annual Report is intended to provide full overview to the share holders, its scope is not only limited to the performance of products that are manufactured by the

company, but also extends to performance of the raw materials and downstream products.

- (m) Anti-dumping investigation distinguishes and differentiates between product under consideration, its raw materials and downstream products. Therefore, statements made in the Annual Reports have to be appropriately considered for the purpose of anti-dumping investigations.
- (n) Other interested parties have incorrectly and without any basis assumed that they have adopted significantly higher cost on account of depreciation, merely because depreciation cost in the Annual Report has increased (because of commercialization of different products).
- (o) The expenses before commencement of commercial production in respect of plants have been capitalized by the company consistent with GAAP. Thus, in any case, neither capital expenditure nor expenditure flowing from delay in commissioning is included in the profits charged to the product under consideration during the injury period.
- (p) It has been argued by some interested parties that Finolex industries has earned profit in Paste PVC and made reference to their Annual Report without bringing full facts before the Authority. The fact is that Finolex industries is primarily engaged in the production of Suspension PVC and not Paste PVC. In fact, as against over 247,000 MT of total PVC production, production of paste PVC by Finolex industries is below 10,000 MT.

14. Examination by the Authority

- The Authority has examined all the fifteen economic factors and indices as are enshrined in Article 3.4 of the WTO AD Agreement and the AD Rules as would be evident from these findings.
- The Authority has taken cognizance of volatility in the prices of raw materials during the POI and hence has undertaken the injury analysis on month-wise and determined the Injury margin accordingly.
- Capacities of PVC Paste resin and PVC Suspension resin are interchangeable: As regards the capacity of PVC paste and suspension being interchangeable, it has been admitted by the domestic industry that the capacities as far as polymerization of the VCM are concerned, are interchangeable. However, so far as the drying process is concerned, the technology for drying the PVC suspension resin and the PVC paste resin are completely different and cannot be interchanged. During the verification of the information submitted by the domestic industry, it was noted that the domestic industry has dedicated and separate drying facilities both for the PVC suspension resin and the PVC paste resin. Based on the technical data submitted by the domestic industry and duly certified by the management, it has been stated that the domestic industry has drying capacities for the PVC paste resin to the extent of 34060 MT per annum. Therefore, so far as PVC Paste is concerned the drying capacity becomes the

limiting factor and has been adopted as the basis for the purpose of the present analysis.

Based on the installed capacities for the PVC paste resin, there has been decline in the capacity utilization of the domestic industry from 90.34% in 2005-06 to 68.32% during the POI. On the other hand the capacity utilization in respect of PVC Suspension Resin for the same period has increased from 98.22 % to 127.17%.

It has been claimed by some of the interested parties that the domestic industry has deliberately and willfully switched over its capacities from the PVC paste resin to PVC Suspension resin which is more profitable. The issue has been examined. In this regard the Authority has analyzed the production records as well as the profitability records of the domestic industry for the POI and the previous three years both for PVC Paste resin as well as PVC Suspension resin. It is noted that there has been an increase in the quantum of loss suffered by the domestic industry both in respect of PVC suspension resin as well as for the PVC paste resin. The profitability of the domestic industry from the PVC paste resin declined from a loss of Rs. *** lakhs in 2005-06 to Rs. *** lakhs during the POI. Therefore, there was almost *** times increase in the loss suffered by the domestic industry for the product under consideration. On the other hand, the losses of the domestic industry on account of suspension resin increased from Rs. *** lakhs to Rs *** lakhs showing an increase of *** times. Thus, the contentions of some of the interested parties that the business of suspension resin was more profitable and therefore, the domestic industry has switched over the production from PVC paste resin to PVC suspension resin is baseless. However, the Authority further notes that given the interchangeability of capacities between PVC suspension resin and PVC paste resin, the changes/ decline in the level of production and capacity utilization alone has not been formed as the basis for determination of injury to the domestic industry. In the matter of determination of injury to the domestic industry, the Authority has been guided by all the relevant parameters as laid down in the AD Rules, which have been discussed at appropriate placed in these findings.

In order to analyse any correlation between the profitability of PVC paste resin *vis-à-vis* PVC suspension resin, the Authority has also examined the cost, net sales realization and profitability structure of both the PVC suspension resin and the PVC paste resin. The Authority notes that while the average sales realization of the domestic industry from the PVC suspension resin was around 83% of the sales realization for the PVC paste resin, the losses suffered by the domestic industry both for the PVC suspension resin and the PVC paste resin were almost identical at 23%. A further month-wise analysis of the profitability of the domestic industry for both the PVC suspension and the PVC paste resin indicates that in some of the months in the POI, the losses of the domestic industry for the PVC suspension resin as % of the net sales realization were significantly higher than for the PVC paste resin. Therefore, the Authority does not concur with the contention of the interested parties that the domestic industry had deliberately and willfully switched over the production capacities (which are interchangeable between PVC suspension resin and PVC paste

resin) to PVC suspension resin and the reduction of production and capacity utilization of the PVC paste resin was deliberate and the injury is self inflicted.

- **High Depreciation and Repair and Maintenance Cost:** It has been contended by some of the interested parties that there is an abnormal increase in the expenses on account of depreciation and repair and maintenance of domestic industry for the period of investigation. This has been attributed as one of the reasons for the losses suffered by the domestic industry. The issue has been examined by the Authority. The Authority notes that the present investigation relates to a particular product i.e., the PVC paste resin. The Applicant company is a multi-product and multi-unit company and the balance sheet of the company reflects its actual cost and profitability not only for the PUC but for also other activities of the company. So far as the expenses of the company for the period of investigation are concerned, for the purpose of the present investigation, only the expenses relevant to the PUC are important. Based on the audited accounts and the cost records maintained by the domestic industry, no unusual increases in the expenses under the head depreciation and repairs and maintenance have been noted by the Authority. Further, only the expenses actually incurred by the domestic industry in the ordinary course of trade have been considered for injury analysis as well as for determination of Non-injurious selling price for the domestic industry.
- **Losses due to fluctuations in the prices of raw materials:** It has been contended by some of the interested parties that as per the domestic industry's audited accounts, some of the losses suffered by it are on account of raw materials which were purchased by it at abnormally high prices. Therefore, the losses to that extent, as suffered by the domestic industry, cannot be attributed to dumping. During the verification of the information of the domestic industry, the company was requested to furnish a complete reconciliation of its audited accounts with the cost of production for various activities. Based on the reconciliation of the data on the profitability, based on finance accounts and cost accounts, the Authority notes that the petitioner company suffered losses to the extent of Rs *** lakhs on account of raw materials, which it had procured at higher prices. It is clarified that the losses suffered by the domestic industry, being of unusual and non recurring nature, have not been considered as a part of the cost of production for the purpose of working out the NIP for the domestic industry for the present investigation. Further, in the matter of determination of injury by the domestic industry including the losses suffered by the domestic industry, the unusual and non-recurring losses, as mentioned above, have been excluded.
- **Super normal profits of M/s Finolex Industries:** As regards the claims by some of the interested parties that one of the producers of the subject goods M/s Finolex industries have not suffered any injury on account of so called dumping and instead have earned super normal profits; the Authority notes that no documents in support of these claims have been furnished to the Authority. It is further stated that M/s Finolex industries was requested to make available the requisite information as would be relevant for the

present investigation; but no material in this regard has been submitted by M/s Finolex industries. However, based on the published records for M/s Finolex Industries Ltd., the Authority notes that M/s Finolex Industries is also a multi- product company having a number of activities. Therefore, no conclusion could be drawn on the profitability or injury suffered by M/s Finolex industries, if any due to dumping of the subject goods in the instant matter.

- **Different NIPs for the same product for the same Period of Investigation and for the same period of investigation:** It has been alleged by some of the interested parties that the Authority has adopted different non-injurious selling prices for the same product in the same Period of Investigation and where the domestic industry was represented by the same manufacturer. The allegations made by the interested parties in this regard have been verified and found to be without any basis. It is clarified that the Authority has not adopted different NIPs for the same product, where the Period of Investigation and the manufacturer happens to be the same.
- **Losses due to delays in the commissioning of plant:** It is claimed by some of the interested parties that the domestic industry suffered losses due to delays in the commissioning of some of their plants. As stated in these findings, the present investigations are restricted to the injury suffered by the domestic industry due to the product under consideration i.e., PVC paste resin. The delays in the commissioning of some of the plants of the company at different locations and for activities other than the PUC are not relevant to the present investigation. Thus, such losses if any, have no bearing in the present investigation.
- **Cost of production of the Domestic Industry:** M/s Hanwha Chemical Corporation in their submissions have drawn inferences with regards to the cost of production for the domestic industry based on published data for various elements of Cost. It is stated that so far as the cost of production of the domestic industry is concerned, it is the cost accounts data and the financial records of the domestic industry which are relevant. The Authority has considered only the cost of production of the domestic industry as verified from the cost accounts records and the financial records duly maintained by the domestic industry in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP). As stated herein above, the Authority has also reconciled the cost records with the financial records in order to eliminate any non-recurring and extra ordinary element of expenditure.
- **Cost of Chlorine:** It has been contended by some of the interested parties that as far as the domestic industry is concerned, chlorine is the base raw material for manufacture of PVC, which uses Vinyl Chloride Monomer as prime feedstock. Chlorine is used to make EDC, which is further processed to make VCM. It has been further claimed by some interested parties that the petitioners claim of injury on the pretext of rising raw material cost are untenable as cost of chlorine in India is lowest in the world. Therefore, it has been desired the issue as regards the cost attributed to Chlorine be looked into in detail. In this regard, the Authority has examined the methodology/

processes followed by the domestic industry for the purpose of manufacture of the PVC paste resin.

For the purpose of determination of Non-injurious selling price (NIP) for the domestic industry, the Authority has placed reliance on the cost and financial records maintained by the domestic industry and duly certified by a practicing Cost Accountant/ Chartered Accountant. The Authority notes that the feedstock for manufacture of PVC paste i.e., Ethyl Di Chloride (EDC) is procured by the domestic industry from different sources. The weighted average cost of the raw materials from different sources has been adopted by the Authority while arriving at the Non-injurious selling price for the domestic industry. Therefore, the suspicion/apprehensions expressed by the interested party of manipulations in the cost are completely unfounded and devoid of facts.

- The Landed price of imports of the subject goods from Korea RP during the injury period is as follows:

2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
49,531	54,099	50,843	53,598

It is seen that the landed price of the imports from Korea RP increased in 2006-07 period as compared to 2005-06 period, but declined in 2007-08 period. In 2008-09, though the import prices increased, but the increase has been lower than 2006-07 levels. However, the landed prices have been significantly below the non-injurious price.

- While it is correct to say that the domestic prices have increased, however, there is no direct linkage between the domestic prices and the crude prices. It is seen that inspite of the increase in prices of the subject goods, the domestic industry has been making losses because of presence of the dumped goods in the Indian market from the subject countries and as well as from the European Union.
- The Authority has noted that the cost of production has primarily increased because of increase in raw-materials prices.
- The Authority finds merit in the claim of the domestic industry that they was not able to pass on the increased cost of production to the customers because the anti dumping duty against EU was applied on reference price basis and that the reference price had never been effective due to increase in the cost of production, which in turn had increased due to increase in input prices. Therefore, in spite of imposition of duty against EU, the subject goods continued to land in India at dumped prices.

- It is seen that the domestic industry is not a single product company and has made investments keeping in view the market potential of different products it manufactures as it deemed fit.
- It is seen that there are same set of customers for the product concerned using the domestic product and imported product. Both are in competition for the same market.

15. Besides, the Authority has taken due note of various other submissions of the interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed injury to the domestic industry considering the facts available on record and the applicable law as follows:

Cumulative assessment

16. Annexure II para (iii) of the AD Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:-

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven percent of the import of like article and
- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

17. The Authority observes that:-

- The subject goods are being dumped into India from a number of countries.
- The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de-minimis* limits prescribed;
- The volume of imports from each of the subject countries except Japan is more than the *de-minimis* limits prescribed; hence investigation concerning imports of the subject goods from Japan is proposed to be terminated.
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market, which is evident from the following:-

- a. The products manufactured by the producers from the subject countries *inter-se* and in comparison to the products manufactured by the Applicant have

comparable properties. In other words, goods supplied by various subject countries and by the domestic industry are *inter-se* like articles.

- b. There are common parties who are resorting to use of the imported subject goods from various sources and the goods produced by the domestic industry. Both, the imported and the domestic subject goods, are being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported products and *inter-se* amongst imported products.
- c. The exporters from the subject countries and domestic industry have sold the product in the same periods to the same set of customers. The sales channels are comparable.
- d. The volume of imports from each of the subject countries is significant.

18. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.

19. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

20. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

Demand and market share

20.1 For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the subject goods, the sales volume of the domestic industry and other Indian producer have been added to the total imports into India, which has been summarized as under.

Demand	MT				
		38,430	38,516	39,114	49,513
Sales of domestic industry	MT	30,733	29,184	27,664	23,269
Sales of Other Indian producer	MT	3,195	4,891	5,402	5,997
Subject Countries - Imports	MT	2,579	2,771	5,657	16,246
Country attracting Duty-Imports	MT	840	891	271	2,986
Other Countries-Imports	MT	1,084	778	120	1,016

20.2 The Authority notes that the demand has shown a positive trend and increased significantly in the period of investigation as compared to the base year. The growth in demand during period of investigation over base year was about 28.83%.

Import volumes and market share

20.3 Annexure-II (ii) of the AD Rules provides that “while examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India ...” Thus, with regard to the volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

20.4 In view of significant difference in the volume of imports reported in the DGCI&S and IBIS data, the Authority compared the HS code-wise imports reported in the data from the two sources. The table below demonstrates the difference in the imports data from the two sources. It is noted that imports of the subject goods have been made under a number of classifications. The imports of the product under consideration as reported in the IBIS data is significantly more than what has been reported in the DGCI&S data and therefore the volume of imports has been assessed on the basis of the IBIS data.

COUNTRY	HS CODE	DGCI&S	IBIS	DIFFERENCE
CHINA PR	39042110	-	811	(811)
	39042190	-	300	(300)
	39042210	229	333	(104)
	39042290	-	100	(100)
	TOTAL	229	1,544	(1,315)
KOREA RP	39041090	-	598	(598)
	39042110	-	7,072	(7,072)
	39042190	-	178	(178)
	39042210	2,074	463	1,611
	39042290	-	28	(28)

	39049000	-	70	(70)
	TOTAL	2,074	8,409	(6,335)
MALAYSIA	39042210	474	-	474
	39013000	-	100	(100)
	39041010	-	575	(575)
	39042110	-	850	(850)
	TOTAL	474	1,525	(1,051)
RUSSIA	39042110	-	324	(324)
	39042210	432	396	36
	39042290	-	18	(18)
	TOTAL	432	738	(306)
TAIWAN	39042110	-	2,500	(2,500)
	39042210	379	471	(92)
	39049000	-	21	(21)
	TOTAL	379	2,992	(2,613)
THAILAND	39041090	-	29	(29)
	39042110	-	628	(628)
	39042210	293	336	(43)
	39042290	-	98	(98)
	39049000	-	168	(168)
	TOTAL	293	1,259	(966)

20.5 The Authority notes that:-

a) The imports from the subject countries have increased significantly in absolute terms in the period of investigation as compared to the base year. It is also noted that the increase in the imports is in respect of each of the subject countries.

Imports	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
China	MT	1	-	72	1,544
Korea REP	MT	1,092	946	2,386	8,404
Malaysia	MT	144	-	60	1,525
Russia	MT	162	108	504	522
Taiwan	MT	620	1,228	2,021	2,992
Thailand	MT	560	490	614	1,259
Imports-Total Subject Countries	MT	2,579	2,771	5,657	16,246

Imports-Country attracting duty	MT	840	891	271	2,986
Imports - Other Countries	MT	1,084	778	120	1,016
Total Imports	MT	4,502	4,440	6,048	20,247

b) The imports from the subject countries have increased in relation to the production in India as compared to the base year.

Market Share in Demand		2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Domestic industry	%	79.97%	75.77%	70.73%	47.00%
Other Indian Producers	%	8.31%	12.70%	13.81%	12.11%
Subject Countries - Imports					
China	%	0.00%	0.00%	0.18%	3.12%
Korea REP	%	2.84%	2.46%	6.10%	16.97%
Malaysia	%	0.37%	0.00%	0.15%	3.08%
Russia	%	0.42%	0.28%	1.29%	1.05%
Taiwan	%	1.61%	3.19%	5.17%	6.04%
Thailand	%	1.46%	1.27%	1.57%	2.54%
Total - Subject Countries	%	6.71%	7.20%	14.46%	32.81%
Country attracting Duty-Imports	%	2.18%	2.31%	0.69%	6.03%
Other Countries-Imports	%	2.82%	2.02%	0.31%	2.05%

c) As reflected in the following table, while the market share of the subject countries have increased, but that of the domestic industry has declined as compared to the base year.

Market Share in demand as %	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Share of Subject Countries	%	6.71%	7.20%	14.46%	32.81%

Territory Attracting anti-dumping duty-EU	%	2.18%	2.31%	0.69%	6.03%
Other countries	%	2.82%	2.02%	0.31%	2.05%
Domestic industry	%	79.97%	75.77%	70.73%	47.00%
Other domestic Producer	%	8.31%	12.70%	13.81%	12.11%

20.6 From the above, the Authority notes that:

- The market share of dumped imports from subject countries has increased significantly over the injury period.
- The imports from the subject countries have increased significantly in POI in relation to the total imports, production and consumption in India.
- As a result of the increase in imports, the share of the domestic industry has declined significantly in POI.

Price effect of imports

21. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like articles in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred to a significant degree. In order to assess the extent of price undercutting, the Authority has compared the net sales realization of the domestic industry with the landed value of the imports. The net sales realization was arrived, after deducting all rebates and taxes.

21.1 The Authority has also determined price undercutting cumulatively from the subject countries as a whole, which is as follows:-

	Landed Value (Rs./MT)	Price Undercutting (Rs./MT)	Price Undercutting (%)
Net Selling price of the domestic industry	60,132		
Country			
• China PR	60,654	***	(Negative)
• Korea RP	53,594	***	10-15%
• Malaysia	55,393	***	10-15%

• Russia	51,921	***	10-15%
• Taiwan	58,657	***	0-5%
• Thailand	60,019	***	0-5%

Total subject countries	55,811		5-10%

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Average landed import price	Rs./MT	54,579	51,951	49,563	55,811
Net Selling price of the domestic industry	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting amount	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting %	Rs./MT	Negative	0-5%	10-15%	5-10%

21.2 From the above, the Authority notes that:

- Landed prices of the imports from the subject countries as a whole were significantly below the net sales realization of the domestic industry, resulting in significant price undercutting.
- The price undercutting from China PR is marginally negative. But the landed price of imports is substantially lower than the non-injurious price. The domestic industry is suffering price underselling.
- Landed price of the imports from various sources were higher than the net selling price of the domestic industry till 2005-06. However, whereas the net selling price of the domestic industry increased thereafter, the landed price of the imports declined in 2006-07 and 2007-08. In the POI, even though the landed price of imports increased, the same was still substantially lower than net selling price of the domestic industry.

Price Suppression / Price Depression

21.2 In order to assess whether the imports from the subject countries were suppressing/ depressing the prices of the domestic industry, the Authority has compared the cost of production and the net selling price of the domestic industry along with the average landed price of the imports over the injury period, which is given in the following table:-

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Cost of Production	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	122	135
Net Selling price	Rs./MT	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	105	108	116
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	(100)	(171)	(352)	(442)
Average Landed price of subject countries imports	Rs./MT	54,579	51,951	49,563	55,811
Trend	Indexed	100	95	91	102

21.3 The Authority notes that whereas both the cost of production and the net selling price increased over the injury period, but the increase in the net selling prices were much lower than the increase in the cost of production. Thus, apparently the imports are significantly suppressing the prices of the domestic industry.

Economic parameters of the domestic industry

21.4 Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like article. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

21.5 The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:-

Production, sales, capacity and capacity utilization

21.6 The production, domestic sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry has been as follows:

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Capacity	MT	34,080	34,080	34,080	34,080
Production	MT	30,789	29,117	27,584	23,249
Capacity utilization	%	90.34%	85.44%	80.94%	68.22%
Domestic sales	MT	30,733	29,184	27,664	23,269
Demand	MT	38,430	38,516	39,114	49,513
Domestic Industry's Sales in % of demand	%	79.97%	75.77%	70.73%	47.00%

21.7 It is observed that:

- a) The domestic industry has maintained the same level of capacities throughout the injury period.
- b) The production, capacity utilization and sales of the domestic industry have consistently declined in absolute term over the injury period and the decline is significant.
- c) The production, capacity utilization and sales of the domestic industry have declined in relation to demand/consumption of the subject goods in India.
- d) The production and sales of the domestic industry should have increased with the pace of increase in demand of the product in India. Apparently, the dumping of the product has led to decline in these parameters. The Authority notes that the domestic industry has not been able to improve its production to the extent of its capacity or the increase in demand.
- e) The production and sales of the domestic industry has significantly declined in relation to the demand of the subject goods in India. The domestic industry has not been able to utilize its production capacities.

Profitability

21.8 The cost of production, net sales realization & profit/loss of the domestic industry are seen as follows:-:

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Cost of Production	Rs./MT	***	***	***	***
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
PBT on Domestic Sales	Rs. Lacs	***	***	***	***
PBIT on Domestic Sales	Rs. Lacs	***	***	***	***

21.9 It is noted that performance of the domestic industry for the subject goods has deteriorated over the injury period and the domestic industry is in significant financial losses. The Authority examined profitability by considering the trends in the cost of production and selling prices over the injury period. It is noted that both the cost of production and the selling prices increased throughout the injury period; but the increase in the selling price during the POI was significantly lower than the increase in the cost of production. Consequently, the profitability of the domestic industry suffered significantly during the POI.

21.10 In view of the continued losses being suffered by the domestic industry, the extent of which increased over the injury period, the Authority examined the reasons for continued financial losses by the domestic industry, particularly when anti-dumping duties were earlier imposed on imports from EU. It is noted that the anti-dumping duties were earlier imposed concerning imports from EU in the form of benchmark price. It is further noted

that the landed price of the subject goods, after the imposition of anti-dumping duties concerning imports from EU, have been significantly higher than the ADD benchmark. Thus, the imports would not have attracted the anti-dumping duties. Meanwhile the cost of production of the subject goods increased that, *inter alia*, made the anti-dumping duty practically redundant.

21.11 It is noted that the landed price of subject goods throughout the injury period, barring the exception of 2005-06, remained substantially lower than the selling price of the domestic industry. Existence of significant price undercutting prevented the domestic industry from charging a price which would have permitted reasonable recovery of the cost of production. It is further noted that while the costs increased throughout the injury period and even though the selling prices also increased; the increase in selling prices was significantly lower than increase in the cost of production.

21.12 The Authority finds merit in the domestic industry's claim that continued dumping of the product from territory attracting duty and subject countries has apparently led to financial losses suffered by the domestic industry throughout the injury period.

Market Share

21.13 Comparison of the sales of the domestic producers and the imports from the subject countries and the territory attracting ADD shows that although the demand for the subject goods has shown positive trend, the market share of domestic industry has declined significantly over the injury period, with the increase in the share of the subject countries and the territory attracting ADD.

21.14 *It is noted that whereas the market share of the domestic industry has declined, but that of subject imports has increased. Further, the capacity utilisation of the domestic industry has declined as a result of the decline in production and sales volumes.*

Employment, wages and productivity

21.15 The position with regard to employment, wages and productivity is as follows:

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
No. of Employees	Nos.	***	***	***	***
Wages	Rs. lacs	***	***	***	***
Productivity per day	MT/day	***	***	***	***
Productivity per employee	MT	***	***	***	***

21.16 The Authority notes that the productivity of the domestic industry has declined with the decline in production. The decline in productivity has ultimately resulted in decline in performance of the domestic industry. However, the Authority notes that the domestic

industry is a multi-product company and hence the employment by the domestic industry and wages paid may not be a correct parameter to evaluate the injury in the instant matter.

Return on investments and Cash flow

	<u>nit</u>	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
ROI - GFA Basis	%	***	***	***	***
Trend	Index	(100)	(203)	(340)	(363)
ROI - NFA Basis	%	***	***	***	***
Trend	Index	(100)	(219)	(358)	(400)
Cash Flow	Rs. Lac	***	***	***	***
Trend	Index	(100)	(50)	(601)	(421)

21.17 The Authority notes that return on investment and cash flow situation of the domestic industry deteriorated significantly during the POI as compared to the base year. Both the parameters continued to remain negative throughout the injury period.

Inventories

21.18 The data relating to inventories shows as follows:-

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (POI)
Average Inventories	MT	***	***	***	***

21.19 It is seen that average inventory has come down but it has been claimed by the domestic industry that it has declined as a direct result of the curtailment of the production by the domestic industry.

Dumping Margin

21.20 It is observed that the dumping margins in respect of each of the subject countries, except the co-operative respondents from Korea RP and Taiwan, are significantly positive.

Growth

21.21 The Authority notes that while there has been a substantial growth in the import volumes of the subject goods from the subject countries; but the growth of domestic industry in terms of sales, production, and capacity utilization has been negative. The growth in cash flow, profits and return on investment has also been negative over the injury period.

Ability to raise funds

21.22 It is noted that despite significant demand of the subject goods in the Country, the domestic industry has not been able to enhance its production capacity due to continued adverse performance in respect of the product. Further, the applicant is suffering significant financial losses as a result of dumping of the subject goods from the subject countries and territory attracting the anti-dumping duty.

K. Causal Link

Submissions made by the other interested parties

22. **No Causal link:** M/s Henkel Teroson Ltd. has relied upon the financial statements of the domestic industry and has contended that the reasons for its poor performance were factors such as global economic crisis, violent fluctuation in the petroleum and petro-chemical prices, low priced imports of finished leather cloth, slowdown in automobile and retail home segment etc. It has been contended that the domestic industry had in their financial statements for 2009-10 stated that the losses incurred by the company for the current year as well as the previous year (POI) were the only loss making year in the last 39 years of operation and the the domestic industry believes that there are good times ahead for the company and hence, it has been contended that there is no need for imposing anti-dumping duties and the investigation should be terminated immediately.

22.1 M/s Hanwha Chemical Corporation has contended that there is no causal link - all other known factors must be considered. It has contended that M/s Chemplast Sanmar Ltd. has plant at Mettur that can, in separate batches, produce both PVC Paste Resins and PVC Suspension resin and new plant at Cuddalore that focuses on PVC Suspension resin.

Examination by the Authority

23. As per the AD Rules, the Authority, *inter alia*, is required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, *inter alia*, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry.

Month-wise analysis of exports, Sales Realization and NIP for the DI

23.1. A number of interested parties have requested for a month-wise analysis of the exports, cost of production and injury to the domestic industry. The Authority has undertaken a

month wise analysis of the volume of imports, its effects on the prices and the price undercutting and other parameters impacting the domestic industry. The Authority notes that there has been a sudden surge in the volume of exports from the subject countries during July, 2008 and August, 2008. On the other hand, there was no significant change in the landed price of the subject goods during these two months. However, this had a serious impact on the sales realization of the domestic industry in the following months. In the month of October, 2008, the domestic industry suffered a decline in the sales realization by as much as ***% while the sales realization of the domestic industry further declined by as much as ***% over the sales realization in August, 2008. Further, there was no significant change in the landed value of imports of the subject countries till November, 2008. During the entire period of investigation, the domestic industry has suffered significant price undercutting from the imports of the subject goods from the subject countries except in the months of September and October, 2008. As stated above, this was primarily on account of decline in the sales realization of the domestic industry over previous months with no corresponding change in the landed values. A further analysis of the cost of production and the NIP for the domestic industry indicates that during the entire period of investigation, the domestic industry was not able to realize a fair selling price for the subject goods. In the month of October, 2008, in spite of the decline in the cost of production of the domestic industry due to reduction in the international prices of the main raw material, the domestic industry was just able to compete with the imports from the subject countries. However, due to significant reductions in the landed values of imports from November, 2008 onwards, the domestic industry once again suffered material injury and was not able to realize a fair selling price for the subject goods.

3.2

Besides, it was found that:-

- a. Volume and Price of imports from third countries: - The Authority notes that imports from third countries except EU are either at higher prices or their volume is de-minimis. Imports of the PUC from EU are already attracting Anti-dumping duty. Thus, imports from third countries could not have caused injury to the domestic industry.
- b. Contraction in Demand and Changes in pattern of consumption - It is noted that the demand of the subject goods has increased by 28.83% in the period of investigation as compared to the base year. There is also no indication of any change in the consumption pattern.
- c. Trade Restrictive Practices of and Competition between the Foreign and Domestic producers: The import of the subject goods is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. The domestic producers compete amongst one another and at the same time compete with the landed prices of the subject goods. The price of the domestic industry is influenced substantially by the landed price of subject goods. Moreover, no evidence has been submitted by any interested party to

suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.

- d. Development of Technology: No party has raised any issue with regard to developments in technology as being the cause of injury to the domestic industry. No information, in respect of any significant development in technology, is on record that could be the principal cause of injury to the domestic industry.
- e. Export Performance: There are no exports of the subject goods. In any case, the Authority has considered profitability and other price parameters only in respect of domestic operations.
- f. Productivity: It is noted that the productivity of the domestic industry has shown decline. While the domestic industry has argued that the decline in productivity was due to the decline in production triggered by dumping and such injury was not required to be segregated, the Authority examined whether the information relating to domestic industry would have shown injury, had productivity of the domestic industry been the same. For the purpose, the cost of production was adjusted downwards, considering the level of productivity as the same as the base year and profitability was recomputed thereafter. It was noted that the profitability, cash profits and return on investment would have still shown significant decline. It was thus found that the decline in productivity has not significantly impacted the profitability, cash profits and return on investments of the domestic industry.

23.3 The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- a) *Imports of the product under consideration have increased significantly. As a direct consequence thereof, the domestic industry has lost its market share.*
- b) *The domestic industry has lost sales volumes due to the presence of the dumped imported of the subject goods in India at prices lower than their cost of production. Thus, the decline in sales volumes is a direct consequence of the dumped imports from the subject countries.*
- c) *The imports, from the subject countries as a whole, are undercutting the prices of the domestic industry.*
- d) *The imports are significantly suppressing the domestic prices. The domestic industry has been prevented from increasing its prices in line with the increase in its cost of production due to the presence of the low-priced imported goods.*

e) *The deterioration in profits and return on capital employed apparently are as a result of the dumped imports.*

f) *Due to the presence of dumped imports; the production, sales volumes & capacity utilisation of the domestic industry also declined.*

g) *Growth of the domestic industry has become negative in respect of a number of parameters.*

23.4 Thus, the Authority is of the view that material injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

L. **Magnitude of injury and injury margin**

24. The Authority has determined non-injurious prices of subject goods for the domestic industry taking into account the cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine the injury margin. The injury margins have been worked out as follows:-

Cooperating Exporter

		M/s Formosa Plastics Corporation	M/s. Kaneka Paste Polymers Sdn Bhd through M/s. Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd.	M/s <i>Hanwha Chemical Corporation</i>	M/s LG Chem Ltd.
Weighted Avg. NIP Based on the Months on which goods have Landed	Rs./M T	***	***	***	***
Landed Price	Rs./M T	***	***	***	***
Injury Margin	Rs./M T	***	***	***	***
Injury Margin (%)	%	25-30%	25-30%	25-30%	10-15%

Non-Cooperating Exporter

		China PR	Korea	Malaysia	Russia	Taiwan	Thailand
NIP	Rs./MT	***	***	***	***	***	***
Landed Price	Rs./MT	***	***	***	***	***	***
Injury Margin	Rs./MT	***	***	***	***	***	***
Injury Margin (%)	%	20-25%	30-35%	25-30%	30-35%	20-25%	20-25%

M. Conclusions:

25. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below their associated normal values, except in the cases wherein the dumping margin has been found to be negative.
- (b) The domestic industry has suffered material injury in respect of the product under consideration.
- (c) The material injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from the subject countries.

N. Indian industry's interest & other issues

26. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate 'injury' caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

27. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the

subject goods. With a view to minimize the impact on the downstream industry, the Authority has considered it appropriate to recommend anti-dumping duty based on the lower of the dumping and injury margins. The Authority notes that the imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

O. Recommendations

28. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Act and the AD Rules and having established definitively positive dumping margins concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries and as well as material injury thereof to the domestic industry caused by such dumped imports; the Authority is of the view that imposition of definitive duty is required to offset the dumping and 'injury' in the instant matter. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duties concerning imports of the subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

29. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount as the difference between the landed values and the reference price as indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed concerning all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

Sl. No	Heading / Sub heading	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Reference price	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	China PR	China PR	Any	Any	1707	MT	US \$
2	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	China PR	Any country other than the subject countries	Any	Any	1707	MT	US \$

3.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Any country other than the subject countries	China PR	Any	Any	1707	MT	US \$
4.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Malaysia	Malaysia	Kaneka Paste Polymers Sdn. Bhd.	Mitsui & Co. (Asia Pacific) Pte. Ltd, Malaysia	1471	MT	US \$
5.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Malaysia	Any country other than the subject countries	Any other than Sl. N 4.		1471	MT	US \$
6.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Any country other than the subject countries	Malaysia	Any	Any	1471	MT	US \$
7.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Korea RP	Korea RP	Hanwha Chemical Corporation	Hanwha Chemical Corporation	NIL	MT	US \$
8.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Korea RP	Korea RP	M/s LG Chem Ltd.	M/s LG Chem Ltd.	NIL	MT	US\$
9.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Korea RP	Any country other than the subject countries	Any other than Sl. No. 7&8		1706	MT	US \$
10.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Any country other than the subject countries	Korea RP	Any	Any	1706	MT	US \$
11.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Taiwan	Taiwan	M/s Formosa Plastics Corporation	M/s Formosa Plastics Corporation	NIL	MT	US \$
12.	39042210	Poly Vinyl Chloride	Taiwan	Any country	Any other than Sl. No. 11		1701	MT	US \$

		Paste Resin*		other than the subject countries					
13.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Any country other than the subject countries	Taiwan	Any	Any	1701	MT	US \$
14.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Russia	Russia	Any	Any	1701	MT	US \$
15.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Russia	Any country other than the subject countries	Any	Any	1691	MT	US \$
16.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Any country other than the subject countries	Russia	Any	Any	1691	MT	US \$
17.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Thailand	Thailand	Any	Any	1551	MT	US \$
18.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Thailand	Any country other than the subject countries	Any	Any	1551	MT	US \$
19.	39042210	Poly Vinyl Chloride Paste Resin*	Any country other than the subject countries	Thailand	Any	Any	1551	MT	US \$

* Please note: 1. Blending resin; 2. Co-polymers of PVC paste resin; 3. Battery separator resin and 4. PVC paste resin of K value below 60 are excluded from the scope of these recommendations.

M. **Further Procedure**

30. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under Sections 3, 3A, 8B, 8C, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
31. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

VIJAYLAXMI JOHSHI, Designated Authority